छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

RNI Reg. No.-CHHHIN/2009/36148
डाक पंजीयन क्र.-45/Surguja Dn/2024-26

वर्ष - 17 ■ अंक - 198 ■ अम्बिकापुर, शुक्रवार 31 जुलाई 2026 पृष्ठ -8 ■ मूल्य - 1 रूपये

WWW.cgfrontline.com

रेल नेटवर्क का विस्तार छत्तीसगढ़ के संतुलित, समावेशी विकास का मजबूत आधार बनेगा: मुख्यमंत्री

छ.ग.फ्रंटलाइन नईदिल्ली।
मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरूवार को नई दिल्ली प्रवास के दौरान रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव से सौजन्य भेंट कर छत्तीसगढ़ में रेलवे अधोसंरचना के विस्तार, नई रेल परियोजनाओं तथा लंबित रेल लाइनों की प्रगति के संबंध में विस्तृत चर्चा की। इस अवसर पर केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू तथा राजनांदगांव लोकसभा क्षेत्र के सांसद संतोष पांडे उपस्थित थे।

बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि, छत्तीसगढ़ देश के औद्योगिक, खनिज एवं कृषि दृष्टि से अत्यंत महत्वपूर्ण राज्यों में से एक है। प्रदेश में रेलवे नेटवर्क का विस्तार केवल यातायात सुविधा का विषय नहीं, बल्कि औद्योगिक विकास, व्यापार, पर्यटन, कृषि विपणन, जनजातीय अंचलों के विकास तथा क्षेत्रीय संतुलित प्रगति से भी जुड़ा हुआ है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में देशभर में रेल अधोसंरचना के अभूतपूर्व विस्तार का लाभ छत्तीसगढ़ को भी मिल रहा है और राज्य सरकार इस दिशा में केंद्र सरकार के साथ पूर्ण समन्वय के साथ कार्य कर रही है।

बैठक में कटघोरा-डोंगरगढ़ नई रेलवे लाइन परियोजना पर विशेष रूप से चर्चा हुई। बैठक में बताया गया कि लगभग 295 किलोमीटर लंबी इस महत्वाकांक्षी रेल परियोजना का विकास रेल मंत्रालय और छत्तीसगढ़ शासन के संयुक्त उपक्रम (ज्वाइंट वेंचर) के माध्यम से किया जाएगा। इसके लिए दोनों संस्थाओं की साझेदारी में एक स्पेशल परपज़ व्हीकल का गठन किया जाएगा। यह रेल लाइन कटघोरा से करतला, मुंगेली, कवर्धा और खैरागढ़ होते हुए डोंगरगढ़ तक पहुंचेगी तथा ऐसे अनेक क्षेत्रों को पहली बार रेलवे नेटवर्क से जोड़ेगी, जहां अब तक रेल सुविधा उपलब्ध नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस परियोजना से क्षेत्रीय विकास को नई गति मिलेगी, उद्योगों को प्रोत्साहन मिलेगा तथा लाखों नागरिकों को बेहतर आवागमन की सुविधा प्राप्त होगी।

बैठक में रावघाट-जगदलपुर रेलवे लाइन परियोजना की भी समीक्षा की गई। मुख्यमंत्री ने कहा कि लगभग 140 किलोमीटर लंबी इस महत्वपूर्ण रेल लाइन के लिए भूमि अधिग्रहण की आवश्यक कार्रवाई पूरी की जा चुकी है तथा रेलवे द्वारा निविदा प्रक्रिया अंतिम चरण में है। उन्होंने अपेक्षा व्यक्त की, निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ होने से बस्तर अंचल की कनेक्टिविटी मजबूत होगी और क्षेत्र के सामाजिक एवं आर्थिक विकास को नई दिशा मिलेगी।

इन परियोजनाओं को स्वीकृति प्रदान करने किया आग्रह

मुख्यमंत्री ने प्रदेश की तीन अन्य महत्वपूर्ण रेल परियोजनाओं सरडेगा-पत्थलगांव-अंबिकापुर (244 किलोमीटर), धरमजयगढ़-पत्थलगांव-लोहरदगा (301 किलोमीटर) तथा अंबिकापुर-बरवाडीह (200 किलोमीटर) को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने का अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि इन परियोजनाओं से उत्तर छत्तीसगढ़ सहित सीमावर्ती क्षेत्रों की रेल संपर्क व्यवस्था सुदृढ़ होगी तथा व्यापार, पर्यटन, खनिज परिवहन और स्थानीय रोजगार के नए अवसर सृजित होंगे। रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव ने इन परियोजनाओं को शीघ्र स्वीकृति प्रदान करने की दिशा में सकारात्मक पहल का आश्वासन दिया। बैठक के दौरान किरंदुल-कोत्तागुडेम (180 किलोमीटर) तथा गढ़चिरौली-बीजापुर-किरंदुल (बचेली) (490 किलोमीटर) नई रेल लाइन परियोजनाओं के सर्वे कार्य की प्रगति पर भी चर्चा हुई। मुख्यमंत्री ने सर्वे कार्य शीघ्र पूर्ण कर आगामी कार्रवाई प्रारंभ करने का अनुरोध किया, जिससे बस्तर क्षेत्र की कनेक्टिविटी और अधिक मजबूत हो सके तथा विकास एवं सुरक्षा से जुड़े प्रयासों को गति मिले।

समन्वित प्रयासों से छत्तीसगढ़ का रेल नेटवर्क होगा मजबूत

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने रेल मंत्री अश्विनी वैष्णव का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि केंद्र सरकार के सहयोग से छत्तीसगढ़ में रेलवे विकास के नए अध्याय लिखे जा रहे हैं। उन्होंने कहा कि नई रेल परियोजनाएं प्रदेश के औद्योगिक विकास, खनिज परिवहन, कृषि उत्पादों की सुगम आवाजाही, पर्यटन संवर्धन और जनजातीय क्षेत्रों के समग्र विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी। उन्होंने विश्वास व्यक्त किया कि केंद्र और राज्य सरकार के समन्वित प्रयासों से छत्तीसगढ़ का रेल नेटवर्क आने वाले वर्षों में और अधिक मजबूत होगा, विकसित छत्तीसगढ़ के निर्माण को नई गति मिलेगी।

तकनीकी समस्या के कारण नहीं कटेगा किसी शिक्षक का वेतन: शिक्षा मंत्री

वीएसके ऐप में 85 प्रतिशत शिक्षक लगा रहे अटेंडेंस, तकनीकी त्रुटियों का होगा समाधान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।
स्कूल शिक्षा मंत्री गजेंद्र यादव ने कहा है कि, शिक्षक संगठनों एवं शिक्षकों ने वीएसके ऐप में आ रही तकनीकी त्रुटियों एवं एरर संबंधी शिकायतों को राज्य सरकार ने गंभीरता से लिया है। उन्होंने स्पष्ट किया कि ऐप में आने वाली तकनीकी समस्याओं के कारण किसी भी शिक्षक का वेतन नहीं काटा जाएगा। शिक्षकों को किसी प्रकार की चिंता करने की आवश्यकता नहीं है। उन्होंने संबंधित अधिकारियों एवं तकनीकी टीम को वीएसके ऐप में आ रही सभी समस्याओं का त्वरित निराकरण करने के निर्देश दिए गए हैं। लक्ष्य निर्धारित किया गया है कि 15 अगस्त तक ऐप में आ रही तकनीकी खामियों का समाधान कर इसे पूरी तरह सुचारु बनाया जाए, ताकि शिक्षकों को बिना किसी परेशानी के अपनी ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने की सुविधा मिल सके।

डेढ़ लाख शिक्षक रोजाना दर्ज करा रहे ऑनलाइन उपस्थिति

शिक्षा मंत्री ने प्रदेश के शिक्षकों का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि, राज्य के लगभग 1 लाख 75 हजार शिक्षकों में से लगभग डेढ़ लाख शिक्षक लगभग 85 प्रतिशत शिक्षक प्रतिदिन वीएसके ऐप के माध्यम से अपनी ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज कर रहे हैं। यह दर्शाता है कि प्रदेश के शिक्षक नई तकनीक को अपनाते हुए शिक्षा व्यवस्था को अधिक पारदर्शी, जवाबदेह एवं आधुनिक बनाने में सक्रिय भूमिका निभा रहे हैं। उन्होंने कहा कि प्रदेश के शिक्षक केवल शिक्षण कार्य ही नहीं, बल्कि डिजिटल व्यवस्था को सफल बनाने में भी महत्वपूर्ण योगदान दे रहे हैं। सरकार उनके इस सहयोग, अनुशासन और समर्पण का सम्मान करती है। शिक्षकों के सुझावों और अनुभवों के आधार पर इस ऐप को और अधिक सरल, उपयोगी एवं प्रभावी बनाया जाएगा।

शिक्षकों के हितों की पूरी सुरक्षा के लिए सरकार प्रतिबद्ध

गजेंद्र यादव ने कहा कि राज्य सरकार शिक्षकों के सम्मान, सुविधा और हितों के प्रति पूरी तरह प्रतिबद्ध है। यदि किसी शिक्षक को तकनीकी कारणों से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने में कठिनाई आती है, तो उसके हितों की पूरी सुरक्षा की जाएगी। किसी भी शिक्षक को तकनीकी खामी का खामियाजा नहीं भुगतना पड़ेगा। उन्होंने सभी शिक्षकों से अपील की कि वे पूर्व की भांति वीएसके ऐप का उपयोग करते रहें। यदि किसी प्रकार की तकनीकी समस्या या सुझाव हो तो उसे संबंधित अधिकारियों तक अवश्य पहुंचाएं। सरकार प्रत्येक सुझाव का सकारात्मक परीक्षण कर आवश्यक सुधार करेगी, ताकि प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था और अधिक प्रभावी एवं तकनीक-सक्षम बन सके।

बाइक की ठोकर से घायल अधेड़ महिला की मौत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।
बाइक की ठोकर से घायल अधेड़ महिला की इलाज के दौरान मौत हो गई। मामले में पुलिस ने मर्ग कायम कर लिया है। जानकारी के मुताबिक, लुण्ड्रा थाना क्षेत्र के ग्राम करौली की जोखनी मराबी पति स्वर्गीय शंकर राम मराबी 54 वर्ष, 29 जुलाई को गांव की महिलाओं के साथ लोन के सिलसिले में ग्राम बरगीडीह स्थित ग्रामीण बैंक दिन में 11 बजे गई थी। दोपहर करीब एक बजे बतौली की ओर जा रहे बाइक सवार ने उसे टक्कर मार दिया। साथ गई महिलाओं ने अन्य लोगों के सहयोग से उसे बरगीडीह स्वास्थ्य केन्द्र पहुंचाया। यहां से प्राथमिक उपचार के बाद चिकित्सक ने उसे रेफर कर दिया था। स्वजन संजीवनी 108 से उसे मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर लेकर पहुंचे, यहां उपचार के दौरान महिला की मौत हो गई। अस्पताल से मिली सूचना पर पुलिस ने मर्ग कायम करके मृतिका के शव का पोस्टमार्टम कराया है।

भूख हड़ताल खत्म, विश्वविद्यालय ने मानी एनएसयूआई की 8 सूत्रीय मांगें

कुलसचिव के आश्वासन के बाद तोड़ा क्रमिक अनशन, परीक्षा शुल्क में भी मिली राहत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।
छात्रहित की मांगों को लेकर एनएसयूआई और छात्र-छात्राओं का आंदोलन रंग लाया। 26 जुलाई से चल रही क्रमिक भूख हड़ताल 30 जुलाई को संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय के कुलसचिव के आने और 8 सूत्रीय मांगों को लेकर की गई कार्रवाई की लिखित जानकारी देने के बाद समाप्त हो गई। छात्र संगठन के बैनर तले छात्र पिछले 4 दिनों से परीक्षा शुल्क, भर्ती, सुरक्षा और अन्य मुद्दों को लेकर अनशन पर बैठे थे। विवि ने छात्रहित में की गई 8 मांगों पर सहमति दी है।

कुलसचिव ने इन्हें लिखित में अवगत कराया है कि, परीक्षा शुल्क एवं अन्य शुल्क में आंशिक कमी के लिए 29 जुलाई को अधिसूचना जारी किया गया है। शैक्षणिक पदों की भर्ती में छत्तीसगढ़ शासन के आरक्षण नियम और रोस्टर का पालन किया गया है, यह आयुक्त, सरगुजा संभाग के द्वारा की गई जांच में भी स्पष्ट हो गया है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट का लोकार्पण राज्यपाल एवं कुलाधिपति के हाथों हो चुका है। वेबसाइट सर्वसंबंधितों के लिए चालू हो गया है। इसके अलावा विश्वविद्यालय के भकुरा परिसर में अतिरिक्त सीसीटीव्ही कैमरे लगाने की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। सुरक्षा के लिए पुलिस अधीक्षक को नियमित पेट्रोलिंग और पुलिस चौकी के लिए पत्र लिखा गया है। अधूरे भवन और सड़क के लिए शासन स्तर पर मुख्यमंत्री, मंत्री और सचिव को पत्र प्रेषित किया गया है। परीक्षा परिणाम जल्द जारी करने और ऑनलाइन/डिजिटल मूल्यांकन कार्य प्रारंभ किया गया है। विश्वविद्यालय में टोल फ्री/टेलीफोन नंबर शुरू करने की कार्रवाई प्रक्रियाधीन है। कुलसचिव के आश्वासन के बाद एनएसयूआई के पदाधिकारियों ने अनशन समाप्त किया।

इस दौरान सरगुजा यूनिवर्सिटी के एनएसयूआई उपाध्यक्ष ज्ञान तिवारी, शिफ्तेन रजा, अभिनव काशी, एनएसयूआई अध्यक्ष सुरेंद्र गुप्ता, उपाध्यक्ष गौतम गुप्ता, कान्हा पटेल, आकाश पटेल, पवन सोनी, आकिब खान, रवि शुक्ला सहित बड़ी संख्या में छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे। क्रमिक भूख हड़ताल 26 जुलाई से शुरू हुई थी। छात्रहित में शुरू किए गए अनशन में पूर्व उप मुख्यमंत्री टी.एस. सिंहदेव भी पहुंचे थे, और इनकी मांगों के संबंध में कुलपति से चर्चा की थी, जिस पर विवि प्रशासन ने मांगों पर कार्रवाई का भरोसा दिलाया था। छात्रों का कहना है कि कागज में उल्लेखित मांगों के पूरी होने तक वे निगरानी रखेंगे।

पीजी कॉलेज में लॉ की 240 सीटों को घटाकर 120 करने पर सिंहदेव ने जताई आपत्ति

मुख्यमंत्री को लिखे पत्र में कहा-कई होनहार पढ़ाई बीच में ही छोड़ने मजबूर होंगे

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।
सरगुजा संभाग के सबसे बड़े शासकीय राजीव गांधी स्नातकोत्तर महाविद्यालय में लॉ की सीटें आधी करने के फैसले से सियासत गरमा गई है। पूर्व उप मुख्यमंत्री और कांग्रेस के वरिष्ठ नेता टी.एस. सिंहदेव ने इस मुद्दे को लेकर सीधे मुख्यमंत्री को पत्र लिखकर कड़ा विरोध जताया है। सिंहदेव ने कहा है कि राजीव गांधी शासकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय अंबिकापुर में विधि संकाय की सीटों को पूर्ववत 240 किया जाए। सीटें 120 करने का प्रभाव सरगुजा के दूर-दराज, ग्रामीण और आदिवासी अंचलों के गरीब व मेधावी बच्चों पर पड़ेगा। इन्हें कम खर्च में कानून की पढ़ाई मिल जाती थी। सीट 120 कर देने से सैकड़ों छात्रों को महंगे निजी कॉलेज जाना पड़ेगा। सरगुजा वैसे भी आदिवासी बाहुल्य क्षेत्र है। यहां न्याय प्रणाली को समझाने और कानूनी जागरूकता फैलाने के लिए स्थानीय स्तर पर विधि स्नातकों की अत्यधिक आवश्यकता है। सिंहदेव ने विद्यार्थियों के भविष्य और क्षेत्र की जरूरतों को देखते हुए लॉ की सीटें पुन: 240 करने हेतु संबंधित विभाग को निर्देशित करने का आग्रह किया है।

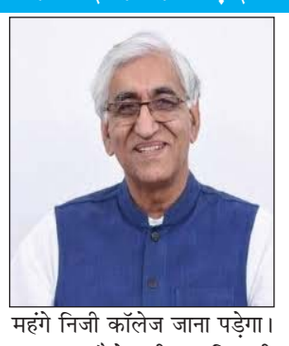

सीटें घटने से ऐसे बनेंगे हालात
राजीव गांधी पीजी कॉलेज सरगुजा संभाग का एक प्रमुख और ऐतिहासिक शिक्षण संस्थान है। यहां पूरे संभाग से बच्चे पढ़ने आते हैं। सीटें 240 से घटाकर 120 करने से सरकारी कॉलेज में 10 से 15 हजार में होने वाली पढ़ाई के लिए निजी कॉलेज में 50 हजार से एक लाख देना होगा। छात्रों के पलायन की स्थिति बनेगी। कई होनहार छात्र पढ़ाई बीच में ही छोड़ने के लिए मजबूर होंगे। आदिवासी क्षेत्र में पहले से ही वकीलों और कानूनी सलाहकारों की कमी है, इसमें और बढ़ोतरी होगी। अब देखना है कि सरकार इस मांग पर क्या फैसला लेती है। सरगुजा के हजारों छात्रों की नजर अब मुख्यमंत्री के पहल ओर प्रत्युत्तर पर टिकी है।

एसएसपी ने दुष्कर्म के फरार आरोपित की गिरफ्तारी के लिए जारी की ईनाम की उद्घोषणा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। किशोरी के साथ दुष्कर्म के मामले में फरार आरोपित की गिरफ्तारी हेतु डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा ने 5 हजार रुपये ईनाम की उद्घोषणा की है। सूचना देने वाले का नाम पूरी तरह से गोपनीय रखा जाएगा। बता दें कि कोतवाली थाना पुलिस ने रोजाना की तरह खाना बनाने के लिए गई किशोरी के साथ दुष्कर्म के मामले में ग्राम भफौली निवासी तरूण जायसवाल के विरूद्ध अपराध क्रमांक-504/2026, धारा-65 (1) बी.एन.एस. के अलावा पॉक्सो एक्ट की धारा 4, 6 का केस दर्ज किया है। आरोपित दुष्कर्म की घटना के बाद ग्रामीणों के आक्रोश और पीड़ित परिवार के साथ थाना जाने की जानकारी मिलने के बाद फरार हो गया, जिसकी पतासाजी/गिरफ्तारी का हरसंभव प्रयास किया गया किन्तु अभी तक उसके बारे में पता नहीं चला है।

प्रकरण की गंभीरता को संज्ञान में लेकर डीआईजी एवं एसएसपी सरगुजा राजेश अग्रवाल द्वारा पुलिस रेग्युलेशन के पैरा 80-ए में निहित दी गई शक्तियों का प्रयोग करते हुए घोषणा की है, जो कोई प्रकरण के उक्त फरार आरोपित के संबंध में ऐसी कोई जानकारी देगा जिससे उसकी गिरफ्तारी हो सके या गिरफ्तार कराएगा अथवा गिरफ्तार करेगा, उसे पांच हजार रुपये ईनाम की राशि से पुरस्कृत किया जाएगा। पुरस्कार वितरण के संबंध में अंतिम निर्णय पुलिस अधीक्षक सरगुजा का होगा।

सूचना प्रदान करने जारी किया नंबर-आरोपित के संबंध में सूचना वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक, सरगुजा को 94791-93501, अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक को 94791-93502, नगर पुलिस अधीक्षक अंबिकापुर को 94791-93503 में या फिर पुलिस नियंत्रण कक्ष सरगुजा में 94791-93599 पर दी जा सकती है।

करोड़ों के ईपीएफ-ईएसआईसी घोटाले में हाईकोर्ट सख्त, 4 सप्ताह में चालान पेश करने का आदेश

सीएसपीडीसीएल के चीफ इंजीनियर, एसई और ठेकेदार के खिलाफ कोतवाली में एफआईआर, 1 साल बाद भी नहीं हुई गिरफ्तारी

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर।
छत्तीसगढ़ स्टेट पावर डिस्ट्रिब्यूशन कंपनी लिमिटेड अंबिकापुर में करोड़ों रुपये के फर्जी ईपीएफ-ईएसआईसी घोटाले के मामले में छत्तीसगढ़ हाईकोर्ट ने सख्त रुख अपनाया है। कोर्ट ने पुलिस को 4 सप्ताह के भीतर विवेचना पूरी कर अंतिम प्रतिवेदन चालान पेश करने का आदेश दिया है। एक साल से अधिक समय बीत जाने के बाद भी गिरफ्तारी नही होने और चालान पेश न करने से नाराज होकर आरटीआई एक्टिविस्ट डॉ. डीके सोनी ने हाईकोर्ट में याचिका लगाई थी। करोड़ों के गोलमाल के मामले में कोतवाली पुलिस ने एफ़आईआर क्रमांक 282/2025, धारा 409, 419, 420, 467, 468, 471, 120 बी आईपीसी का मामला चीफ इंजीनियर, सीएसपीडीसीएल अंबिकापुर, सुपरिंटेंडेंट इंजीनियर और ठेकेदार प्रभोजत सिंह भल्ला मेसर्स आरके एसोसिएट, मैट्रिक्स सर्विस गुरुकृपा ग्रुप के विरुद्ध दर्ज किया है।

घोटाले का तरीका-फर्जी उपस्थिति- बाह्य स्रोत के भृत्यों और 150 कंप्यूटर ऑपरेटरों की वास्तविक उपस्थिति से अधिक का भुगतान किया गया। 10 भृत्य के नाम पर 13,07,875 से अधिक, 14 भृत्य के नाम पर 4,81,163 से अधिक, 150 कंप्यूटर ऑपरेटर के नाम 1,32,52,783 से अधिक का भुगतान होना सामने आया है।

फर्जी ईपीएफ-ईएसआईसी चालान-नियमों के विपरीत बिना सत्यापन के देयक पारित। ईपीएफ चालान में कूट रचना कर फर्मों को भुगतान किया गया। जिसमें आरके एसोसिएट को 15,05,088 से अधिक, मैट्रिक्स सर्विस को 29,48,036 से अधिक, इस प्रकार कार्यपालन निदेशक की जांच रिपोर्ट के अनुसार 1 करोड़ 82 लाख 86 हजार 907 रुपये का अधिक भुगतान किया गया।

यह था नियम-देयक पारित करने से पहले ईपीएफ-ईएसआईसी जमा का चालान और सत्यापित पे-रोल लगाना अनिवार्य था। लेकिन अधिकारियों ने बिना जांच के ही बिल पास कर दिए।

हाईकोर्ट ने कहा-डॉ. डीके सोनी ने धारा 156(3) के तहत निचली अदालत से एफआईआर कराई थी। एफआईआर के बाद आरोपियों की अग्रिम जमानत भी खारिज हो गई, लेकिन कोतवाली पुलिस ने न गिरफ्तारी की न चालान पेश किया। इस पर डॉ. डीके सोनी बनाम छत्तीसगढ़ शासन में सुनवाई करते हुए हाईकोर्ट बिलासपुर ने दिनांक 3/7/2026 को आदेश दिया कि अपराध क्रमांक 282/25 में चार सप्ताह के भीतर विवेचना पूर्ण कर अंतिम प्रतिवेदन न्यायालय में प्रस्तुत किया जाए। मुख्य न्यायिक दंडाधिकारी ने पहले ही माना था कि उपस्थिति पत्रक और ईपीएफ-ईएसआईसी दस्तावेजों का सत्यापन किए बगैर अधिक राशि का भुगतान प्रथम दृष्टया सिद्ध हो रहा है।

सवाल अब पुलिस पर-आरोप गंभीर हैं- शासकीय राशि का सुनियोजित गबन, कूटरचित दस्तावेज और अधिकारियों-ठेकेदार की मिलीभगत। हाईकोर्ट के आदेश के बाद अब देखना है कि कोतवाली पुलिस कितनी जल्दी इस करोड़ों के घोटाले में शामिल बड़े अधिकारियों और ठेकेदार को गिरफ्तार कर चालान पेश करती है।

के आर टेक्निकल कॉलेज
SINCE 2008
(Regular | Private | Distance)
ADMISSION OPEN 2026-27
मान्यताएँ
संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय सरगुजा से सम्बद्ध
छत्तीसगढ़ उच्च शिक्षा विभाग से मान्यता प्राप्त
इग्नू का स्टडी सेंटर
COURSES OFFERED
UG COURSES: BCA, BBA, BCOM, BSC BIO, BSC MATHS, BSC CS, BA
PG COURSES: MSC CS, MSC IT, MSC BOTANY, MSC ZOOLOGY, MSC CHEMISTRY, MSC MATHS, MSC PHYSICS, MCOM, MSW, MA HINDI
PROFESSIONAL COURSES: DCA, PGDCA, PGDBM, PGDRD, BLIB
SCHOLARSHIP FACILITIES
विद्यासागर छात्रवृत्ति (सभी वर्गों के विद्यार्थियों के लिए)
पोस्ट मैट्रिक छात्रवृत्ति (SC, ST एवं OBC विद्यार्थियों हेतु)
सीमित कोर्स में फ्री कोचिंग सुविधा उपलब्ध
COLLEGE CAMPUS: अम्बिकापुर रेलवे स्टेशन के पास, काली घाट मंदिर के आगे, संजय नगर, छत्तीसगढ़
CITY OFFICE: कृष्ण आभा भवन, रिंग रोड, नमना कला, अम्बिकापुर, छत्तीसगढ़
9926513170, 9826612781
9826183771

(बालाजी क्लीनिक)
मद्रासी दवाखाना
Reg. No. Cg03026
ISO 9001: 2015 CERTIFIED
बादी एवं खूनी बवासीर, नासूर, भगंदर, फीसर एवं कांच (गुदा) का क्षार सूत्र से, एवं आंतों की बीमारियों जैसे पेट का भारीपन, गैस, कब्ज, पुरुष और स्त्री के गुप्त रोगों का आयुर्वेदिक उपचार किया जाता है।
डॉ. के.एम. राव
एम.एस.(आयु) शल्य
भूतपूर्व प्राध्यापक शल्य विभाग
शासकीय आयुर्वेद कॉलेज अहमदाबाद
समय :- सोमवार से शनिवार, सुबह 10 से 2, शाम 6 से 7:30
रविवार सुबह 10 से 2, शाम को बंद रहेगा
बिलासपुर रोड, बिलासपुर चौक, अम्बिकापुर मो. 90099-56307

कृषकों के घर-घर और खेतों तक पहुंचकर किया जा रहा एग्रीस्टैक कार्य

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देशानुसार उप संचालक कृषि सुश्री संपदा पैकरा एवं वरिष्ठ कृषि विकास अधिकारी श्री शिव शंकर यादव के मार्गदर्शन में प्रतापपुर विकासखंड में कृषि विभाग का मैदानी अमला एग्रीस्टैक कार्य को सुचारू रूप से संपादित कर रहा है।

कृषि विभाग द्वारा किसानों को फॉर्मर आईडी बनाने के लिए जागरूक किया जा रहा है। अधिकारियों ने बताया कि निकट भविष्य में धान खरीदी, प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि सहित केंद्र एवं राज्य सरकार की विभिन्न किसान हितैषी योजनाओं का लाभ फार्मर आईडी के माध्यम से ही प्रदान किया जाएगा। एग्रीस्टैक का मुख्य उद्देश्य प्रत्येक कृषक की भूमि को आधार से ऑनलाइन जोड़कर कृषि संबंधी अभिलेखों का डिजिटलीकरण करना है, जिससे भविष्य में भूमि संबंधी समस्याओं का समाधान आसान होगा और योजनाओं का लाभ पारदर्शी एवं समयबद्ध तरीके से मिल सकेगा।

इसी क्रम में आज ग्राम पंचायत सकलपुर एवं श्यामनगर में ग्रामीण कृषि विस्तार अधिकारी श्री अभिषेक सिंह के नेतृत्व में सीएससी संचालक श्री माखन प्रजापति के सहयोग से कृषकों के घर-घर एवं खेतों तक पहुंचकर एग्रीस्टैक कार्य पूर्ण कराया गया। वर्तमान में अधिकांश किसान खरीफ खेती के कार्यों में व्यस्त होने के कारण सीएससी केंद्र तक नहीं पहुंच पा रहे हैं। इसे देखते हुए कृषि विभाग के मैदानी अधिकारी स्वयं किसानों के घरों और खेतों में पहुंचकर फॉर्मर आईडी एवं एग्रीस्टैक से संबंधित कार्यों का निष्पादन कर रहे हैं, जिससे अधिक से अधिक किसानों को समय पर इस महत्वपूर्ण अभियान से जोड़ा जा सके।

कंदरई स्कूल का जर्जर भवन से 800 छात्रों की जान पर मंडरा रहा खतरा

शिकायतों के बाद भी प्रशासनिक पहल न होने से नाराजगी

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। शिक्षा का मंदिर कहे जाने वाले शासकीय हायर सेकेंडरी स्कूल कंदरई में इन दिनों पढ़ाई से ज्यादा भवनों की बदहाली चिंता का विषय बनी हुई है। करीब 800 छात्र-छात्राएं रोजाना जिस स्कूल में शिक्षा ग्रहण करने पहुंचते हैं, वहां एक जर्जर भवन किसी बड़े हादसे का इंतजार करता दिखाई दे रहा है। विडंबना यह है कि वर्ष 2000 में बना सबसे पुराना भवन आज भी अपेक्षाकृत सुरक्षित है, जबकि वर्ष 2007 में पीडब्ल्यूडी द्वारा निर्मित भवन पूरी तरह जर्जर होकर गिरने की कगार पर पहुंच चुका है। वहीं वर्ष 2014 में निर्मित भवन, जिसमें वर्तमान में अधिकांश कक्षाएं संचालित हो रही हैं, वह भी सीपेज और रिसाव की गंभीर समस्या से जूझ रहा है। बरसात के इस मौसम में स्कूल परिसर की तस्वीर और भी भयावह नजर आ रही है। एक ओर बच्चे शिक्षा हासिल करने के लिए कक्षाओं में बैठते हैं तो दूसरी ओर उनके सिर पर जर्जर भवन का खतरा लगातार मंडराता रहता है। यह स्थिति न केवल शिक्षा व्यवस्था पर सवाल खड़े करती है, बल्कि सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता और प्रशासनिक उदासीनता की भी पोल खोलती है। ज्ञात हो कि स्कूल परिसर में वर्ष 2007 में पीडब्ल्यूडी द्वारा निर्मित भवन आज पूरी तरह खस्ताहाल हो चुका है। स्थानीय लोगों के अनुसार इस भवन में मुश्किल से करीब 10 वर्षों तक ही पढ़ाई संचालित हो सकी, इसके बाद इसकी स्थिति लगातार खराब होती चली गई। अब हालात ऐसे हैं कि भवन में प्रवेश करना भी जोखिम भरा माना जा रहा है। दीवारों और

संरचना की जर्जर हालत को देखते हुए इसे तत्काल डिस्मेंटल किए जाने की आवश्यकता बताई जा रही है। हैरानी की बात यह है कि इतने गंभीर खतरे के बावजूद यह भवन आज भी स्कूल परिसर में खड़ा है। भवन के बरामदे में रोजाना छात्र अपनी साइकिलें खड़ी करते हैं, जबकि एक कमरे में स्कूल का सामान भी रखा गया है। ऐसे में यदि अचानक कोई हिस्सा गिरता है तो बड़ा हादसा होने से इनकार नहीं किया जा सकता। बताया जा रहा है कि जिस भवन में वर्तमान में अधिकांश कक्षाएं संचालित हो रही हैं, वह भी पूरी तरह सुरक्षित नहीं माना जा सकता है। वर्ष 2014 में निर्मित इस भवन के लगभग हर कमरे में सीपेज और पानी रिसने की समस्या बनी हुई है। बारिश के दौरान दीवारों और छतों से पानी टपकने के कारण विद्यार्थियों और शिक्षकों को परेशानी का सामना करना पड़ता है। मरम्मत के बाद किसी तरह पढ़ाई तो शुरू कर दी गई है, लेकिन स्थायी समाधान अब तक नहीं हो सका है। स्कूल परिसर की स्थिति सरकारी निर्माण कार्यों की गुणवत्ता पर गंभीर सवाल खड़े करती है। वर्ष 2000 में निर्मित भवन जो करीब 26 वर्षों से खड़ा है, आज भी अपेक्षाकृत सुरक्षित है। इसके विपरीत 2007 में बना भवन महज 19 वर्षों में ही जर्जर होकर डिस्मेंटल की स्थिति में पहुंच गया, जबकि 2014 में बने भवन में भी सीपेज जैसी गंभीर खामियां सामने आ चुकी हैं। स्कूल भवन की गंभीर स्थिति को लेकर 8 अक्टूबर 2025 को कलेक्टर, एसडीएम, बीईओ, डीईओ सहित संबंधित अधिकारियों को लिखित शिकायत भेजकर पूरे मामले से अवगत कराया गया था। शिकायत में जर्जर भवन को तत्काल हटाने तथा विद्यार्थियों की सुरक्षा सुनिश्चित करने की मांग की गई थी। बावजूद इसके आज तक कोई ठोस कार्रवाई नहीं हो सकी। न तो जर्जर भवन हटाया गया और न ही वर्तमान भवन की स्थायी मरम्मत कराई गई। कंदरई हायर सेकेंडरी स्कूल में प्रतिदिन आसपास के गांवों और दूरदराज क्षेत्रों से करीब 800 छात्र-छात्राएं शिक्षा ग्रहण करने पहुंचते हैं। ऐसे में जर्जर भवन का स्कूल परिसर में बने रहना केवल भवन संबंधी समस्या नहीं, बल्कि सीधे तौर पर बच्चों, शिक्षकों और कर्मचारियों की सुरक्षा से जुड़ा अत्यंत गंभीर मामला है। बारिश के मौसम में यह खतरा और बढ़ जाता है। शिक्षा विभाग और जिला प्रशासन कागजी औपचारिकताओं से आगे बढ़कर तत्काल तकनीकी जांच कराए, जर्जर भवन को डिस्मेंटल करे, 2014 के भवन की स्थायी मरम्मत सुनिश्चित करे और विद्यार्थियों को सुरक्षित शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराए। किसी हादसे के बाद की कार्रवाई से बेहतर है कि समय रहते सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं।

झपटमारी और चोरी के मोबाइल खरीदने वाला आरोपी गिरफ्तार

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। बिश्रामपुर पुलिस ने झपटमारी और वाहन चोरी के मामले में क्षेत्र के शातिर बदमाश गोरखा उर्फ प्रकाश (30 वर्ष), पिता कौशल किशोर को गिरफ्तार किया है। वहीं चोरी के मोबाइल खरीदने के आरोप में सरफराज (20 वर्ष), पिता आहाबुला, निवासी टिकाटिकीपारा, मुर्शिदाबाद (पश्चिम बंगाल) को भी गिरफ्तार कर उसके कब्जे से बड़ी संख्या में चोरी के मोबाइल जब्त किए हैं।

पुलिस के अनुसार, गोरखा उर्फ प्रकाश ने 14 मई को बिश्रामपुर-रामनगर मार्ग स्थित नितिन पेट्रोल पंप, दतिमा के पास करवा निवासी उर्मिला जायसवाल से दिनदहाड़े मोबाइल फोन और झोले में रखे जरूरी दस्तावेज झपटकर फरार हो गया था।

इसके अलावा 4 मई को गोरखनाथपुर निवासी दुर्गेश और उसकी मां के कब्जे से भी मोबाइल और बैग में रखा सामान झपटकर आरोपी फरार हो गया था। दोनों मामलों में अपराध दर्ज कर पुलिस जांच कर रही थी। जांच के दौरान पुलिस को सीसीटीवी फुटेज और अन्य साक्ष्यों के आधार पर आरोपी पर संदेह हुआ। हिरासत में लेकर पूछताछ करने पर उसके कब्जे से एक चोरी की मोटरसाइकिल भी बरामद हुई, जो शांतिनगर निवासी सोनू खान की बताई जा रही है।

पुलिस ने आगे की कार्रवाई करते हुए चोरी के मोबाइल खरीदने के आरोप में सरफराज को भी गिरफ्तार किया। उसके पास से बड़ी मात्रा में चोरी के मोबाइल फोन बरामद किए गए हैं। दोनों आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायालय में पेश किया गया, जहां से आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है।

एक साल का इंतजार खत्म... अब हर महीने मिलेगा हक का राशन

राशन कार्ड बनने में हुई देरी पर मुख्यमंत्री हेल्पलाइन से हुआ त्वरित समाधान

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। कभी-कभी एक छोटा-सा दस्तावेज भी किसी परिवार के लिए बड़ी राहत लेकर आता है। विकासखंड राजपुर के ग्राम पंचायत सिधमा निवासी समुंदर राम पैंकरा के लिए राशन कार्ड भी ऐसा ही एक महत्वपूर्ण दस्तावेज है। उन्होंने करीब एक वर्ष पहले राशन कार्ड के लिए आवेदन किया था, लेकिन लंबा समय बीत जाने के बाद भी कार्ड नहीं बन सका। नतीजतन उनके परिवार को राशन का लाभ नहीं मिल पा रहा था और रोजमर्रा की जरूरतों को पूरा करने में कठिनाइयों का सामना करना पड़ रहा था।

अपनी समस्या के समाधान के लिए समुंदर ने मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में अपनी शिकायत दर्ज कराई। जिस पर तत्काल संज्ञान लिया गया। संबंधित विभाग ने आवेदन की जांच कर आवश्यक प्रक्रिया पूरी की और समुंदर राम पैंकरा की पत्नी श्रीमती आराधना सिंह को महज कुछ ही दिनों में नवीन राशन कार्ड उपलब्ध करा दिया। अब उनका परिवार नियमित रूप से सार्वजनिक वितरण प्रणाली के तहत मिलने वाले खाद्यान्न का लाभ ले सकेगा। राशन कार्ड मिलने पर समुंदर पैंकरा ने खुशी जाहिर करते हुए शासन-प्रशासन को धन्यवाद दिया। उन्होंने कहा कि लंबे समय से जिस परेशानी का सामना करना पड़ रहा था, मुख्यमंत्री हेल्पलाइन में शिकायत के बाद अब समाधान हो गया है।

गौरतलब है कि जनशिकायतों पर त्वरित कार्रवाई कर जरूरतमंदों को लाभ समय पर पहुंचाना प्रशासन की प्राथमिकता है। इसी उद्देश्य से कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में हेल्पलाइन में प्राप्त आवेदनों का त्वरित समाधान किया जा रहा है। जिससे आम जनों को राहत पहुंच रही है।

ड्रॉपआउट महिलाओं को अब बिना फीस मिलेगी कॉलेज डिग्री और कंप्यूटर शिक्षा

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

बिश्रामपुर। क्षेत्र की उन महिलाओं और छात्राओं के लिए राहत भरी खबर है, जिनकी पढ़ाई किसी कारणवश बीच में ही छूट गई थी। अब उन्हें दोबारा शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने और आत्मनिर्भर बनाने के उद्देश्य से सरगुजा ज्ञानोदय एसोसिएशन ने एक प्रेरणादायी पहल शुरू की है। संस्था के संचालक विजयराज अग्रवाल ने बताया कि ड्रॉपआउट महिलाओं एवं छात्राओं को उच्च शिक्षा और कंप्यूटर आधारित प्रोफेशनल कोर्स पूरी तरह नि:शुल्क कराए जाएंगे। उन्होंने बताया कि जयनगर पुलिस थाना के सामने स्थित वीकेएम परिसर में महिलाओं को बिना किसी ट्यूशन फीस के कॉलेज डिग्री और व्यावसायिक डिप्लोमा पाठ्यक्रमों में प्रवेश दिया जाएगा, ताकि वे शिक्षा प्राप्त कर रोजगार के बेहतर अवसर हासिल कर सकें और आर्थिक रूप से आत्मनिर्भर बनें।संस्था द्वारा बीए, बीकॉम, डीसीए, बीसीए तथा पीजीडीसीए जैसे पाठ्यक्रमों में प्रवेश प्रक्रिया शुरू कर दी गई है। इन कोर्सों के लिए चयनित महिलाओं से किसी भी प्रकार की ट्यूशन फीस नहीं ली जाएगी। संस्था का मानना है कि आर्थिक कारणों से शिक्षा से दूर हुई महिलाओं को यदि दोबारा अवसर मिले तो वे अपने परिवार और समाज के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकती हैं। महिलाओं की सुविधाओं को ध्यान में रखते हुए संस्था विशेष समय पर कक्षाओं के संचालन पर भी विचार कर रही है, ताकि गृहिणियां और नौकरीपेशा महिलाएं भी बिना किसी परेशानी के अपनी पढ़ाई पूरी कर सकें। इससे बड़ी संख्या में महिलाएं शिक्षा के साथ अपने घरेलू और व्यावसायिक दायित्वों का भी संतुलन बना सकेंगी। विजयराज अग्रवाल ने बताया कि संस्था केवल शिक्षा तक ही सीमित नहीं रहेगी, बल्कि कोर्स पूरा करने के बाद महिलाओं को कंप्यूटर ऑपरेटर, अकाउंटेंट सहित विभिन्न क्षेत्रों में प्लेसमेंट दिलाने में भी सहयोग किया जाएगा। उन्होंने बताया कि बीए, बीकॉम, डीसीए. और बीसीए में प्रवेश के लिए न्यूनतम योग्यता 12वीं उत्तीर्ण, जबकि पीजीडीसीए के लिए स्नातक होना अनिवार्य है। इच्छुक महिलाओं की सहायता के लिए हेल्प डेस्क भी स्थापित किया गया है। प्रवेश प्रक्रिया 15 अगस्त तक चलेगी। विजयराज अग्रवाल ने बताया कि इस अभियान का उद्देश्य केवल महिलाओं को शिक्षित करना ही नहीं, बल्कि बाल विवाह जैसी सामाजिक कुरीति पर रोक लगाना भी है। उनका कहना है कि कई बार पढ़ाई छूट जाने के बाद अभिभावक कम उम्र में ही बेटियों का विवाह कर देते हैं। यदि बेटियां दोबारा शिक्षा से जुड़ेंगी, तो वे उच्च शिक्षा प्राप्त कर अपने भविष्य का बेहतर निर्माण कर सकेंगी और समाज में सकारात्मक बदलाव का माध्यम बनेंगी।

घुमंतू पशुओं के बेहतर प्रबंधन के लिए गौधाम योजना पर मंथन

जिला स्तरीय गौधाम समिति की बैठक में गौधामों के संचालन, पंजीयन एवं प्रचार-प्रसार पर हुई विस्तृत चर्चा

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। संयुक्त जिला कार्यालय के सभाकक्ष में जिला स्तरीय गौधाम समिति की बैठक आयोजित की गई। बैठक में जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हीरामुनी निकुंज, जिला स्तरीय गौधाम समिति, गौ सेवा आयोग अध्यक्ष श्री आशीष केशरी, कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी, जिला पंचायत सीईओ डॉ. आशुतोष चतुर्वेदी सहित समिति के सदस्य उपस्थित रहे। बैठक में गौधाम योजना के विभिन्न बिंदुओं पर विस्तार से चर्चा की गई। इस दौरान जिले में पंजीकृत एवं स्वीकृत गौधामों की स्थिति की समीक्षा करते हुए उनके संचालन, पंजीयन एवं अन्य व्यवस्थाओं की जानकारी ली गई। बैठक को संबोधित करते हुए जिला पंचायत अध्यक्ष श्रीमती हीरामुनी निकुंज ने कहा कि शासन की योजनाओं का लाभ अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना जनप्रतिनिधियों और अधिकारियों की साझा जिम्मेदारी है। उन्होंने योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करने को कहा।

जिला स्तरीय गौधाम समिति के अध्यक्ष श्री आशीष केशरी ने कहा कि गौधाम योजना शासन की महत्वपूर्ण पहल है। इसे सभी के सहयोग और समन्वय से प्रभावी ढंग से संचालित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि योजना का लाभ अधिक से अधिक लोगों तक पहुंचे तथा घुमंतू एवं निराश्रित पशुओं के लिए सुरक्षित और व्यवस्थित आश्रय उपलब्ध कराना हम सभी की प्राथमिकता होनी चाहिए।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी ने विकासखंड स्तरीय समितियों से गौधामों का नियमित निरीक्षण करने का आग्रह किया। उन्होंने संबंधित विभागों को निर्देशित करते हुए कहा कि पशु रहवास स्थलों गौधामों में पेयजल, चारा, साफ-सफाई सहित सभी आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की जाएं। उन्होंने कहा कि गौधाम योजना का व्यापक प्रचार-प्रसार करें, ताकि अधिक से अधिक आवेदन प्राप्त हों। इसके लिए मोबाइल वेटनरी यूनिट के माध्यम से भी लोगों को आवेदन प्रक्रिया और योजना की जानकारी देने के निर्देश दिए। बैठक में समिति के अन्य सदस्यों ने भी अपने सुझाव एवं विचार रखे।

उल्लेखनीय है की राज्य सरकार द्वारा प्रारंभ की गई गौधाम योजना का उद्देश्य बेसहारा मवेशियों को सुरक्षित आश्रय उपलब्ध कराना, उनके संरक्षण को बढ़ावा देना तथा ग्रामीण अर्थव्यवस्था को सशक्त बनाना है। इसके संरक्षण और संवर्धन के लिए राज्य सरकार निरंतर प्रयास कर रही है। बैठक में उप संचालक पशु चिकित्सा विभाग डॉ. शिशिर कांत, सहित संबंधित अधिकारीगण मौजूद रहे।

29 हजार से अधिक आवेदनों का समयबद्ध निराकरण

★ विजयनाथ को घर बैठे मिला जाति प्रमाण पत्र ★ 441 से अधिक शासकीय सेवाएं एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध

बलरामपुर, छ.ग. फ्रंटलाइन। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के नेतृत्व में प्रदेश में सुशासन और डिजिटल प्रणाली को बढ़ावा देने की दिशा में सेवा सेतु पोर्टल आम नागरिकों के लिए सुविधाजनक माध्यक बन रहा है। जिले में सेवा सेतु के माध्यम से लोगों को अब घर बैठे ही विभिन्न शासकीय सेवाओं का लाभ सरल और समयबद्ध तरीके से मिल रहा है। जिससे ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिकों का समय और धन दोनों की बचत हो रही है।

विकासखंड राजपुर के ग्राम पतरापारा निवासी विजयनाथ को अपने आवश्यक कार्य के लिए जाति प्रमाण पत्र की जरूरत थी। पहले ऐसे प्रमाण पत्र बनवाने के लिए कई बार उन्हें सरकारी कार्यालयों के चक्कर लगाने पड़ते थे, जिससे समय और आर्थिक दोनों अनावश्यक रूप से खर्च होती थी। लेकिन सेवा सेतु केंद्र की जानकारी मिलने के बाद उन्होंने अपने मोबाइल के माध्यम से बिना लंबी कतार के ऑनलाइन आवेदन किया। निर्धारित समय-सीमा के भीतर उनका आवेदन स्वीकृत हुआ और डिजिटल रूप से सत्यापित जाति प्रमाण पत्र डाउनलोड के लिए उपलब्ध हो गया। सेवा सेतु से लाभान्वित विजयनाथ ने कहा कि आवेदन की स्थिति की रियल-टाइम ट्रैकिंग सुविधा मिलने से पूरी प्रक्रिया पारदर्शी और भरोसेमंद रही। अब दफ्तरों के चक्कर लगाने की जरूरत नहीं पड़ती। मोबाइल से ही आवेदन हो जाता है और पूरी प्रक्रिया पारदर्शी तरीके से पूरी होती है। इससे समय, पैसा और मेहनत तीनों की बचत हुई है।

कलेक्टर श्रीमती चंदन संजय त्रिपाठी के मार्गदर्शन में जिले में सेवा सेतु पोर्टल पर अप्रैल 2026 से अब तक 30,509 आवेदन प्राप्त हुए, जिनमें से 29,063 आवेदनों का निराकरण करते हुए आवेदकों को घर बैठे सुविधा उपलब्ध कराई गई है। शेष आवेदन आवश्यक दस्तावेजों की कमी अथवा नियमानुसार अपूर्ण पाए जाने के कारण प्रक्रियाधीन है।

सेवा सेतु पोर्टल ने शासकीय सेवाओं की पहुंच को भी व्यापक बनाया है। पहले ई-डिस्ट्रिक्ट प्लेटफॉर्म पर केवल 86 सेवाएं उपलब्ध थीं, जबकि अब 441 से अधिक शासकीय सेवाएं एक ही डिजिटल प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध हैं। इनमें 54 नई सेवाएं सीधे पोर्टल पर जोड़ी गई हैं तथा 329 री-डायरेक्ट सेवाओं को भी एकीकृत किया गया है। वर्तमान में 30 से अधिक शासकीय विभाग इस डिजिटल प्लेटफॉर्म से जुड़े हुए हैं, जिससे नागरिकों को अलग-अलग कार्यालयों के चक्कर लगाने के बजाय एक स्थान पर अनेक सेवाओं का लाभ मिल रहा है।

सेवा सेतु पोर्टल डिजिटल सुशासन की दिशा में एक महत्वपूर्ण पहल बनकर उभरा है, जिसने सरकारी सेवाओं को आमजन के और अधिक निकट, सरल, पारदर्शी एवं सुलभ बना दिया है। विशेषकर ग्रामीण क्षेत्रों के नागरिक अब तकनीक की मदद से बिना किसी परेशानी के समयबद्ध सेवाओं का लाभ प्राप्त कर रहे हैं।

कृत्रिम गर्भाधान से बदली पशुपालक की तस्वीर, बढ़ा दुग्ध उत्पादन

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। विकासखंड रामानुजनगर के ग्राम अगस्तपुर निवासी श्री हीरालाल सोनवानी ने पशुपालन विभाग की योजनाओं एवं कृत्रिम गर्भाधान सेवा का लाभ लेकर अपने पशुपालन व्यवसाय को नई दिशा दी है। पिछले लगभग 16 वर्षों से पशुपालन से जुड़े श्री सोनवानी आज क्षेत्र के सफल पशुपालकों में शामिल हैं।

वर्तमान में उनके पास 04 दुधारू गाय, 03 बछिया एवं 04 बछड़े हैं। उन्होंने बताया कि पशुपालन विभाग के कृष्णपुर उपकेंद्र से कृत्रिम गर्भाधान के माध्यम से उन्हें उन्नत नस्ल के पशु प्राप्त हुए, जिसके परिणामस्वरूप उनके डेयरी व्यवसाय में उल्लेखनीय वृद्धि हुई है। वर्तमान में वे प्रतिदिन लगभग 35 से 40 लीटर दूध का उत्पादन कर रहे हैं, जिससे उनकी आय में भी निरंतर बढ़ोतरी हुई है।

श्री हीरालाल सोनवानी ने बताया कि कृत्रिम गर्भाधान तकनीक से बेहतर नस्ल के पशु मिलने के कारण दूध उत्पादन क्षमता में वृद्धि हुई है। उन्होंने अन्य पशुपालकों से भी विभाग की इस सुविधा का लाभ उठाकर उन्नत नस्ल के पशुओं का पालन करने की अपील की।

उन्होंने यह भी बताया कि उन्हें पशुपालन विभाग द्वारा संचालित मादा-वत्स पालन योजना के अंतर्गत एक बछिया भी प्रदान की गई थी, जिससे उनके पशुधन में वृद्धि हुई और व्यवसाय को मजबूती मिली।

श्री हीरालाल सोनवानी ने पशुपालन विभाग द्वारा संचालित योजनाओं एवं समय-समय पर उपलब्ध कराई जा रही तकनीकी सेवाओं के लिए शासन और पशुपालन विभाग का आभार व्यक्त करते हुए कहा कि विभाग के सहयोग से उनका पशुपालन व्यवसाय अधिक लाभकारी और आत्मनिर्भर बन सका है।

अरुणोदय के विद्यार्थियों ने चलाया स्वच्छता अभियान, श्रमदान कर दिया स्वच्छता का संदेश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर।कलेक्टर श्रीमती रेना जमील के निर्देश तथा सहायक आयुक्त, आदिम जाति कल्याण विभाग घनश्याम कुमार सिंह के मार्गदर्शन में जिला प्रशासन द्वारा डीएमएफ निधि से संचालित अरुणोदय करियर इंस्टीट्यूट में गुरुवार को विशेष स्वच्छता एवं श्रमदान अभियान का आयोजन किया गया। अभियान का उद्देश्य विद्यार्थियों में सामाजिक उत्तरदायित्व की भावना विकसित करना तथा स्वच्छता के प्रति जन-जागरूकता बढ़ाना था।शुरूआत संस्थान के निदेशक सोमनाथ साहू एवं शिक्षक रोहित तिवारी के नेतृत्व में हुई। लगभग 150 से अधिक विद्यार्थियों ने उत्साहपूर्वक अभियान में भाग लिया।विद्यार्थियों ने हाथों में झाड़ू, तगारियां और कचरा पात्र लेकर संस्थान परिसर, आसपास की गलियों तथा मुख्य मार्ग की व्यापक सफाई की। उन्होंने सड़क किनारे फैले प्लास्टिक कचरे, पॉलिथीन, सूखे पत्तों एवं अन्य अपशिष्ट को एकत्रित कर उनके उचित निस्तारण की व्यवस्था की। पूरे अभियान के दौरान विद्यार्थियों में सेवा भावना, अनुशासन और उत्साह का विशेष वातावरण देखने को मिला। अभियान में जिले के श्रम पदाधिकारी अभिषेक सिंह ठाकुर, नपा सीएमओ मनीष कुमार, संस्थान के शिक्षकगण तथा बड़ी संख्या में विद्यार्थी उपस्थित रहे। सभी ने स्वयं श्रमदान कर स्वच्छता का संदेश दिया।

स्वच्छ वातावरण जीवन का आधार

श्रम पदाधिकारी अभिषेक सिंह ठाकुर ने कहा कि ह्यस्वच्छ वातावरण ही स्वस्थ शरीर और स्वस्थ मन का आधार है। जब युवा स्वयं आगे बढ़कर श्रमदान करते हैं, तो समाज में सकारात्मक परिवर्तन की प्रेरणा मिलती है। शिक्षा के साथ सामाजिक दायित्वों का निर्वहन ही वास्तविक ज्ञान की पहचान है।ह्य उन्होंने विद्यार्थियों से सिंगल-यूज प्लास्टिक का बहिष्कार करने तथा पर्यावरण संरक्षण में सक्रिय भूमिका निभाने का आह्वान किया। कार्यक्रम के समापन पर संस्थान के निदेशक सोमनाथ साहू ने विद्यार्थियों के समर्पण और सेवा भावना की सराहना करते हुए कहा कि ह्यह्यदेश का भविष्य युवाओं के हाथों में है।यदि युवा स्वच्छता और सामाजिक जिम्मेदारियों के प्रति सजग रहेंगे, तो एक स्वस्थ और विकसित समाज का निर्माण संभव होगा। इसके पश्चात उपस्थित अधिकारियों, शिक्षकों एवं विद्यार्थियों ने परिसर तथा आसपास के क्षेत्रों को सदैव स्वच्छ रखने, पर्यावरण संरक्षण के लिए कार्य करने तथा अन्य लोगों को भी स्वच्छता के प्रति जागरूक करने की शपथ ली।उल्लेखनीय है कि जिला प्रशासन द्वारा डीएमएफ निधि से संचालित अरुणोदय करियर इंस्टीट्यूट, वर्ष 2018 से संचालित है। संस्थान में सीजीपीएससी, सीजीएसएसबी सहित विभिन्न प्रतियोगी परीक्षाओं की निःशुल्क तैयारी कराई जाती है, जिससे जिले के प्रतिभाशाली युवाओं को गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन उपलब्ध कराया जा रहा है।

यदि नियम है तो मुझे भी दीजिए दोहरा दायित्व, बीईओ की 'व्यवस्था को प्र. पाठक की चुनौती

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

सूरजपुर। शिक्षा विभाग में अतिरिक्त दायित्व सौंपे जाने की प्रशासनिक व्यवस्था को लेकर एक नया प्रश्न सामने आया है। शासकीय प्राथमिक शाला चट्टीडांड़ के प्रधान पाठक गौतम शर्मा ने जिला शिक्षा अधिकारी को आवेदन सौंपकर मांग की है कि यदि किसी कर्मचारी को उसके मूल पदस्थापना स्थल के साथ किसी अन्य कार्यालय अथवा संस्था का अतिरिक्त दायित्व सौंपने की व्यवस्था लागू है, तो समानता, निष्पक्षता एवं प्रशासनिक न्याय के सिद्धांतों के आधार पर उन्हें भी उनके वर्तमान विद्यालय के साथ शासकीय प्राथमिक शाला कन्या बड़कापारा के रिक्त प्रधान पाठक पद का अतिरिक्त प्रभार सौंपा जाए। अपने आवेदन में प्रधान पाठक ने उल्लेख किया है कि विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी सूरजपुर द्वारा शासकीय हाई स्कूल नवापारा में पदस्थ लिपिक देवेन्द्र साहू को उनके मूल कार्य के साथ विकासखण्ड शिक्षा अधिकारी कार्यालय सूरजपुर का अतिरिक्त कार्यालयीन दायित्व सौंपा गया है। इसी आधार पर उन्होंने समान अवसर की मांग करते हुए कहा है कि यदि ऐसी व्यवस्था किसी वैधानिक प्रावधान, शासनादेश अथवा प्रशासनिक आदेश के अंतर्गत मान्य है, तो उसका लाभ सभी पात्र कर्मचारियों को समान रूप से मिलना चाहिए। आवेदन में उन्होंने यह भी आग्रह किया है कि यदि किसी नियम, शासनादेश या वैधानिक प्रावधान में ऐसी व्यवस्था का उल्लेख नहीं है, तो यह स्पष्ट किया जाए कि संबंधित कर्मचारी को अतिरिक्त दायित्व किस नियम, आदेश अथवा प्रशासनिक अधिकार के तहत सौंपा गया है। प्रधान पाठक ने अपने आवेदन में यह भी कहा है कि यदि उन्हें अतिरिक्त प्रभार सौंपा जाता है, तो वे शासकीय प्राथमिक शाला कन्या बड़कापारा में शैक्षणिक गुणवत्ता, अनुशासन, नवाचार तथा समग्र विद्यालय विकास के लिए पूर्ण जिम्मेदारी और प्रतिबद्धता के साथ अपनी सेवाएं देने के लिए तैयार हैं।इस आवेदन के बाद शिक्षा विभाग में प्रशासनिक समानता, पारदर्शिता और वैधानिक प्रक्रिया को लेकर चर्चा तेज हो गई है। अब सबकी निगाहें जिला शिक्षा अधिकारी के निर्णय पर टिकी हैं।

प्राकृतिक आपदा के 5 प्रकरणों में मृतकों के परिजनों को कुल 20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता स्वीकृत

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर - छत्तीसगढ़ शासन, राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग के राजस्व पुस्तक परिपत्र 6-4 के प्रावधानों के अंतर्गत प्राकृतिक आपदा एवं नैसर्गिक विपत्तियों से होने वाली जनहानि पर प्रभावित परिवारों को आर्थिक सहायता प्रदान की जाती है। इसी के तहत प्राकृतिक आपदाओं में हुई मृत्यु के 5 प्रकरणों में कलेक्टर श्री रोहित व्यास द्वारा कुल 20 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। अपर कलेक्टर श्री प्रदीप साहू से प्राप्त जानकारी के अनुसार तहसील पत्थलगांव के ग्राम बटुराबहार निवासी स्व. पुषोबाई पति श्री विष्णु प्रसाद की 2 फरवरी 2025 को पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। इस प्रकरण में मृतिका के निकटतम वैध वारिस उनके पति श्री विष्णु प्रसाद को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। इसी प्रकार तहसील पत्थलगांव के ग्राम कटंगजोर निवासी स्व. भोजराम नाग पिता श्री रूंजा राम की 9 फरवरी 2025 को कुएं के पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। मृतक की निकटतम वैध वारिस उनकी पत्नी श्रीमती उषा बाई नाग को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है। तहसील सन्ना के ग्राम कुरकुरिया निवासी स्व. शिवकली पिता श्री ललु राम नाग की 12 मई 2025 को भण्डारकोना तालाब के पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। इस प्रकरण में मृतिका के निकटतम वैध वारिस उनके माता-पिता श्री ललु राम नाग एवं श्रीमती शांति को संयुक्त रूप से 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता अनुदान राशि स्वीकृत की गई है। तहसील बगीचा के ग्राम कलिया निवासी स्व. विष्णु दास महंत पिता श्री जितेन्द्र दास की 8 मार्च 2026 को तालाब के पानी में डूबने से मृत्यु हो गई थी। मृतक के निकटतम वैध वारिस उनके पिता श्री जितेन्द्र दास को 4 लाख रुपये की आर्थिक सहायता राशि स्वीकृत की गई है।

संतोष भगत हत्याकांड में अदालत ने सुनाया बड़ा फैसला

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरः छत्तीसगढ़ के जशपुर जिले के बहुचर्चित संतोष भगत हत्याकांड में गुरुवार को अदालत ने बड़ा फैसला सुनाया। अपने ही पति की नृशंस हत्या कर शव को ट्रॉली सूटकेस में छिपाने वाली पत्नी मंगरीता भगत (45) को द्वितीय अपर सत्र न्यायालय, कुनकुरी ने सश्रम आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। अदालत ने आरोपी को हत्या और साक्ष्य मिटाने का दोषी ठहराते हुए कहा कि ऐसे जघन्य अपराध में किसी भी प्रकार की नरमी न्याय और समाज, दोनों के हित में स्वीकार्य नहीं हो सकती।

क्या था पूरा मामला?

पुलिस के मुताबिक 7 नवंबर 2025 की रात थाना दुलदुला क्षेत्र के ग्राम भिंजपुर में पति-पत्नी के बीच घरेलू विवाद हुआ था। इसी दौरान मंगरीता भगत ने रसोई में रखे सील-पत्थर से पति संतोष भगत के सिर और कान के पास कई वार किए। गंभीर चोटों के कारण संतोष भगत की मौके पर ही मौत हो गई।हत्या के बाद आरोपी ने घर में फैले खून के निशानों को साफ किया और शव को मोड़कर एक बड़े ट्रॉली सूटकेस में ठूंस दिया, ताकि किसी को वारदात की भनक न लगे और साक्ष्य भी मिट जाएं।

दो दिन बाद बेटी ने खोला राज

घटना का खुलासा 9 नवंबर 2025 को हुआ, जब मृतक की बेटी और अन्य परिजन घर पहुंचे। ताला खोलने के बाद उन्हें घर में रखा ट्रॉली सूटकेस संदिग्ध लगा। सूटकेस खोलते ही अंदर संतोष भगत का शव मिला। इस सनसनीखेज वारदात की सूचना मिलते ही थाना दुलदुला पुलिस मौके पर पहुंची और जांच शुरू की।

वैज्ञानिक जांच बनी सबसे बड़ा सबूत

मामले की विवेचना निरीक्षक कृष्ण कुमार साहू ने की। जांच के दौरान ई-साक्ष्य ऐप के माध्यम से डिजिटल साक्ष्य एकत्र किए गए। पोस्टमार्टम रिपोर्ट, एफएसएल रिपोर्ट, चिकित्सकीय अभिमत, जब्ती, मेमोरेंडम और अन्य परिस्थितिजन्य साक्ष्यों ने आरोपी के खिलाफ मजबूत केस तैयार किया।एफएसएल जांच में हत्या में प्रयुक्त सील-पत्थर, ट्रॉली सूटकेस, आरोपी के कपड़ों और अन्य जब्त वस्तुओं पर मानव रक्त मिलने की पुष्टि हुई, जिसने अभियोजन पक्ष के दावों को और मजबूत कर दिया। अदालत में अपर लोक अभियोजक पुष्पा सिंह ने साक्ष्यों की मजबूत श्रृंखला पेश करते हुए साबित किया कि हत्या आरोपी ने ही की थी। अभियोजन के तर्कों से सहमत होते हुए द्वितीय अपर सत्र न्यायाधीश बलराम कुमार देवांगन ने आरोपी को दोषी करार दिया।फैसला सुनाते हुए अदालत ने कहा कि अपने ही पति की हत्या कर शव को सूटकेस में छिपाना केवल एक अपराध नहीं, बल्कि मानवीय संवेदनाओं और पारिवारिक मूल्यों पर गंभीर प्रहार है।

जशपुर में 26 वां राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का समापन

5 संभाग से कुल 240 खिलाड़ी और 35 से अधिक कोच मैनेजर हुए शामिल

पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय ने हॉकी के विजेता खिलाड़ियों को किया सम्मानित

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर - छत्तीसगढ़ शासन, स्कूल शिक्षा विभाग द्वारा 26वीं राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता का आयोजन दिनांक 26 जुलाई से 29 जुलाई 2026 तक जशपुर जिले के स्ट्रोटर्फ हॉकी स्टेडियम में किया गया है। उक्त कार्यक्रम के समापन कार्यक्रम में विधायक पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविन्द भगत, और अन्य जनप्रतिनिधिगण उपस्थित थे। हॉकी प्रतियोगिता में 05 संभागीय मुख्यालय के 160 बालक एवं 80 बालिकाओं सहित कुल 240 खिलाड़ी एवं 35 से अधिक कोच एवं मैनेजर शामिल रहे। पत्थलगांव विधायक श्रीमती गोमती साय ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए अपनी हार्दिक बधाई और शुभकामनाएं दी। उन्होंने सभी खिलाड़ियों को खेल भावना के साथ खेलने के लिए प्रोत्साहित किया और प्रतियोगिता में प्रथम, द्वितीय एवं तृतीय स्थान आने वाले खिलाड़ियों को सम्मानित किया गया। नगर पालिका अध्यक्ष श्री अरविन्द भगत ने खिलाड़ियों को प्रोत्साहित करते हुए कहा कि आज हम सब के लिए खुशी की बात है कि राज्य स्तरीय शालेय क्रीड़ा प्रतियोगिता कराने का अवसर मिला है। आगे भी ऐसे प्रतियोगिता जशपुर जिले में आयोजित करते रहेंगे जिससे खिलाड़ियों को आगे बढ़ने का अवसर मिलेगा। प्रतियोगिता में बालक 15 वर्ष बस्तर संभाग तृतीय स्थान सरगुजा संभाग उप विजेता दुर्ग संभाग विजेता बालक 17 वर्ष बस्तर तृतीय स्थान सरगुजा संभाग उप विजेता दुर्ग संभाग विजेता बालिका 17 वर्ष सरगुजा संभाग तृतीय स्थान बस्तर संभाग उप विजेता दुर्ग संभाग विजेता तथा दुर्ग संभाग ऑल ओवर चौम्पियन रहा। इस अवसर पर डिप्टी कलेक्टर श्री समीर बड़ा जिला शिक्षा अधिकारी श्री नरेन्द्र कुमार सिन्हा श्री विष्णु सोनी श्री मुकेश श्री सज्जू खान अधिवक्ता श्री सत्य प्रकाश तिवारी कोच और खिलाड़ी बड़ी संख्या में उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय की बड़ी सौगातरू बनगाँव आश्रम चौक से मुड़ाटोली तक बनेगी 4.89 करोड़ की ग्रामीण सड़क

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

जशपुरनगर - मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने जशपुर जिले के ग्रामीण क्षेत्र के विकास को नई गति देते हुए एक और महत्वपूर्ण सौगात दी है। लोक निर्माण विभाग द्वारा जारी आदेश के अनुसार बनगाँव आश्रम चौक से मुड़ाटोली पहुंच मार्ग के निर्माण के लिए 4 करोड़ 89 लाख रुपये की प्रशासनिक स्वीकृति प्रदान की गई है। लंबे समय से इस सड़क निर्माण की मांग की जा रही थी, जिसके पूरा होने से क्षेत्र के हजारों ग्रामीणों को सीधा लाभ मिलेगा। सड़क निर्माण की स्वीकृति मिलने के बाद क्षेत्र के ग्रामीणों में खुशी का माहौल है। ग्रामीणों ने मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा कि वर्षों पुरानी मांग पूरी होने से आवागमन की समस्या दूर होगी और शिक्षा, स्वास्थ्य, कृषि तथा व्यापारिक गतिविधियों को नई गति मिलेगी। जशपुर जिले में मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में विकास कार्य लगातार गति पकड़ रहे हैं।जिले के ग्रामीण अंचलों में सड़क निर्माण के अनेक कार्य स्वीकृत होने से अब गांव-गांव तक बेहतर सड़क संपर्क स्थापित हो रहा है।इससे लोगों का सफर आसान होने के साथ-साथ आर्थिक और सामाजिक विकास को भी मजबूती मिल रही है। ग्रामीणों का कहना है कि पहले खराब सड़कों के कारण बारिश के दिनों में आवागमन बेहद कठिन हो जाता था, लेकिन अब नई सड़क बनने से यह समस्या समाप्त होगी। विद्यार्थियों, किसानों, मरीजों और आम नागरिकों को इसका सीधा लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय की पहल से जशपुर जिले में विकास का नया अध्याय लिखा जा रहा है। लगातार सड़क निर्माण परियोजनाओं की स्वीकृति से जिले में सड़कों का जाल बिछ रहा है और ग्रामीण क्षेत्रों की तस्वीर तेजी से बदल रही है। यह स्वीकृति क्षेत्र के समग्र विकास की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम मानी जा रही है।

कलेक्टर अजीत वसंत ने अम्बिकापुर में विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों, स्कूलों सहित अन्य संस्थाओं का किया औचक निरीक्षण, अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

घुनघुट्टा डेम का निरीक्षण कर व्यवस्थाओं का लिया जायजा, वर्तमान में 85 प्रतिशत तक जलभराव, नियमित मॉनिटरिंग के दिए निर्देश

छत्तीसगढ़ फ्रंटलाइन

अम्बिकापुर - कलेक्टर अजीत वसंत ने बुधवार को अम्बिकापुर में विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों, स्कूलों, शासकीय कन्या क्रीड़ा परिसर एवं कन्या शिक्षा परिसर सहित अन्य संस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने घुनघुट्टा डेम का अवलोकन कर जलभराव की स्थिति सहित सिंचाई सुविधा आदि की जानकारी अधिकारियों से ली तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए।

घुनघुट्टा डेम का किया औचक निरीक्षण, व्यवस्थाओं का लिया जायजा-

इस दौरान कलेक्टर वसंत ने घुनघुट्टा डेम का औचक निरीक्षण किया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने डेम की वर्तमान स्थिति, सिंचाई सुविधा, जल भंडारण क्षमता, सुरक्षा व्यवस्थाओं एवं रखरखाव कार्यों का बारीकी से अवलोकन किया।कलेक्टर ने संबंधित अधिकारियों से डेम में उपलब्ध जल की स्थिति, वर्षा के कारण जलस्तर में हुई वृद्धि तथा सुरक्षा संबंधी तैयारियों की जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिए कि डेम की नियमित निगरानी सुनिश्चित की जाए तथा किसी भी प्रकार की आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं पूरी तरह तैयार रहें। अधिकारियों ने बताया कि वर्तमान में घुनघुट्टा डेम लगभग 85 प्रतिशत तक भरा है। आज की स्थिति में बांध का 1 गेट खोला गया है। बांध के द्वारा दो नहरों के माध्यम से 62 गांवों के लोग सिंचाई का लाभ ले रहे हैं।

शासकीय कन्या क्रीड़ा परिसर एवं कन्या शिक्षा परिसर का निरीक्षण कर देखी व्यवस्था

कलेक्टर श्री वसंत निरीक्षण के दौरान शासकीय कन्या क्रीड़ा परिसर पहुंचे। उन्होंने संस्था में साफ-सफाई रखने, छात्राओं को गुणवत्तायुक्त भोजन प्रदान करने, कीचेन गार्डन के तहत साग-सब्जी लगाने तथा वॉलीवाल हेतु इण्डोर कोट बनाने के निर्देश दिए। उन्होंने जीम के कुछ इक्यूपमेंट के खराब होने से उन्हे शीघ्र दुरूस्त कर संचालित कराने के निर्देश दिए।वहीं कन्या शिक्षा परिसर छात्रावास के निरीक्षण में उन्होंने संस्था की साफ-सफाई रखने, शौचालय व स्नानागार की नियमित सफाई कराने कहा। उन्होंने छात्राओं से संस्था की व्यवस्था एवं सुविधाओं पर फीडबैक लिया। खेल सामग्री की कमी संज्ञान में आने पर उन्होंने आदिवासी विकास विभाग के सहायक आयुक्त को बेसिक स्तर की सभी खेल सामग्रियां तत्काल उपलब्ध कराने के निर्देश दिए। उन्होंने कक्षा 10वीं एवं 12वीं बोर्ड परीक्षा की छात्राओं को निर्धारित पाठ्यक्रम के अनुसार अच्छे से पढाई करने तथा शत प्रतिशत परीक्षा परिणाम अर्जित करने प्रेरित किया।

शासकीय माध्यमिक विद्यालय नवागढ़ का जायजा लेकर शिक्षा व्यवस्था का किया अवलोकन

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर शिक्षा व्यवस्था का अवलोकन करने शासकीय माध्यमिक विद्यालय नवागढ़ पहुंचे। उन्होंने विद्यालय की शैक्षणिक व्यवस्था, कक्षाओं में विद्यार्थियों की उपस्थिति, स्वच्छता, मध्यान्ह भोजन तथा मूलभूत सुविधाओं का जायजा लिया। कलेक्टर ने विद्यार्थियों से बातचीत कर उनकी पढ़ाई-लिखाई की जानकारी ली और शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। उन्होंने विद्यालय परिसर की साफ-सफाई बनाए रखने, नियमित रूप से कक्षाएं संचालित करने तथा विद्यार्थियों को बेहतर शैक्षणिक वातावरण उपलब्ध कराने पर जोर दिया। कलेक्टर श्री वसंत ने विद्यालय में रिवॉर्ड संस्था द्वारा संचालित मिड डे मील की गुणवत्ता का अवलोकन करते हुए कमी को दूर करने के निर्देश दिए।

स्वास्थ्य सुविधाओं का जायजा लेने स्वास्थ्य केंद्रों का किया निरीक्षण

जिले में सुविधाओं का जायजा लेने कलेक्टर श्री वसंत शहरी प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र नवागढ पहुंचे। उन्होंने स्वास्थ्य केन्द्र में सुविधाओं ओपीडी, आईपीडी, लैब जांच, टीकाकरण सहित अन्य सुविधाओं की जानकारी ली तथा आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बारिश में मरीजों के अवागमन में हो रही कठिनाई को देखते हुए स्वास्थ्य केन्द्र से मेन रोड़ तक सीसी रोड़ हेतु प्रस्ताव प्रेषित करने के निर्देश दिए गए। वहीं उन्होंने सीजीएमएससी को विद्युत एवं वायरिंग की समस्या का निरीक्षण कर उचित कार्यवाही करने कहा। स्वास्थ्य केन्द्र में मातृत्व स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हुए चिन्हांकित गर्भवती महिलाओं के संस्थागत प्रसव को 15 दिवस में प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए। प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र फुन्दुरडिहारी के निरीक्षण के दौरान उन्होंने शासन के गाइडलाईन अनुसार सभी सुविधाओं को प्रारंभ करने के निर्देश संस्था प्रभारी को दिए। केन्द्र में आईपीडी की सेवा मातृत्व स्वास्थ्य को बढ़ावा देते हुए चिन्हांकित गर्भवती महिलाओं के संस्थागत प्रसव को 10 दिवस में प्रारंभ करने के निर्देश दिए। स्वास्थ्य केन्द्रों में उचित साफ-सफाई एवं दवाईयों के उचित रख-रखाव करने के भी निर्देश दिए गए।

सम्पादकीय

छात्रों का सम्मान, लेकिन दंगाइयों पर न बरतें नरमी

हाल ही में नीट पेपर लीक को लेकर छात्र आंदोलनों के दौरान हुई गिरफ्तारियों और पुलिस कार्रवाई पर सुप्रीम कोर्ट ने बेहद संतुलित टिप्पणी की है। अदालत ने स्पष्ट किया है कि जिन छात्रों का कोई आपराधिक रिकॉर्ड नहीं है और जिन्हें केवल प्रदर्शन में भाग लेने के कारण हिरासत में लिया गया है, उन्हें तत्काल रिहा किया जाए। साथ ही, अगली सुनवाई तक उनके खिलाफ दंडात्मक कार्रवाई पर रोक लगाई गई है। यह फैसला लोकतंत्र, न्याय और संवैधानिक अधिकारों की रक्षा की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। सुप्रीम कोर्ट ने केवल छात्रों को राहत देने तक खुद को सीमित नहीं रखा, बल्कि यह भी कहा कि प्रदर्शन के दौरान छात्रों और पुलिसकर्मियों दोनों के घायल होने की घटनाओं की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए। इसके लिए अदालत ने डिजिटल साक्ष्यों सीसीटीवी फुटेज, ड्रोन रिकॉर्डिंग और अन्य रिकॉर्ड को भी सुरक्षित रखने का निर्देश देकर यह संदेश दिया है कि न्याय तथ्यों के आधार पर होना चाहिए, न कि आरोपों और राजनीतिक दावों के आधार पर। यदि किसी छात्र के साथ अन्याय हुआ है तो उसे न्याय मिलना चाहिए, लेकिन यदि किसी ने हिंसा, आगजनी या सरकारी संपत्ति को नुकसान पहुंचाया है तो उसके खिलाफ कानून के अनुसार कार्रवाई भी होनी चाहिए। अदालत ने स्पष्ट किया कि प्रदर्शनकारियों की निजी जानकारी या पहचान संबंधी विवरण किसी भी रूप में प्रकाशित नहीं की जाए। इससे शीर्ष कोर्ट ने स्पष्ट संदेश दिया है कि लोकतंत्र में विरोध का पूरा सम्मान है, लेकिन कानून से ऊपर कोई नहीं है। देश में पिछले कुछ वर्षों में प्रतियोगी परीक्षाओं में पेपर लीक और अनियमितताओं ने युवाओं का भरोसा कमजोर किया है। लाखों छात्र वर्षों की मेहनत के बाद परीक्षा देते हैं और जब उनकी मेहनत भ्रष्टाचार की भेंट चढ़ती है तो आक्रोश स्वाभाविक है। सरकार की जिम्मेदारी है कि ऐसी घटनाओं को रोकने के लिए पारदर्शी और भरोसेमंद व्यवस्था बनाएं। वहीं, छात्रों को भी यह समझना होगा कि लोकतांत्रिक विरोध का अर्थ सार्वजनिक संपत्ति को नुकसान पहुंचाना या हिंसा का सहारा लेना नहीं है। शांतिपूर्ण आंदोलन लोकतंत्र की ताकत है, जबकि हिंसा उसकी सबसे बड़ी कमजोरी। यह भी उतना ही आवश्यक है कि पुलिस कार्रवाई कानून के दायरे में रहे। यदि कहीं अनावश्यक बल प्रयोग हुआ है या निर्दोष छात्रों को निशाना बनाया गया है तो उसकी जवाबदेही तय होनी चाहिए। दूसरी ओर, यदि जांच में यह सामने आता है कि हिंसा में बाहरी असामाजिक तत्व शामिल थे या कुछ लोगों ने आंदोलन की आड़ में अराजकता फैलाई, तो उनके खिलाफ सख्त कार्रवाई में किसी प्रकार की नरमी नहीं बरती जानी चाहिए। सबसे बड़ी चिंता यह है कि हर बड़े छात्र आंदोलन के बाद असली मुद्दा पीछे छूट जाता है और बहस केवल राजनीति, आरोप-प्रत्यारोप और पुलिस कार्रवाई तक सीमित होकर रह जाती है। यह स्थिति किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था के लिए शुभ संकेत नहीं है। सुप्रीम कोर्ट का संदेश स्पष्ट है कि निर्दोष छात्रों की स्वतंत्रता और सम्मान की रक्षा होनी चाहिए, लेकिन कानून तोड़ने वालों को संरक्षण नहीं मिल सकता। सरकार को भी यह सुनिश्चित करना होगा कि परीक्षा प्रणाली इतनी मजबूत बने कि छात्रों को बार-बार सड़कों पर उतरने की नौबत ही न आए। लोकतंत्र में शांतिपूर्ण विरोध का सम्मान होना चाहिए, पर हिंसा और अराजकता को कभी भी आंदोलन का वैध माध्यम नहीं माना जा सकता। छात्रों को न्याय मिले, लेकिन दंगाइयों पर कानून की कठोरता भी उतनी ही दिखाई दे, यही न्याय, लोकतंत्र और सुशासन की वास्तविक कसौटी है।

मुद्दा
महेन्द्र तिवारी

भारतीय राजनीति का बदलता स्वरूप

भारत में सोशल मीडिया का स्वरूप अब महज एक-दूसरे से जुड़ने या तस्वीरें साझा करने के मंच तक सीमित नहीं रह गया है। यह आज राजनीतिक विमर्श, जनमत निर्माण और बड़े जन आंदोलनों का सबसे सशक्त और परिवर्तनकारी माध्यम बन चुका है। कॉकरोच जनता पार्टी ने जिस तरह से पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है, वह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि डिजिटल दुनिया किस प्रकार सड़क की राजनीति को गहराई से आकार दे रही है। इस आंदोलन ने यह पूरी तरह साबित कर दिया है कि युवाओं का असंतोष जब सोशल मीडिया के एल्गोरिदम और नेटवर्क के माध्यम से संगठित होता है, तो वह व्यवस्था के सर्वोच्च स्तर तक अपनी गूंज पहुंचा सकता है।

इस पूरे घटनाक्रम में समर्थकों और विरोधियों के बीच जो तीखी बयानबाजी हुई, उसने आधुनिक लोकतंत्र में सूचना, तथ्य और दुष्प्रचार के बीच की लगातार धुंधली होती रेखा को भी पूरी तरह उजागर कर दिया है। कॉकरोच जनता पार्टी की शुरुआत एक व्यंग्यात्मक अभियान के रूप में हुई थी, जिसका प्रारंभिक उद्देश्य संभवतः व्यवस्था की खामियों पर हल्का कटाक्ष करना था। देखते ही देखते यह लाखों युवाओं की मुखर आवाज बन गया। इस अप्रत्याशित सफलता के पीछे सबसे बड़ा कारण वह गहरी और संरचनात्मक निराशा थी जो आज के युवाओं में परीक्षा पत्र लीक होने, भर्ती प्रक्रियाओं में होने वाली घोर अनियमितताओं और लगातार बढ़ती बेरोजगारी को लेकर व्याप्त है। जब भारत के महत्वाकांक्षी युवाओं को पारंपरिक राजनीतिक ढांचे में अपने जीवन से जुड़े ज्वलंत सवालों के जवाब नहीं मिले, तो उन्होंने डिजिटल मंचों को अपना सबसे बड़ा हथियार बना लिया। इस आंदोलन ने शिक्षा व्यवस्था में आमूलचूल सुधार और रोजगार के समान अवसरों की मांग को इतनी मजबूती से उठाया कि सरकार को भी बचाव की मुद्रा में आना पड़ा। दिल्ली सहित कई अन्य बड़े शहरों में हुए विशाल प्रदर्शनों ने यह स्पष्ट कर दिया कि यह केवल एक आभासी या डिजिटल आक्रोश नहीं था, बल्कि जमीन पर उबल रहा एक वास्तविक और तीव्र गुस्सा था, जिसने अंततः शिक्षा मंत्री के इस्तीफे तक की मांग को मुख्य राष्ट्रीय विमर्श में ला खड़ा किया। जैसे जैसे आंदोलन ने गति पकड़ी और इसका प्रभाव बढ़ने लगा, वैसे वैसे इसके विरोध में भी एक समानांतर और अत्यंत आक्रामक डिजिटल अभियान शुरू हो गया। सोशल मीडिया की यही मूल प्रकृति है कि यहां हर राजनीतिक क्रिया की एक त्वरित और अक्सर बहुत उग्र प्रतिक्रिया होती है। अनेक वायरल पोस्टों के माध्यम से आंदोलन के संस्थापकों और प्रमुख चेहरों पर अत्यंत गंभीर और संगीन आरोप लगाए जाने लगे। यह दावा बड़े पैमाने पर किया गया कि इस आंदोलन का वास्तविक संचालन विदेशों से हो रहा है और इसके पीछे भारत विरोधी विदेशी शक्तियों का हाथ है। कुछ दावों में तो यहां तक कहा गया कि इनके डिजिटल समर्थकों और फॉलोअर्स का एक बहुत बड़ा हिस्सा पड़ोसी देशों से संचालित हो रहा है। लोकतांत्रिक व्यवस्था में किसी भी आरोप को तब तक सत्य नहीं माना जा सकता, जब तक कि उसके समर्थन में ठोस, निष्पक्ष और स्वतंत्र प्रमाण सार्वजनिक रूप से उपलब्ध न हों। प्रमुख और विश्वसनीय समाचार संस्थानों ने भी इन आंकड़ों की कोई

भारत में सोशल मीडिया का स्वरूप अब महज एक-दूसरे से जुड़ने या तस्वीरें साझा करने के मंच तक सीमित नहीं रह गया है। यह आज राजनीतिक विमर्श, जनमत निर्माण और बड़े जन आंदोलनों का सबसे सशक्त और परिवर्तनकारी माध्यम बन चुका है। कॉकरोच जनता पार्टी ने जिस तरह से पूरे देश का ध्यान अपनी ओर खींचा है, वह इस बात का स्पष्ट प्रमाण है कि डिजिटल दुनिया किस प्रकार सड़क की राजनीति को गहराई से आकार दे रही है। इस आंदोलन ने यह पूरी तरह साबित कर दिया है कि युवाओं का असंतोष जब सोशल मीडिया के एल्गोरिदम और नेटवर्क के माध्यम से संगठित होता है, तो वह व्यवस्था के सर्वोच्च स्तर तक अपनी गूंज पहुंचा सकता है।

पुष्टि नहीं की। ऐसे में, बिना किसी विश्वसनीय साक्ष्य के इन गम्भीर दावों को आंख मूंदकर स्वीकार कर लेना केवल राजनीतिक दुष्प्रचार को बढ़ावा देना है। सोशल मीडिया की सबसे बड़ी चुनौती यह है कि यहां किसी भी सत्यापित सत्य से अधिक भड़काने वाली भावनाएं तेजी से फैलती हैं। यदि कोई सूचना या दावा राष्ट्रवाद, धर्म, राष्ट्रीय सुरक्षा या किसी ऐतिहासिक अन्याय जैसे संवेदनशील विषयों से जुड़ा हो, तो उसके वायरल होने की गति कई गुना बढ़ जाती है। राजनीतिक दल, उनके सूचना तंत्र और विभिन्न हितधारक संगठन आम जनमानस के इस मनोविज्ञान को बहुत अच्छी तरह समझते हैं। यही कारण है कि आज डिजिटल प्रचार और सूचनाओं का हेरफेर राजनीतिक रणनीति का एक अत्यंत अभिन्न अंग बन गया है। इस पूरी प्रक्रिया में अक्सर अपुष्ट और भ्रामक जानकारी इतने बड़े पैमाने पर और इतनी चतुराई से फैलाई जाती है कि एक आम नागरिक के लिए यह तय करना लगभग असंभव हो जाता है कि क्या सच है और क्या पूर्ण रूप से झूठ। भावनाओं के इस तेज ज्वार में तथ्य कहीं बहुत पीछे छूट जाते हैं, और हमारा समाज एक ऐसे अंधे ध्रुवीकरण की ओर बढ़ जाता है, जहां शांत और तार्किक बहस के लिए कोई स्थान नहीं बचता। इस पूरे राष्ट्रीय विवाद के दौरान सरकार और कानून व्यवस्था बनाए रखने वाली एजेंसियों की भूमिका भी गहन जांच और चर्चा का विषय बनी रही। जब हजारों युवा अपनी मांगों को लेकर सड़कों पर उतरे तो उन पर नजर रखने के लिए सरकार द्वारा ड्रोन, सीसीटीवी कैमरे और अन्य अत्याधुनिक आधुनिक निगरानी प्रणालियों का व्यापक स्तर पर उपयोग किया गया। यह सच है कि आधुनिक समय में राष्ट्रीय सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए तकनीक का उपयोग आवश्यक है, लेकिन इसका उपयोग नागरिकों के शांतिपूर्ण प्रदर्शन के अधिकारों को दबाने या उनकी निजता के हनन के लिए कतई नहीं किया जाना चाहिए। इस पूरे राजनीतिक विवाद का एक अत्यंत निराशाजनक पहलू सार्वजनिक संवाद और राजनीतिक भाषा के लगातार गिरते स्तर से जुड़ा हुआ है। सोशल मीडिया पर विरोधियों के खिलाफ जिस प्रकार की जहरीली भाषा का प्रयोग किया गया, वह किसी भी सभ्य और लोकतांत्रिक समाज के लिए बहुत ही चिंताजनक है। वैचारिक विरोधियों को नीचा दिखाने के लिए अत्यंत अपमानजनक शब्दों का लगातार इस्तेमाल और यहां तक कि उन्हें हिंसक तरीके से सबक सिखाने की खुली धमकियां आम हो गईं। लोकतंत्र में वैचारिक असहमति का होना न केवल स्वाभाविक है, बल्कि व्यवस्था को जीवंत बनाए रखने के लिए बहुत आवश्यक भी है। लेकिन जब यह असहमति व्यक्तिगत शत्रुता में बदल जाए और खुलेआम हिंसा का आह्वान होने लगे, तो यह हमारे महान लोकतांत्रिक मूल्यों का सीधा और स्पष्ट उल्लंघन माना जाता है। भारत का संविधान हर नागरिक को अभिव्यक्ति की पूर्ण स्वतंत्रता का अधिकार देता है, लेकिन इस अधिकार के साथ यह बहुत बड़ी जिम्मेदारी भी जुड़ी है कि हम कानून व्यवस्था का सम्मान करें। अंततः, इस पूरे बदलते राजनीतिक परिदृश्य में सबसे बड़ी और निर्णायक भूमिका युवाओं, आम नागरिकों और मुख्यधारा की मीडिया की ही रहने वाली है। भारत की एक बहुत बड़ी आबादी युवाओं की है, और यदि उनके रोजगार, निष्पक्ष प्रतियोगी परीक्षाओं और गुणवत्तापूर्ण शिक्षा से जुड़े बुनियादी सवालों को नीतिगत स्तर पर हल नहीं किया गया, तो ऐसे आंदोलन भविष्य में भी नए रूपों में जन्म लेते रहेंगे। आधुनिक लोकतंत्र की वास्तविक सफलता अब केवल चुनाव कराने तक सीमित नहीं है, बल्कि इस बात पर भी निर्भर करती है कि हम सार्वजनिक विमर्श को कितनी जिम्मेदारी, तथ्यपरकता और परिपक्वता के साथ आगे बढ़ाते हैं।

(लेखक स्वतंत्र स्तंभकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

दिवस विशेष

डॉ. घनश्याम बादल

राष्ट्र निर्माण का संकल्प

दिवस बने गुरु पूर्णिमा

भारतीय संस्कृति में यदि किसी संबंध को सर्वाधिक पवित्र और जीवन-निर्माणकारी माना गया है तो वह है गुरु और शिष्य का संबंध। गुरु पूर्णिमा केवल एक धार्मिक पर्व नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार, कर्तव्य और उत्तरदायित्व के प्रति सामूहिक प्रतिबद्धता का उत्सव है। यह वह अवसर है जब हम उन गुरुओं को नमन करते हैं जिन्होंने अपने ज्ञान, तप, त्याग और चरित्र से केवल व्यक्तियों का ही नहीं, बल्कि पूरे समाज और राष्ट्र का निर्माण किया। गुरु को ही ब्रह्मा विष्णु और महेश मानने वाले भारत में महर्षि वेदव्यास की स्मृति में मनाई जाने वाली गुरु पूर्णिमा हमें यह याद दिलाती है कि ज्ञान का प्रकाश ही अज्ञान के अंधकार को समाप्त करता है। भारतीय परंपरा में गुरु को ईश्वर से भी ऊंचा स्थान दिया गया है क्योंकि वही शिष्य को ईश्वर तक पहुंचने का मार्ग दिखाता है। कबीर ने लिखा-

गुरु गोविंद दोऊ खड़े, काके लागूं पाय। बलिहारी गुरु आपने, गोविंद दियो बताय।

केवल एक दोहा मात्र नहीं, बल्कि भारतीय चिंतन का सार है। प्राचीन भारत के गुरुकुल केवल शिक्षा के केंद्र नहीं थे, वे चरित्र, अनुशासन और राष्ट्रधर्म की प्रयोगशालाएं थे। महर्षि वशिष्ठ, विश्वामित्र, द्रोणाचार्य, सांदीपनि, चाणक्य जैसे गुरुओं ने केवल विद्वान ही नहीं, बल्कि ऐसे व्यक्तित्व गढ़े जिन्होंने इतिहास की दिशा बदल दी। श्रीराम को मर्यादा पुरुषोत्तम बनाने में गुरु वशिष्ठ का योगदान था। श्रीकृष्ण ने गुरु सांदीपनि से जीवन का अनुशासन सीखा और चाणक्य ने चंद्रगुप्त मौर्य को तैयार कर भारत के राजनीतिक इतिहास को नई दिशा दी। इन गुरुओं ने शिक्षा को कभी जीविका का साधन नहीं बनाया, बल्कि लोककल्याण का माध्यम माना। इस देश में प्राचीन काल में गुरु का दायित्व केवल शास्त्र पढ़ाना नहीं था। वह शिष्य के भीतर सत्य, करुणा, परिश्रम, राष्ट्रप्रेम, आत्मसंयम और न्याय जैसे मूल्यों का विकास करता था। शिक्षा का उद्देश्य नौकरी नहीं, बल्कि जीवन जीने की कला सिखाना था। इसी कारण गुरुकुल से निकलने वाला विद्यार्थी समाज के प्रति उत्तरदायी नागरिक बनता था। लेकिन जैसे-जैसे समय बदला, समाज बदला और शिक्षा की संरचना भी बदल गई। आज गुरुकुलों का स्थान विद्यालयों, महाविद्यालयों, विश्वविद्यालयों और डिजिटल प्लेटफॉर्म ने ले लिया है। ज्ञान का विस्तार हुआ है, तकनीक ने शिक्षा को सुलभ बनाया है, लेकिन गुरु-शिष्य संबंधों की आत्मीयता कहीं न कहीं कमजोर हुई है। शिक्षा अब सेवा से अधिक व्यवसाय और प्रतिस्पर्धा का माध्यम बनती जा रही है। अंकों और प्रमाणपत्रों की दौड़ में व्यक्तित्व निर्माण का पक्ष अपेक्षाकृत पीछे छूट गया है। इसमें दो राय नहीं कि आज का शिक्षक अनेक प्रकार के दबावों से घिरा हुआ है। प्रशासनिक कार्य, परीक्षा व्यवस्था, डिजिटल रिपोर्टिंग, अभिभावकों की अपेक्षाएं और बाज़ारवादी शिक्षा व्यवस्था उसके मूल दायित्व को प्रभावित करती हैं। दूसरी ओर विद्यार्थियों की दुनिया भी मोबाइल, कृत्रिम बुद्धिमत्ता, सोशल मीडिया और त्वरित सफलता की संस्कृति से संचालित हो रही है। ऐसे वातावरण में गुरु और शिष्य के बीच संवाद, विश्वास और आत्मीयता का दायरा सिमटता जा रहा है। फिर भी यह सच है कि समाज का भविष्य आज भी कक्षा में ही लिखा जाता है। इसलिए आज के आदर्श गुरु की भूमिका पहले से कहीं अधिक महत्वपूर्ण हो गई है। उसे केवल विषय विशेषज्ञ नहीं, बल्कि मार्गदर्शक, प्रेरक, संवेदनशील नागरिक और नैतिक नेतृत्वकर्ता बनना होगा। उसे विद्यार्थियों को केवल परीक्षा की तैयारी नहीं, बल्कि जीवन की चुनौतियों का सामना करना भी सिखाना होगा। यदि शिक्षक समय का सम्मान करता है, सत्यनिष्ठ है, निष्पक्ष है और निरंतर अध्ययनशील है, तो उसके विद्यार्थी स्वतः ही उन गुणों को अपनाने लगते हैं। गुरु पूर्णिमा संदेश देती है कि राष्ट्र का भविष्य किसी संसद, न्यायालय या उद्योग में नहीं, बल्कि सबसे पहले कक्षा में तैयार होता है। जब गुरु ज्ञान के साथ संस्कार देगा, शिष्य श्रद्धा के साथ जिज्ञासा रखेगा और समाज शिक्षा को राष्ट्र निर्माण का सर्वोच्च माध्यम मानेगा, तभी एक सशक्त, संवेदनशील और नैतिक भारत का निर्माण संभव होगा। गुरु केवल पाठ पढ़ाने वाला व्यक्ति नहीं, बल्कि भविष्य का शिल्पकार है। इसलिए गुरु का सम्मान केवल परंपरा नहीं, बल्कि राष्ट्र के उज्ज्वल भविष्य में आस्था का सबसे बड़ा उत्सव होना चाहिए।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं, ये उनके अपने विचार हैं।)

सुख की चाह के लिए तप की साधना ज़रूरी

तप संकल्प की प्राप्ति का एकमात्र उपाय है। जिसे सत्य संकल्प द्वारा सुख की चाह है, उसे तप की साधना अवश्य करनी चाहिए। संकल्प के दृढ़ एवं सत्य न होने का सबसे बड़ा कारण तप की कमी होता है। जो व्यक्ति अपने स्थूल और सूक्ष्म शरीर के द्वारा तप नहीं करता, वह अपने संकल्पों को कभी प्राप्त नहीं कर सकता। तप से हमें अपने मन और तन, दोनों को पक्का बनाना होता है। जैसे मिट्टी का कच्चा घड़ा पानी डालने पर गल जाता है। वह अग्नि में बिना तपे कभी जल नहीं ला सकता। इसी प्रकार जब तक मनुष्य अपने जीवन को तप द्वारा पक्का नहीं बनाता, तब तक वह कभी भी अपने संकल्पों की सिद्धि को धारण नहीं कर सकता। तप से जीवन की समस्त अशुद्धियां दूर होती हैं। अशुद्धियों के दूर होने से शरीर और इंद्रियों को विशेष सिद्धि मिलती। तभी कहा जाता है कि तप से सभी कुछ साध्य है। वेदों में भी तप की महिमा और आवश्यकता का अनेक स्थानों पर वर्णन किया गया है। कल्याण की कामना करने वाले ऋषिगण भी प्रथम तप और दीक्षा का ही अनुष्ठान करते हैं। श्रीमद्भागवत कथा के द्वितीय स्कंध में श्री भगवान ब्रह्मजी से कहते हैं कि 'मैं इस दृश्यमान अखिल प्रपंच को तप द्वारा रचता हूं और पुनः तप द्वारा ही ग्रसित कर लेता हूं। मैं तप द्वारा ही इस विश्व का भरण-पोषण करता हूं और मेरा अत्यंत तेजस्वी पराक्रम तप ही है। तप द्वारा वह तेज और वह शक्ति प्राप्त की जा सकती है, जो किसी भी संकल्प की प्रतिपूर्ति का आधार बनती है।'

संकलित
दर्शन

भगवान को बिना खिलाए मंदिर से लौटना नहीं

एक ब्राम्हण था, भगवान श्री कृष्ण के मंदिर में बड़ी सेवा किया करता था। उसकी पत्नी इस बात से हमेशा चिढ़ती थी कि हर बात में वह पहले भगवान को लाता। भोजन हो, वस्त्र हो या हर चीज पहले भगवान को समर्पित करता। एक दिन घर में लड्डू बने। ब्राम्हण ने लड्डू लिए और भोग लगाने चल दिया। पत्नी इससे नाराज हो गई। कहने लगी कोई पत्थर की मूर्ति जिंदा होकर तो खाएगी नहीं जो हर चीज लेकर मंदिर की तरफ दौड़ पड़ते हो। अबकी बार बिना खिलाए न लौटना, देखती हूँ कैसे भगवान खाने आते हैं। बस ब्राम्हण ने भी पत्नी के ताने सुनकर ठान ली कि बिना भगवान को खिलाए आज मंदिर से लौटना नहीं है। मंदिर में जाकर भगवान के सामने लड्डू रखकर विनती करने लगा। एक घड़ी बीती। आधा दिन बीता, न तो भगवान आए न ब्राम्हण हटा। सभी कौतूहलवश देखने लगे कि आखिर होना क्या है। मक्खियाँ भिनभिनाने लगी, ब्राम्हण उन्हें उड़ाता रहा। मीठे की गंध से चीटियां भी चली आईं। ब्राम्हण ने उन्हें भी हटाया। ब्राम्हण ने उनको भी खदेड़ा। दिन ढल गया, शाम हो गई। न भगवान आए, न ब्राम्हण उठा। शाम से रात हो गई। धीरे-धीरे सब घर चले गए। ब्राम्हण को भी गुस्सा आ गया, लड्डू उठाकर बाहर फेंक दिए। ब्राम्हण पत्नी के ताने सुनकर सो गया। रात को सपने में भगवान आए। बोले- तेरे लड्डू खाए थे मैंने। बहुत बढ़िया थे, कितने रूप धरने पड़े तेरे लड्डू खाने के लिए, मक्खी, चीटी, कुत्ता, भिखारी। पर तूने हाथ नहीं धरने दिया। दिन भर इंतजार करना पड़ा।

संकलित
प्रेरणा

सटाका

आज की पाती

आंदोलन, नेतृत्व और लोकतंत्र

लोकतंत्र केवल चुनावों से नहीं चलता, बल्कि नागरिकों की सक्रिय भागीदारी, संवाद, असहमति और उत्तरदायित्व से भी संचालित होता है। किसी भी लोकतांत्रिक व्यवस्था में आंदोलन सामाजिक चेतना का माध्यम होते हैं। वे सत्ता को आईना दिखाते हैं, जनता की पीड़ा को स्वर देते हैं और नीतिगत सुधारों का मार्ग प्रशस्त करते हैं। किंतु इतिहास यह भी बताता है कि हर आंदोलन स्वतः पवित्र नहीं होता और न ही हर आंदोलन संदेह से परे होता है यदि किसी आंदोलन के उद्देश्य, नेतृत्व, वित्तीय स्रोत, संगठनात्मक संरचना और कार्यशैली पर गंभीर प्रश्न उठते हैं, तो उनका उत्तर भी लोकतांत्रिक पारदर्शिता के साथ दिया जाना चाहिए। आंदोलन के विरुद्ध लगाए गए आरोपों का मूल्यांकन प्रमाणों के आधार पर होना चाहिए।

-रुद्रांश, रोहतक

ट्रेंड

शर्मिला को बधाई

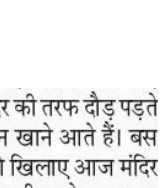

शर्मिला को महिलाओं के शॉट पुट एफ57 इवेंट में बेहद खास गोल्ड मेडल जीतने और सीजन का अपना सर्वश्रेष्ठ थ्रो करने के लिए बधाई। उनके भविष्य के प्रयासों के लिए मेरी शुभकामनाएं।

- नरेंद्र मोदी, प्रधानमंत्री

दिल्ली लक्ष्मी योजना

'दिल्ली लक्ष्मी योजना' का पोर्टल 1 अगस्त से शुरू होगा। प्रक्रिया पूरी होने पर, रक्षाबंधन के मौके पर महिलाओं को 2,500 की पहली किस्त जारी की जाएगी। यह बहनों के सम्मान, आत्मविश्वास और आत्मनिर्भरता के प्रति एक संकल्प है।

- रेखा गुप्ता, सीएम, नई दिल्ली

छात्र आतंकवादी नहीं

भाजपा को क्या हो गया है? बिहार में हमारे छात्रों पर ऐके-47 से गोलियां चलाई गईं। क्या ये छात्र आतंकवादी हैं? मैं समाट मोदी को याद दिलाना चाहता हूँ- लोकनायक जयप्रकाश नारायण के नेतृत्व मे बिहार की धरती कभी इस नारे से गूंजी थी-"गद्दी छोड़ दो, क्योंकि जनता आ रही है।"

-अरविंद केजरीवाल, पूर्व सीएम, नई दिल्ली

कोरी बयानबाजी

प्रयागराज विरोध प्रदर्शन की आड़ में उत्तर प्रदेश पुलिस की विशेष टीम ने कई छात्रों को बिना नंबर वाली गाड़ी में उठा लिया है। क्या उत्तर प्रदेश पुलिस प्रधानमंत्री के आश्वासनों और वादों को कोरी बयानबाजी साबित करना चाहती है?

- अखिलेश यादव, सांसद, सपा

करंट अफेयर

श्रीलंका के प्राचीन हिंदू मंदिर में अनुष्ठान की हुई शुरुआत

श्रीलंका के तटीय शहर देविनुवारा स्थित प्राचीन हिंदू मंदिर में मंगलवार को कड़ी सुरक्षा के बीच सदियों से चले आ रहे धार्मिक अनुष्ठान की शुरुआत हुई। पुलिस ने यह जानकारी दी। पुलिस ने बताया कि पूर्व में अंडरवर्ल्ड की धमकी की वजह से इस अनुष्ठान को रद्द कर दिया गया था। अधिकारियों ने बताया कि उथपालावाना श्री विष्णु मंदिर में एसाला पेराहेरा (धार्मिक जुलूस) के दौरान 'कावड़ी' अनुष्ठान की सुरक्षा के लिए विशेष कार्यबल (एसटीएफ) के सदस्यों समेत लगभग 1,500 जवानों को तैनात किया गया है। ऐसी खुफिया जानकारी मिली थी कि भगोड़े मादक पदार्थ माफिया शेहान सथसारा और कांजीपनी इमरान के बीच जारी 'गैंगवार' की वजह से अनुष्ठान के दौरान हथियारबंद लोगों द्वारा या ड्रोन से हमला किया जा सकता है, जिसके बाद रविवार को पारंपरिक नृत्य कार्यक्रम को रद्द कर दिया गया था, लेकिन बाद में इसे फिर से शुरू किया गया। माना जाता है कि ये दोनों अपराधी विदेश से अपना नेटवर्क चला रहे हैं। पुलिस ने बताया कि मंगलवार को 'कावड़ी' अनुष्ठान में शामिल लोगों की सुरक्षा जांच की गई और कुछ लोगों से मादक पदार्थ क्रिस्टल मेथामफेटामाइन (जिसे स्थानीय भाषा में 'आइस' कहा जाता है) और गांजा जब्त किया गया।

ऑफ बीट

क्या एआई सुलझा पाएगी प्राचीन भाषाओं की गुत्थी

आज तक जिन भी प्राचीन भाषाओं को पढ़ा और समझा जा सका है, उनके रहस्य सुलझाने के लिए शोधकर्ताओं को किसी न किसी आधार का सहारा मिला है। आमतौर पर यह आधार कोई द्विभाषी अभिलेख होता है, जैसे रोसेटा स्टोन, या फिर उससे मिलती-जुलती कोई ज्ञात भाषा, जिससे तुलना की जा सके, लेकिन कांस्य युग में यूनान के क्रीट द्वीप पर विकसित मिनोअन सभ्यता की लिपि 'लीनियर ए' के साथ ऐसी कोई सुविधा उपलब्ध नहीं है। 'लीनियर ए' को भाषाविज्ञान में 'असंबद्ध भाषा' माना जाता है, क्योंकि इसका किसी ज्ञात जीवित या विलुप्त भाषा से अबतक कोई प्रमाणित संबंध स्थापित नहीं हो सका है। यही कारण है कि पिछले एक शताब्दी से यह भाषाविदों के लिए सबसे कठिन पहेलियों में से एक बनी हुई है। इसी तरह रोमन साम्राज्य के उदय से पहले प्रचलित रही इटली की 'एट्रस्कन' भाषा को समझने में भी केवल सीमित सफलता मिली है। कब्रों पर मिले छोटे-छोटे अभिलेखों के आधार पर इसका कुछ शब्दकोश तैयार किया जा सका है, लेकिन इसकी व्याकरण और गहरे अर्थ अब भी भाषाविदों की पकड़ से बाहर हैं। यही वे भाषाएं हैं, जिनकी पहेली सुलझाने में अब कृत्रिम मेधा (एआई) को भी शामिल किया जा रहा है।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे

पी.वे. जोनल कार्यों का निष्पादन हेतु निविदा सूचना

कम सं (1): ई–निविदा संख्याः डीआरएम–इंजी. बीएसपी–टी–142–26–27, दिनांक 24.07.2026
कार्य : बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ अनुभाग अभियंता/(पी.वे.)/चाम्पा के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत पी.वे. जोनल कार्यों का निष्पादन।
निविदा मूल्यः ₹ 1,38,94,423/-। अमानत राशिः ₹ 2,77,900/-। कार्य पूर्णता की अवधिः 30/06/2027 तक।

कम सं (2): ई–निविदा संख्याः डीआरएम–इंजी. बीएसपी–टी–143–26–27, दिनांक 24.07.2026
कार्य : बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ अनुभाग अभियंता/(पी.वे.)/कोरबा के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत पी.वे. जोनल कार्यों का निष्पादन।
निविदा मूल्यः ₹ 1,36,98,074/-। अमानत राशिः ₹ 2,74,000/-। कार्य पूर्णता की अवधिः 30/06/2027 तक।

कम सं (3): ई–निविदा संख्याः डीआरएम–इंजी. बीएसपी–टी–144–26–27, दिनांक 24.07.2026
कार्य : बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ अनुभाग अभियंता/(पी.वे.)/बाराद्वार के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत पी.वे. जोनल कार्यों का निष्पादन।
निविदा मूल्यः ₹ 1,52,37,303/-। अमानत राशिः ₹ 3,04,800/-। कार्य पूर्णता की अवधिः 30/06/2027 तक।

कम सं (4): ई–निविदा संख्याः डीआरएम–इंजी. बीएसपी–टी–145–26–27, दिनांक 24.07.2026
कार्य : बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ अनुभाग अभियंता/(पी.वे.)/रायगढ़ के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत पी.वे. जोनल कार्यों का निष्पादन।
निविदा मूल्यः ₹ 1,20,01,621/-। अमानत राशिः ₹ 2,40,000/-। कार्य पूर्णता की अवधिः 30/06/2027 तक।

कम सं (5): ई–निविदा संख्याः डीआरएम–इंजी. बीएसपी–टी–146–26–27, दिनांक 24.07.2026
कार्य : बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ अनुभाग अभियंता/(पी.वे.)/हिमगिर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत पी.वे. जोनल कार्यों का निष्पादन।
निविदा मूल्यः ₹ 1,20,00,000/-। अमानत राशिः ₹ 2,40,000/-। कार्य पूर्णता की अवधिः 30/06/2027 तक।

कम सं (6): ई–निविदा संख्याः डीआरएम–इंजी. बीएसपी–टी–147–26–27, दिनांक 24.07.2026
कार्य : बिलासपुर मंडल के वरिष्ठ अनुभाग अभियंता/(पी.वे.)/ब्रजराजनगर के अधिकार क्षेत्र के अंतर्गत पी.वे. जोनल कार्यों का निष्पादन।
निविदा मूल्यः ₹ 1,23,98,356/-। अमानत राशिः ₹ 2,48,000/-। कार्य पूर्णता की अवधिः 30/06/2027 तक।

निविदा जमा करने की आरंभ तिथिः दिनांक **04/08/2026** से। **निविदा जमा करने की अंतिम तिथिः** दिनांक **18/08/2026** के **11.00** बजे तक।

उपरोक्त ई–निविदा सूचना की पूरी जानकारी **https://www.ireps.gov.in** वेबसाइट पर उपलब्ध है। उपरोक्त निविदाओं हेतु ई–टेन्डर के अलावा अन्य टेन्डर स्वीकार नहीं की जाएगी।

वरिष्ठ मंडल अभियंता (पूर्व)
सीपीआर/10/312द.पू.म. रेलवे, बिलासपुर
South East Central Railway @secrail

भारत और पाक के लोगों ने की वारदात

सस्ते ट्रिप का झांसा देकर थाईलैंड के पटाया में 3 भारतीयों का अपहरण

परिजनों को फोन कर मांगी फिरौती

एजेंसी ▶▶ बैंकॉक

थाईलैंड में छुट्टी मनाने गए तीन भारतीयों के लिए यह ट्रिप एक बुरे सपने में बदल गई। उन्हें पटाया में भारतीय और पाकिस्तानी नागरिकों के एक गिरोह ने कथित तौर पर कई दिनों तक बंधक बनाकर रखा।

इन नागरिकों को स्थानीय पुलिस ने आखिरकार रेस्क्यू किया है। इन लोगों को किडनैप करने से पहले कम कीमत वाले टूर पैकेज का लालच देकर देश बुलाया गया था। इसके बाद इनको बंधक बनाकर प्रताड़ित किया गया।

थाईलैंड के अखबार के अनुसार, गिरोह ने पीड़ितों को बार-बार परेशान किया और उनके परिवारों से फिरौती मांगी। इनमें से पांच अपहरणकर्ताओं को उस वक्त गिरफ्तार किया गया, जब वे थाईलैंड से बाहर जाने के लिए फ्लाइट ले रहे थे। गिरफ्तार किए गए सभी आरोपी भारतीय नागरिक हैं।

पीड़ितों के शरीर पर कई चोटों के निशान

संदिग्ध पाकिस्तानी को अभी पकड़ा नहीं जा सका है। सोमवार को पुलिस ने पटाया में छापा मारा तो उन्हें तीन लोग दो बेडरूम में बंधे हुए मिले। उनके हाथ, मुंह और पैर बंधे हुए थे। अधिकारियों ने उनके टखनों पर चोट के निशान भी देखे, जो कठोर चीजों से बार-बार पीटे जाने के कारण बने थे। सभी को अस्पताल ले जाया गया और जरूरी इलाज कराया गया। इन लोगों ने जांचकर्ताओं को बताया कि एक हफ्ते तक बंधक बनाए जाने के दौरान उन्हें रोजाना टॉर्चर किया गया। उन्होंने आरोप लगाया कि उन्हें उल्टा लटकाया गया, टखनों पर पीटा गया, खाना और टॉयलेट की सुविधा नहीं दी गई, और फिरौती की मांग के लिए भारत में अपने परिवारों को फोन करने के लिए मजबूर किया गया।

दो मंजिला घर में बंधक बनाकर रखा था

गिरफ्तार किए गए लोगों की पहचान अवतार सिंह, जगजीत सिंह, रामबालक कुमार, सुखबीर सिंह और कुलरा सिंह के तौर पर हुई है। उन्हें बैंकाक के खलोंग टैन इलाके के एक होटल से पकड़ा गया। इनकी पकड़ से 23 से 26 साल की उम्र के इन तीन पीड़ितों को थाई पुलिस ने 27 जुलाई को पटाया के बैंग लमुंग जिले में एक दो मंजिला घर से बचाया। पुलिस ने अपहरणकर्ताओं का पता लगाकर इस जगह तक पहुंचने में कामयाबी हासिल की। गिरोह ने कथित तौर पर इन लोगों को कम कीमत वाले सात दिन के टूर पैकेज का लालच देकर थाईलैंड बुलाया था और फिर उनका अपहरण कर लिया था।

भारत में बाघ संरक्षण का चल रहा ऐतिहासिक दौर

मंत्री भूपेंद्र यादव ने बताया कैसे सहेजे गए बाघ बाघों की संख्या बढ़कर 3600 से अधिक हुई

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण (एनटीसीए) द्वारा आयोजित वैश्विक बाघ दिवस 2026 समारोह के दौरान भारत के पर्यावरण, वन और जलवायु परिवर्तन मंत्री भूपेंद्र यादव ने देश में बाघों की सुरक्षा, उनके संरक्षण और जैव विविधता में हुई ऐतिहासिक प्रगति को रेखांकित किया। इस अवसर पर केंद्रीय पर्यावरण, वन एवं जलवायु परिवर्तन राज्य मंत्री कीर्ति वर्धन सिंह, वरिष्ठ प्रशासनिक अधिकारी, वन्यजीव विशेषज्ञ, वन विभाग के कर्मचारी और छात्र-छात्राएं उपस्थित रहे।

समारोह में जानकारी दी गई कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के दूरदर्शी नेतृत्व में पिछले 12 वर्षों में देश में बाघों और बाघ अभ्यारण्यों (टाइगर रिजर्व) के विस्तार में अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। भारत में वर्तमान में बाघों की संख्या बढ़कर 3,682 हो गई है, जबकि बाघ अभ्यारण्यों की कुल संख्या 58 तक पहुंच चुकी है। इसके अलावा, हाथी अभ्यारण्यों, राष्ट्रीय उद्यानों, वन्यजीव अभ्यारण्यों, संरक्षित क्षेत्रों और आर्द्रभूमियों की संख्या में भी निरंतर बढ़ोतरी दर्ज की गई है। केंद्रीय पर्यावरण मंत्री भूपेंद्र यादव ने अपने संबोधन में कहा कि वन्यजीव संरक्षण केवल आंकड़ों तक सीमित नहीं है, बल्कि इसमें पारंपरिक ज्ञान, संवेदनाएं, गहरा जुनून और अग्रिम पंक्ति के वन अधिकारियों व कर्मियों का वर्षों का अनुभव समाहित है। उन्होंने वन अधिकारियों से अपने व्यावहारिक अनुभवों का दस्तावेजीकरण करने और उन्हें इस तरह साझा करने का आह्वान किया जिससे भविष्य के लिए व्यावहारिक नीतिगत समाधान विकसित किए जा सकें।

पर्यावरण-पर्यटन का नया डिजिटल मंच और जमीनी कार्यकर्ताओं का सम्मान

वैश्विक बाघ दिवस 2026 पर कई महत्वपूर्ण पहल पर रिपोर्ट जारी

कार्यक्रम को संबोधित करते हुए मंत्री भूपेंद्र यादव

वेबपेज किया लांच

वैश्विक बाघ दिवस 2026 के इस विशेष मंच से एनटीसीए का नया पर्यावरण-पर्यटन वेबपेज आधिकारिक रूप से लॉन्च किया गया। यह एकीकृत डिजिटल प्लेटफॉर्म देश के सभी बाघ अभ्यारण्यों से संबंधित प्रामाणिक और आधिकारिक जानकारी एक ही स्थान पर उपलब्ध कराता है। इस पोर्टल के माध्यम से पर्यटक सफारी और प्रवास बुकिंग के लिए सीधे संबंधित अभ्यारण्यों की आधिकारिक वेबसाइटों से जुड़ सकेंगे। इससे पर्यटन में पारदर्शिता आएगी और जिम्मेदार एवं सतत प्रकृति-आधारित पर्यावरण-पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा।समारोह के दौरान जमीनी स्तर पर उत्कृष्ट कार्य करने वाले वन कर्मियों और वन्यजीव अधिकारियों को बाघ संरक्षण और संरक्षित क्षेत्र प्रबंधन में अनुकरणीय योगदान के लिए एनटीसीए पुरस्कारों से सम्मानित किया गया। इसके अतिरिक्त, दिल्ली-एनसीआर के स्कूली बच्चों के लिए बाघ बचाओ विषय पर आयोजित चित्रकला, नारा लेखन, स्केचिंग और मुखौटा निर्माण प्रतियोगिताओं की सर्वश्रेष्ठ प्रविष्टियों की प्रदर्शनी का अवलोकन भी किया गया।

10 लाख से अधिक जंगली बाघ विचरण करते थे

विश्व स्तर पर बाघ संरक्षण की पृष्ठभूमि पर प्रकाश डालते हुए बताया गया कि लगभग एक शताब्दी पूर्व एशिया भर में 10 लाख से अधिक जंगली बाघ विचरण करते थे, लेकिन अवैध शिकार, अवैध व्यापार और आवास क्षरण के कारण आज वे अपने ऐतिहासिक आवास के 8 प्रतिशत से भी कम हिस्से में सीमित रह गए हैं। इस संकट का मुकाबला करने के लिए 2010 के सेंट पीटर्सबर्ग सम्मेलन में 13 बाघ रेंज देशों ने प्रतिवर्ष 29 जुलाई को वैश्विक बाघ दिवस मनाने और बाघों की आबादी को बढ़ाने का संकल्प लिया था। भारत ने इस संकल्प को न केवल सफलतापूर्वक हासिल किया है बल्कि वैश्विक बाघ संरक्षण में अग्रणी भूमिका भी निभाई है।

बाघ संरक्षण की जरूरत

बाघ संरक्षण को विज्ञान-आधारित और तथ्य-परक बनाने के उद्देश्य से कार्यक्रम के दौरान पांच प्रमुख रिपोर्ट और प्रकाशन जारी किए गए। इनमें एनटीसीए की आउटरीच पत्रिका 'स्ट्राइप्स' का जुलाई 2026 का संस्करण, 24 बाघ अभ्यारण्यों की सुरक्षा लेखापरीक्षा रिपोर्ट, बाघ अभ्यारण्यों में रीछों के लिए आवास उपयुक्तता मूल्यांकन रिपोर्ट, अंतर्राष्ट्रीय बिग कैट एलायंस (आईबीसीए) और जीटीएफ द्वारा प्रकाशित 'टाइगर्स ऑफ द वर्ल्ड', तथा चंद्र प्रकाश गोयल व सत्य प्रकाश यादव द्वारा लिखित पुस्तक 'द रहमान खेड़ा टाइगर' शामिल हैं।

महानदी विवाद नहीं, छत्तीसगढ़-ओडिशा की साझा समृद्धि का आधार बने : मुख्यमंत्री

रायपुर । महानदी जल बंटवारे से जुड़े विषयों के सौहार्दपूर्ण एवं स्थायी समाधान की दिशा में आज नई दिल्ली स्थित श्रमशक्ति भवन में एक महत्वपूर्ण पहल हुई। केंद्रीय जल शक्ति मंत्री सीआर पाटिल की अध्यक्षता में छत्तीसगढ़ और ओडिशा के बीच महानदी जल विवाद के सम्बन्ध में बैठक आयोजित हुई। बैठक में छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी, केंद्रीय आवासन एवं शहरी कार्य राज्य मंत्री तोखन साहू सहित दोनों राज्यों के वरिष्ठ प्रशासनिक एवं तकनीकी अधिकारियों ने भाग लिया। बैठक में मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने कहा कि महानदी छत्तीसगढ़ और ओडिशा दोनों राज्यों की साझा जीवनरेखा है।

कलेक्टर अजीत वसंत ने अम्बिकापुर में विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों, स्कूलों सहित अन्य संस्थाओं का किया औचक निरीक्षण

अम्बिकापुर - कलेक्टर अजीत वसंत ने बुधवार को अम्बिकापुर में विभिन्न स्वास्थ्य केंद्रों, स्कूलों, शासकीय कन्या क्रीड़ा परिसर एवं कन्या शिक्षा परिसर सहित अन्य संस्थाओं का औचक निरीक्षण किया। उन्होंने घुनघुट्टा डेम का अवलोकन कर जलभराव की स्थिति सहित सिंचाई सुविधा आदि की जानकारी अधिकारियों से ली तथा आवश्यक दिशा निर्देश दिए। इस दौरान कलेक्टर वसंत ने घुनघुट्टा डेम का औचक निरीक्षण किया।

सोने के आभूषण बनाने के नाम पर 63.87 लाख की ठगी करने वाले पायल ज्वेलर्स के मालिक पर मामला दर्ज

वसई। सोने के आभूषण बनाने के नाम पर लाखों रुपये और पुराने सोने के गहने लेकर वापस नहीं करने के आरोप में नायगांव पुलिस ने पायल ज्वेलर्स के मालिक बाबू सिंह के खिलाफ धोखाधड़ी का मामला दर्ज किया है।

छत्तीसगढ़ राजपत्र, दिनांक 15 जनवरी 2026

प्रारूप (एक)

समाचार प्रपत्र में प्रकाशित की जाने वाली सूचना

मैं मंक्षा लकडा (पुराना नाम, जिसे बदला जाना है) सुपुत्र/सुपुत्री/पत्नी रंजित लकडा, शहर/गाँव- मठपहाड चिकनीपानी, तहसील-पत्थलगांव जिला जशपुर छत्तीसगढ़ ने अपना नाम मंक्षा लकडा (पुराना नाम) से बदल कर मंछा लकडा (नया नाम) रख लिया है।

नवोदय पहुंची कलेक्टर ने शैक्षणिक व्यवस्था व छात्रावास का लिया जायजा

विद्यार्थियों से संवाद कर परखी शिक्षा की गुणवत्ता

सूरजपुर। गुरुवार को कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने जिले के बसदेई स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय का निरीक्षण कर शैक्षणिक एवं आवासीय व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया तथा अध्ययन अध्यापन की गुणवत्ता की जानकारी ली। कलेक्टर ने एक छात्रा से अंग्रेजी की पुस्तक का पाठ करने और उसका हिंदी में अनुवाद बताने को कहा। छात्रा ने आत्मविश्वास के साथ पुस्तक का पाठ करते हुए उसका सहज अनुवाद प्रस्तुत किया, जिस पर कलेक्टर ने उसकी सराहना करते हुए उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विद्यालय के प्राचार्य से शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों की प्रगति एवं शिक्षण व्यवस्था की जानकारी लेते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विभिन्न राज्यों से अध्ययन हेतु आए विद्यार्थियों से भी आत्मीय चर्चा की और उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने प्राचार्य को विद्यालय परिसर में जिला प्रशासन के अधिकारियों के संपर्क नंबर प्रमुखता से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर विद्यार्थी अपनी समस्या सीधे प्रशासन तक पहुंचा सकें। इस अवसर पर कलेक्टर ने असम की एक छात्रा से उसकी मातृभाषा में गीत प्रस्तुत करने कहा। छात्रा द्वारा मधुर गीत की प्रस्तुति पर उन्होंने उसकी प्रतिभा की सराहना करते हुए अन्य विद्यार्थियों को भी अपनी सांस्कृतिक पहचान एवं प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया। कलेक्टर ने स्वास्थ्य जांच कक्ष, पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशाला, निमार्णाधीन भवन, बालक एवं बालिका छात्रावास तथा मेस का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्वच्छता, सुरक्षा, भोजन की गुणवत्ता एवं विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान शिक्षा की गुणवत्ता, विद्यार्थियों की सुरक्षा तथा बेहतर शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

-: सार्वजनिक सूचना :-

कार्यालय कलेक्टर जिला कोरिया (छ०ग०) का ओदश कमांक GENS/I/289069/2026 COLL KOREA GEN SEC/S.W/2026: KOREA 23-07-2026, अनुसार जिला जेल बैकुण्ठपुर एक संवेदनशील शासकीय संस्थान है, जहाँ बंदियों की सुरक्षा-व्यवस्था एवं कानून-व्यवस्था बनाए रखने हेतु अनाधिकृत ड्रोन संचालन से सुरक्षा को जोखिम उत्पन्न होने की आशंका है। जिसमें सार्वजनिक सुरक्षा एवं कानून व्यवस्था बनाए रखने हेतु DRONE RULE 2021 तथा भारतीय नागरिक सुरक्षा संहिता (BNSS) 2023 की धारा 163 (पूर्व में दण्ड प्रक्रिया संहिता 1973 की धारा 144) के अन्तर्गत प्रदत्त शक्तियों के तहत जिला जेल बैकुण्ठपुर परिसर एवं उसकी परिधि से 500 मीटर की सीमा तक का क्षेत्र तत्काल प्रभाव से नो फलाई जोन आगामी आदेश तक घोषित किया गया है जिसे सार्वजनिक सूचना हेतु प्रकाशित किया जा रहां है।

जेल अधीक्षक
जिला जेल बैकुण्ठपुर
छत्तीसगढ़

जी 262702460/2

न्यायालय अनुविभागीय अधिकारी (रा०) उदयपुर जिला सरगुजा छ०ग०
ईश्तहार

एतद द्वारा सर्व साधारण एवं ग्राम केसमा को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुमरित पुत्री गेन्दा आयु लगभब 70 वर्ष जाति मझवार निवासी ग्राम पटकुरा तहसील उदयपुर जिला सरगुजा के द्वारा आवेदन पेश किया गया है कि आवेदक के स्वामित्व की भूमि ग्राम केसमा तहसील उदयपुर में कुल खसरा क्रमांक 03 कुल रकबा 0.583 हेक्टेयर स्थित है आवेदक को ईलाज हेतु पैसों की आवश्यकता होने कारण आवेदक ने अपने भूमि ख0न0 41 रकबा 0.057 हे०, तथा खसरा क्रमाक 103 रकबा 0.020 हेक्टेयर भूमि को अनावेदक कुलदीप पिता शिवमगल जाति कंवर निवासी ग्राम केसमा तहसील उदयपुर के पास 100000.00 (एक लाख रुपए) में विक्रय करने का सौदा तय कर अनावेदक से 50000.00 (पचास हजार रुपए) नगद आवेदक ने प्राप्त कर लिया गया है शेष राशि 50000.00 (पचास हजार रुपए) रजिस्ट्री के समय अनावेदक द्वारा आवेदक को प्राप्त कराया जावेगा। आवेदक द्वारा उक्त भूमि के विक्रय की अनुमति प्रदान करने का निवेदन किया गया है। अतः उक्त संबंध में किसी व्यक्ति या संस्था को आपत्ति हो तो वह अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से अगामी 15 दिवस के भीतर अपना दावा आपत्ति प्रस्तुत किया जा सकता है नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर विचार नहीं किया जावेगा।

आज दिनांक 24/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अनुविभागीय अधिकारी (रा०)
उदयपुर जिला सरगुजा

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला–सरगुजा
रा०प्र०क्र०/अ–20(3)/2025–26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदकगण संतोष वैद्य आ० सुरेश वैद्य, निवासी केदारपुर, अम्बिकापुर जिला सरगुजा, रश्मि घाटे आ० सुरेश वैद्य पति रमेश घाटे, निवासी फ्लैट नं0 11, ब्लॉक नं.- ई-1 चौहार टाउन जुड़वानी, भिलाई, नेहरूनगर भिलाई, जिला दुर्ग, छ०ग० के द्वारा अपने स्वामित्व की शीट नम्बर -01 मोहल्ला

केदारपुर, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल भूखण्ड कमांक 135/3 रकबा

0.13/4 एकड़ भूमि को अनावेदक/केता सनलीत कुमार कुशवाहा आ० बलजीत कुशवाहा, निवासी ग्राम केंवरा तहसील सूरजपुर, जिला सूरजपुर छ०ग० के पास बिक्रय करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु मेन्टनेन्स खसरा की छायाप्रति सहित आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है।

उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 07/08/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय-सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक 22/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला–सरगुजा
रा०प्र०/20(1)/2025–26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका मुकेश रंजन अग्रवाल आ०/पति राजेन्द्र प्रसाद अग्रवाल जाति अग्रवाल, निवासी वार्ड नं० 12 मस्जिद रोड़ रामानुजगंज, जिला बलरामपुर तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला देवीगंज रोड़, शीट नम्बर-2 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 506/1 रकबा 0.06 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अत उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के गाध्यम से दिनांक-31/07/2026 तक इस न्यालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांक-17/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय अतिरिक्त तहसीलदार अम्बिकापुर–2 जिला–सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र०/ब–121/2025–26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक सुशील आ० श्रीराम व अन्य 03, निवासी ग्राम श्रीगढ़, तहसील अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०) के द्वारा छ०ग० भू-राजस्व संहिता 1959 की धारा 115, 116 के अंतर्गत आवेदन श्रीमान अनुविभागीय अधिकारी (रा०) अम्बिकापुर के समक्ष प्रस्तुत कर बताया गया है कि आवेदकगण के स्वामित्व एवं आधिपत्य की भूमि कुल खसरा 15 कुल रकबा 1.738 हे0 ग्राम श्रीगढ़ में स्थित है, तथा वर्ष 2014 तक आवेदकगण के नाम पर दर्ज होते आया था। परंतु वर्तमान राजस्व अभिलेखों में उपरोक्त भूमि में से खसरा नंबर 274/12, 276/13 रकबा क्रमशः 0.113, 0.598 हे0 दर्ज होने से. छूट गया है। आवेदक द्वारा खसरा नंबर 274/12. 276/13 रकबा क्रमशः 0.113, 0.598 हे0 को अपने नाम पर दर्ज किये जाने का निवेदन किया गया है। जो जांच व प्रतिवेदन हेतु इस न्यायालय को प्राप्त हुआ है। उक्त संबंध में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 31/08/2026 को न्यायालय में स्वयं अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 30/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालयीन पदमुद्रा से जारी।

अतिरिक्त तहसीलदार
अम्बिकापुर-02

न्यायालय तहसीलदार अम्बिकापुर, जिला-सरगुजा (छ०ग०)
रा०प्र०क्र० 202603020700034/अ-27/2025-26
फर्द बटवारा का अंतिम प्रकाशन

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि इस न्यायालय के रा०प्र०क्र० 2026030207 00034/अ-27/2025-26 पक्षकार रामकुमार प्रति दशरथ में ग्राम जगदीशपुर स्थित खसरा नंबर 369/2, 542/2, 543/2, 754/1, 804/1, 824, 831 रकबा क्रमशः 0.025, 0.020, 0.044, 0.279, 0.904, 0.376, 0.510 हे. भूमि का फर्द बंटवारा सूची हल्का पटवारी से प्राप्त हुआ है, जिसका अंतिम प्रकाशन कराया जा रहा है। अतः उक्त फर्द बंटवारा में किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई आपत्ति हो तो पेशी दिनांक 10/08/2026 को न्यायालय में स्वंय अथवा अपने अभिभाषक के माध्यम से उपस्थित होकर दावा आपत्ति प्रस्तुत कर सकते है। समय सीमा के बाद प्राप्त दावा आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेगा। आज दिनांक 29/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

तहसीलदार
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला–सरगुजा
रा०प्र०क्र०/अ–20 (3)/2025–26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है, कि आवेदक श्यामलाल केशरी, रामू केशरी, नन्दलाल केशरी, सोनू केशरी आ० स्व० द्वारिका प्रसाद केशरी, जाति केशरवानी, निवासी खुटेनपारा, अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा शीट नम्बर-02 मोहल्ला खुटेनपारा, नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 401/1, 403, 404/2 रकबा 0.06/2, 0.03, 0.01 एकड़ भूमि को बैंक में बंधक रखकर ऋण प्राप्त करने की अनापत्ति प्रमाण पत्र हेतु आवेदन पत्र मय मेंन्टनेश खसरा की प्रतिलिपि सहित पेश किया गया है। उक्त भू-खण्ड के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा-आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक 10/08/2026 तक इस न्यायालय में प्रस्तुत कर सकते है। नियत समय सीमा के बाद प्राप्त दावा-आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा।आज दिनांक 21/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला–सरगुजा
रा०प्र०क०/20(1)/2025–26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका मुकेश कुमार अग्रवाल आ०/पति स्व० गोपाल दास अग्रवाल जाति निवासी राममंदिर रोड ब्रम्ह वार्ड अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला राम मंदिर मैदान, शीट नम्बर-11 क नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 3196/4813/9 रकबा 0.01 3/4 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-05/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः 20/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

न्यायालय नजूल अधिकारी, अम्बिकापुर जिला–सरगुजा
रा०प्र०क्र०/20(1)/2025–26
ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण को सूचित किया जाता है कि आवेदक/आवेदिका रामदेव साहू आ०/पति स्व० पूरन साहू जाति तेली, निवासी दरीपारा, अम्बिकापुर, तहसील अम्बिकापुर, जिला सरगुजा छ०ग० के द्वारा आवेदन प्रस्तुत किया गया है कि मोहल्ला दरीपारा, शीट नम्बर-10 नगर अम्बिकापुर स्थित नजूल प्लाट नम्बर 4048/2. 4080/3 रकबा 0.04, 0.04 एकड़ भूमि का लीज अवधि दिनांक 31.3.2026 को समाप्त हो गई है। जिस कारण आवेदक/आवेदिका द्वारा लीज अवधि बढ़ाने हेतु आवेदन पत्र प्रस्तुत किया गया है। अतः उक्त के संबंध में यदि किसी व्यक्ति अथवा संस्था को कोई दावा अथवा आपत्ति हो तो अपना लिखित दावा/आपत्ति स्वयं अथवा अपने अधिवक्ता के माध्यम से दिनांक-05/08/2026 तक इस न्यायालय में उपस्थित होकर प्रस्तुत कर सकते है। नियत तिथि के बाद प्राप्त दावा/आपत्ति पर कोई विचार नहीं किया जायेंगा। आज दिनांकः- 21/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एंव न्यायालीन पदमुद्रा से जारी।

नजूल अधिकारी
अम्बिकापुर

मैं 'हेरा फेरी 3 को धुरंधर से भी बड़ा बनाता : प्रियदर्शन

नई दिल्ली। हेराफेरी से एग्जिट लेने पर साफ-साफ बात करते हुए प्रियदर्शन ने कहा, 'फिरोज ने अक्षय से कहा था, 'तुम्हारे पास हेरा फेरी 3 बनाने के अधिकार हैं, लेकिन इसे कभी भी प्रियदर्शन के साथ मत बनाना। बस यही मेरी गुजारिश है।' उन्होंने कई बार मेरी बेइज्जती की है, उन्होंने मुझसे कहा था कि हेरा फेरी का मेरा कट किसी गरीब आदमी के वर्शन जैसा लगता था, और उन्हें मेरी पांच घंटे की फिल्म को एडिट करना पड़ा था'। उन्होंने बताया, 'शुरू में मैं अक्षय के साथ तीसरा पार्ट बनाने के लिए तैयार हो गया था, क्योंकि मुझे लगा कि मैं देश की सबसे बड़ी फ्रैंचाइजी में से एक बना सकता हूं। अगर मैंने इसे डायरेक्ट किया होता, तो मैं इसे 'धुरंधर' से भी बड़ा बना सकता था। अक्षय कुमार , सुनील शेट्टी और परेश रावल ने मुझसे 'हेरा फेरी 3' बनाने का अनुरोध किया था।

लाइफ Style

दिव्या

आजकल एक रील से बन सकते हैं स्टार

एजेंसी ▶▶ मुंबई

दिव्या दत्ता को हाल ही में वेब सीरीज 'चिरैया' में एक ऐसी महिला का किरदार निभाने के लिए तारीफ मिली, जो अपने परिवार के खिलाफ आवाज उठाती है। हाल ही में दिव्या ने सोशल मीडिया के दौर में एक्टर्स के सामने आने वाली नई चुनौतियों, किरदार पर आधारित कहानियों पर स्टार सिस्टम के असर और दूसरी चीजों के बारे में बात की।

दिव्या का मानना है कि आज के एक्टर्स के लिए नई चुनौती सोशल मीडिया और इन्फ्लुएंसर कल्चर का बढ़ना है। दिव्या दत्ता ने सोशल मीडिया के दौर और नए एक्टर्स के सामने आने वाली चुनौतियों को लेकर कहा कि जब मौकों की बात आती है, तो मुझे लगता है कि जब मैंने शुरुआत की थी, तब हमें कहीं ज्यादा मुश्किलों का सामना करना पड़ा था, क्योंकि तब मौके और माध्यम कम थे। आजकल आप अपने लिए एक रील बना सकते हैं और अचानक स्टार बन सकते हैं। प्रोड्यूसर आप पर ध्यान देते हैं और कहते हैं, 'ठीक है, इस व्यक्ति को लेते हैं।'इस लिहाज से यह आसान हो गया है। कई इन्फ्लुएंसर्स ने अपने लिए मजबूत कॅरियर बनाया है, लेकिन इसके दूसरे पहलू भी हैं। इसका असर मानसिक स्वास्थ्य पर पड़ता है। युवा पीढ़ी अब ऐसी स्थिति में फंसी हुई है जहां सब कुछ लाइक्स, वैलिडेशन और विजिबिलिटी के इर्द-गिर्द घूमता है। इस सवाल पर कि बॉलीवुड आज भी महिलाओं के मजबूत किरदारों को दिखाने में क्यों संघर्ष करता है, एक्ट्रेस कहती हैं कि ऐसे रोल मौजूद तो हैं, लेकिन कम हैं। मेरे दिमाग में सबसे पहले 'दामिनी' फिल्म आती है, जिसमें महिलाओं का एक बहुत मजबूत किरदार था। लेकिन, और भी फिल्में हैं।

हॉलीवुड मसाला

माउई के रूप में शानदार वापसी

लॉस एंजिल्स। कुछ किरदार ऐसे होते हैं जिन्हें अभिनेता निभाते हैं, और कुछ ऐसे जो अभिनेता की पहचान बन जाते हैं। दुनिया के सबसे बड़े सुपरस्टार्स में शुमार, बॉक्स ऑफिस के बादशाह और करोड़ों दिलों की धड़कन ड्वेन 'द रॉक' जॉनसन के लिए माउई ऐसा ही एक किरदार है। 10 जुलाई को जब डिज्नी की लाइव-एक्शन फिल्म मोआना भारत में अंग्रेजी और हिंदी में सिनेमाघरों में रिलीज होगी, तब जॉनसन सिर्फ 2016 की सुपरहिट एनिमेटेड फिल्म के अपने लोकप्रिय किरदार में वापसी नहीं करेंगे, बल्कि पहली बार उसे पूरी तरह जीवंत रूप में बड़े पर्दे पर निभाते नजर आएंगे—अपने मशहूर टैटू, दमदार व्यक्तित्व और उसी करिश्मे के साथ।

द ओडिसी से धमाका करने के लिए तैयार क्रिस्टोफर

नई दिल्ली। दिग्गज फिल्ममेकर क्रिस्टोफर नोलन फिर से अपनी मोस्ट एंटीसिपेटेड फिल्म से दुनियाभर में तहलका मचाने जा रहे हैं। ओपेनहाइमर की रिलीज के तीन साल बाद क्रिस्टोफर फैंटेसी ड्रामा 'द ओडिसी' लेकर आ रहे हैं। सिनेमाघरों में रिलीज से सिर्फ 15 दिन पहले ही 'द ओडिसी' का फाइनल ट्रेलर जारी किया गया है, जिसने आउट होते ही इंटरनेट पर धमाल मचा दिया है। फाइनल ट्रेलर 'द ओडिसी' की भव्यता को और करीब से दिखाता है। फिल्म पर करीब 2100 करोड़ रुपए खर्च किए गए हैं। यह फिल्म 17 जुलाई को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है। 'द ओडिसी' के फाइनल ट्रेलर [illegible] झलक मिलती है। साथ ही यह भी दिखाया गया है कि कैसे ट्रोजन वॉर के बाद ओडिसियस घर अपने परिवार के पास लौटने के लिए बेताब है। इस ट्रेलर में परिवार का मोह, युद्ध और घर वापसी की बेचैनी को खूबसूरती से दिखाया गया है।

जरूरतमंद की मदद के लिए बढ़ाया हाथ

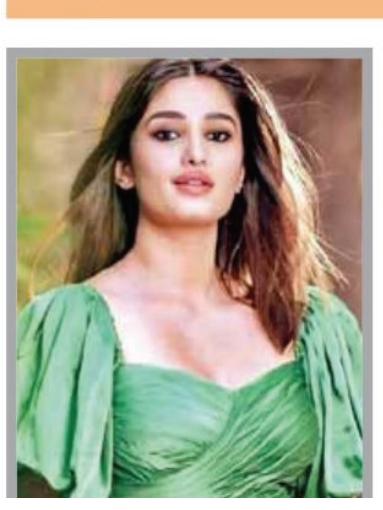

मुंबई। रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी मुंबई की भारी बारिश के बावजूद मंदिर दर्शन के लिए पहुंचीं। साथ ही उन्होंने जिस तरह एक जरूरतमंद की मदद की, उसे देखकर फैंस राशा के कायल हो गए। रवीना टंडन की बेटी राशा थडानी ने अपने कॅरियर की शुरुआत पिछले साल आजाद से की थी। इस फिल्म को बॉक्स ऑफिस पर बड़ी सफलता नहीं मिली। लेकिन, राशा के पास ऑफर्स की कमी नहीं है। अपनी फिल्मों के अलावा वह अपने व्यवहार को लेकर भी चर्चा में रहती हैं। [illegible] हाल ही में एक्ट्रेस का एक वीडियो वायरल हुआ, जिसमें वह बारिश के मौसम में मुंबई के एक मंदिर में पहुंचीं। इस दौरान एक बूढ़ी महिला उनसे मदद मांगती दिखे, राशा ने भी मदद का हाथ बढ़ाया। राशा की इस दरियादिली को फैंस अब खूब सराह रहे हैं। वायरल वीडियो में नजर आ रहा है कि राशा मंदिर में

तलाक के बाद नहीं ली 400 करोड़ की एलिमनी

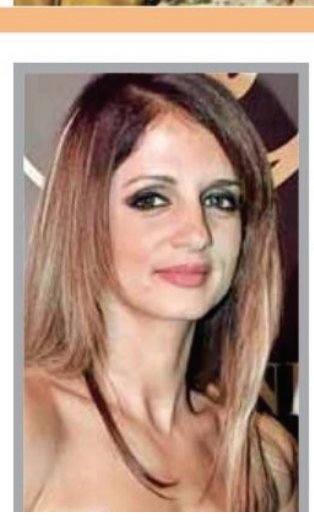

नई दिल्ली। एक्टर ऋतिक रोशन और सुजैन खान का तलाक देश भर में चर्चा का विषय बना था। दोनों की शादी 15 साल से ज्यादा चली थी और उनके दो बेटे भी हैं। लेकिन उनके अलग होने और कोर्ट केस की खबरों के बीच ऐसी खबरें भी आईं कि सुजैन ने ऋतिक से एलिमनी (तलाक के बाद मिलने वाली रकम) के तौर पर 400 करोड़ की मांग की थी और बॉलीवुड में इसे अब तक का सबसे महंगा तलाक भी माना जाता है। अब उनकी बहन और ज्वेलरी डिजाइनर फराह खान अली ने इन दावों को गलत बताया है और कहा है कि सुजैन को इस तरह पैसों की जरूरत नहीं थी। फराह खान अली ने उस समय को याद किया जब ऋतिक और सुजैन ने अपने तलाक की बात सबके सामने रखी थी। उन्होंने कहा, 'हर कोई हैरान था। बहुत हंगामा हुआ था।लोगों की उनकी पर्सनल जिंदगी [illegible] के बारे में बहुत सी राय थीं, लेकिन मुझे लगता है कि उन दोनों ने इसे बहुत अच्छे से संभाला। यह सब आपसी सहमति से हुआ। मैं एक बात साफ तौर पर कहना चाहती हूं कि कभी भी 400 करोड़ की एलिमनी नहीं दी गई थी।' उन्होंने आगे कहा, 'जब मैं ऑनलाइन लोगों को यह कहते हुए देखती हूं कि 400 करोड़ दिए गए और सुजैन और अमीर हो गईं, तो मुझे बहुत बुरा लगता है।

टीवी मसाला

'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' ने बदल दी मेरी जिंदगी

नई दिल्ली। एकता कपूर ने टेलीविजन जगत में सास-बहू और फैमिली ड्रामा आधारित सीरियल्स में ऐसा प्रयोग किया कि दर्शक खूब आकर्षित हुए। साल 2000 के आसपास 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' और 'कहानी घर घर की' जैसे सीरियल्स का क्रेज जबर्दस्त था और घर-घर में देखे जाते थे। 'क्योंकि...' का दूसरा सीजन इन दिनों प्रसारित हो रहा है। इसके सफर पर एकता कपूर ने बात की। एकता कपूर का मानना है कि सीरियल 'क्योंकि सास भी कभी बहू थी' ने उनकी जिंदगी बदल दी। प्रोड्यूसर ने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट से शुक्रवार को एक पोस्ट साझा किया है। इसमें उन्होंने शो के दूसरे सीजन का नया प्रोमो पोस्ट किया है, जिसमें घर के अंदर हुए बदलावों की झलक है। पोस्ट के साथ एकता कपूर ने कैप्शन लिखा है, '26 साल पहले एक शो आया था, जिसने मेरी जिंदगी बदल दी। समीर सर, स्टार प्लस, बालाजी टीम, तनु, स्मृति और सभी एक्टर्स का शुक्रिया। और हां, सबसे ज्यादा शुक्रिया उन राइटर्स और टीम का, जो इसे ऐसा बनाने के लिए लगातार काम करते हैं। जय माता दी'। बता दें कि शो के दूसरे सीजन में नए बदलाव देखने को मिलने वाले हैं। फिलहाल तुलसी जेल में है। दो किरदारों- पार्थ और रेयांश की शो से विदाई हो चुकी है। सीरियल की कहानी 10 साल आगे बढ़ने वाली है। कमान नई पीढ़ी को सौंपी जाएगी। लंबे वक्त से सीरियल में मिहिर अनुपस्थित है। देखना दिलचस्प होगा कि दस साल आगे बढ़ने के बाद शो क्या मोड़ लेता है। तुलसी और मिहिर की क्या भूमिका होगी?

सुनील अरसे बाद पत्नी संग दिखे

नई दिल्ली। एक्टर-कॉमेडियन सुनील ग्रोवर गुरुवार रात अपनी पत्नी आरती ग्रोवर के साथ नजर आए। मुंबई में बाहर निकलते समय पैपराजी ने इस कपल को देखा। सोशल मीडिया पर आए एक वीडियो में सुनील, आरती का हाथ थामे

हुए चलते दिखे। पैपराजी को देखकर वे दोनों रुके और मुस्कुराते हुए कैमरों के लिए पोज दिया। वैसे सुनील न तो पत्नी के साथ ज्यादा फोटोज शेयर करते हैं और दिखते भी बहुत कम ही हैं। ऐसे में उनकी बीवी को साथ देख सभी चौंक गए और कपल की सादगी ने हर किसी का दिल लूट लिया। इस आउटिंग के लिए सुनील ग्रोवर ने सफेद टी-शर्ट के ऊपर कैजुअल ब्लैक ब्लेजर और उसके साथ ढीली-ढाली, ओवरसाइज्ड नीली कार्गो ट्राउजर पहनी थी। वहीं, आरती हल्के रंग के, वर्टिकल स्ट्राइप्स वाले फुल-स्लीव टॉप में सिंपल लुक में दिखीं। इस टॉप में आरामदायक फिट के लिए इलास्टिक वाली ड्रॉस्ट्रिंग हेम थी।

लव एंड वॉर के लिए विक्की ने किया जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन

मुंबई। एक्टर विक्की कौशल संजय लीला भंसाली के साथ अपनी पहली फिल्म 'लव एंड वॉर' की रिलीज की तैयारी कर रहे हैं। दो साल से ज्यादा समय से बन रही यह फिल्म अब पूरी होने वाली है। अब ऐसी जानकारी सामने आ रही है कि विक्की कौशल ने अपने किरदार के दो अलग-अलग रूप दिखाने के लिए जबरदस्त फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया है। उन्होंने पहले काफी वजन बढ़ाया और फिर उसे पूरी तरह घटाया। 'लव एंड वॉर' की शूटिंग शुरू करते समय किरदार में ढलने के लिए उन्होंने लगभग 12 किलो वजन बढ़ाया और फिर फिल्म के क्लाइमेक्स की शूटिंग के लिए लगभग 15 किलो वजन घटाकर जबरदस्त ट्रांसफॉर्मेशन किया। अपने काम के प्रति उनका समर्पण हमेशा ही काबिले-तारीफ रहा है। यह पहली बार नहीं है जब विक्की ने किसी रोल के लिए अपना फिजिकल ट्रांसफॉर्मेशन किया हो। एक्टर ने 2025 की ब्लॉकबस्टर फिल्म 'छावा' में छत्रपति संभाजी महाराज की भूमिका के लिए भी इसी तरह का मुश्किल ट्रांसफॉर्मेशन किया था। 'लव एंड वॉर' रोमांस और एविएशन पर आधारित एक पीरियड ड्रामा फिल्म है, जिसमें विक्की कौशल, रणबीर कपूर और आलिया भट्ट प्रमुख भूमिकाओं में नजर आएंगे। हालांकि

वीकेंड पर घर बैठे देखिये ये टॉप क्राइम-थ्रिलर फिल्में

नई दिल्ली। वीकेंड पर हर कोई फैमिली के साथ एंजॉय करना चाहता है और फैमिली टाइम बिताना चाहता है। ऐसे में ओटीटी वीकेंड पर फैमिली टाइम का एक बेहतरीन जरिया है, जहां आप पूरे परिवार के साथ बैठकर किसी फिल्म या सीरीज का आनंद उठा सकते हैं, वो भी घर बैठे। आइए जानते हैं ओटीटी पर मौजूद टॉप-5 हिंदी क्राइम-थ्रिलर फिल्मों के बारे में, जिन्हें आप ओटीटी पर घर बैठे फैमिली के साथ भी देख सकते हैं।

दृश्यम 2

आईएमडीबी रेटिंग के मुताबिक, अजय देवगन, तब्बू और अक्षय खन्ना स्टारर 'दृश्यम 2' हिंदी क्राइम थ्रिलर फिल्मों में टॉप पर है। इसके रेटिंग 8.4 है। फिल्म की कहानी अजय देवगन द्वारा निभाए गए किरदार विजय सलगांवकर के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने परिवार को बचाने के लिए किसी भी हद तक जाता है और एक लाश को छिपाता है। जिसे पुलिस ढूंढने का प्रयास कर रही है। फिल्म का निर्देशन अभिषेक पाठक ने किया है और ये फिल्म प्राइम वीडियो पर मौजूद है।

अंधाधुंन

आयुष्मान खुराना, तब्बू और राधिका आप्टे स्टारर 'अंधाधुंन' एक शानदार क्राइम-थ्रिलर फिल्म है। आईएमडीबी के मुताबिक इसकी रेटिंग 8.2 है। फिल्म की कहानी आकाश (आयुष्मान खुराना) नाम के एक ऐसे पियानोवादक की है, जो अंधा होने का नाटक करता है। एक दिन वह अनजाने में एक पूर्व अभिनेता के मर्डर और उसकी पत्नी (तब्बू) के काले कारनामों का गवाह बन जाता है, जिससे उसकी जान पर बन आती है। यह फिल्म ओटीटी प्लेटफॉर्म नेटफ्लिक्स पर मौजूद है। इसका निर्देशन श्रीराम राघवन ने किया है।

कहानी

सुजॉय घोष द्वारा निर्देशित 'कहानी' में विद्या बालन प्रमुख भूमिका में हैं। इस फिल्म की कहानी लंदन से कोलकाता आई एक गर्भवती महिला विद्या बागची (विद्या बालन) के इर्द-गिर्द घूमती है, जो अपने लापता पति की तलाश कर रही है। शहर में कोई उसकी मदद नहीं करता और दावा करता है कि उसके पति का कोई अस्तित्व ही नहीं है। फिल्म की आईएमडीबी रेटिंग 8.1 है और इसे आप प्राइम वीडियो पर देख सकते हैं।

ए वेडनेसडे

नसीरुद्दीन शाह और अनुपम खेर स्टारर 'ए वेडनेसडे' एक सफल क्राइम-थ्रिलर फिल्म है। फिल्म की कहानी एक आम नागरिक और रिटायर्ड पुलिस कमिश्नर प्रकाश राठौड़ (अनुपम खेर) के इर्द-गिर्द घूमती है। जहां एक कॉमन मैन (नसीरुद्दीन शाह) सिर्फ फोन कॉल के जरिए मुंबई में बम की धमकी देता है और बदले में कुछ आतंकवादियों को छुड़वाने की बात कहता है।

संगीत और अभिनय विरासत में मिला था, दुर्गा पूजा उत्सवों में गाते थे

45 साल पहले अमित ने पापा किशोर कुमार को हराकर जीता था ये अवॉर्ड

एजेंसी ▶▶ नई दिल्ली

यह बात साल 1975 की है। बंबई के एक छोटे से म्यूजिक रूम में 23 साल का एक नौजवान बेहद घबराया हुआ खड़ा था। उसके ठीक सामने आरडी बर्मन (पंचम दा) बैठे थे और उनके बगल में मन्ना डे तथा किशोर कुमार जैसे महानायक थे। आरडी बर्मन के कहने पर उस नौजवान ने बेहद संकोच और थरथराती आवाज में एक गीत सुनाया। वह नौजवान कोई और नहीं, बल्कि किशोर कुमार के बड़े बेटे अमित कुमार थे। 3 जुलाई 1952 को कोलकाता में जन्मे अमित कुमार को संगीत और अभिनय विरासत में मिला था। उनके पिता किशोर कुमार और मां रूमा गुहा ठाकुरता (प्रसिद्ध बंगाली अभिनेत्री और 'कलकत्ता यूथ चायर' की संस्थापक) थीं। उनके परिवार का नाता फिल्म जगत की दिग्गज हस्तियों से रहा है, जिसमें उनकी सौतेली माताओं में मधुबाला, योगिता बाली और लीना चंदावरकर शामिल थीं, जबकि अभिनेत्री काजोल उनकी भतीजी हैं।

11 साल की उम्र में गाया पहला गाना

अमित कुमार का शुरुआती बचपन कोलकाता में बीता, जहां वे दुर्गा पूजा उत्सवों में गाते थे। ऐसे ही एक कार्यक्रम में महान बंगाली अभिनेता उत्तम कुमार ने उनकी प्रतिभा को सराहा। जब मां ने शिकायत की कि अमित केवल 'फिल्मी' गाने गाता है, तो किशोर कुमार उन्हें बंबई ले आए। बंबई आने से पहले ही उन्होंने अपने पिता की निर्देशित फिल्म 'दूर गगन की छांव में' (1964) में अभिनय किया था और फिल्म 'दूर का राही' (1971) के लिए 11 साल की उम्र में अपना पहला गीत 'मैं पंछी मतवाला रे' रिकॉर्ड किया था।

इस गाने के कारण बने रातों रात स्टार

साल 1981 में रिलीज हुई फिल्म 'लव स्टोरी' के गाने 'याद आ रही है' ने उन्हें रातोंरात स्टार बना दिया। इस सफलता का सबसे ऐतिहासिक क्षण साल 1982 के फिल्मफेयर अवाड्र्स में आया। बेस्ट मेल प्लेबैक सिंगर की श्रेणी में पिता किशोर कुमार और बेटे अमित कुमार आमने-सामने थे। किशोर कुमार की बात करें तो उन्हें दो नॉमिनेशन मिले थे, जिसमें कुदरत फिल्म का हमें तुमसे प्यार कितना और याराना फिल्म का छूकर मेरे मन को गाना था। कड़े मुकाबले के बाद विजेता अमित कुमार घोषित हुए और किशोर कुमार ने गर्व से अपने बेटे को गले लगा लिया। 1980 के दशक में वे कुमार गौरव, अनिल कपूर और संजय दत्त जैसे युवा कलाकारों की सिग्नेचर आवाज बन गए।

अमित के पॉपुलर गाने

अमित कुमार के कॅरियर के प्रमुख गीतों की बात करें, तो बड़े अच्छे लगते हैं, तेरी याद आ रही है, एक दो तीन, रोज रोज आंखों तले, उठे सबके कदम, तू रूठा तो मैं मान जाऊंगा, तिरछी टोपीवाले और टिप टिप टिप टिप बारिश जैसे गीत शामिल हैं। 13 अक्टूबर 1987 को किशोर कुमार के आकस्मिक निधन ने पूरी फिल्म इंडस्ट्री को स्तब्ध कर दिया। इसके बाद अमित कुमार ने अपने पिता की अधूरी फिल्म 'ममता की छांव में' (1989) का निर्देशन संभाला और उसे पूरा किया। इसके बाद 4 जनवरी 1994 को उनके मार्गदर्शक आरडी बर्मन भी दुनिया से चले गए। उन्होंने 1990 के मध्य में प्लेबैक सिंगिंग छोड़ दी। उन्होंने अपनी संगीत कंपनी 'कुमार ब्रदर्स म्यूजिक' शुरू की और खुद को स्वतंत्र संगीत तथा विश्वव्यापी लाइव कॉन्सर्ट्स के लिए समर्पित कर दिया।

जिले में रंगीन मछली एवं झींगा पालन को प्रोत्साहित करने हेतु योजना बनाने के निर्देश

कलेक्टर ने किया मत्स्य बीज प्रक्षेत्र बसदेई का निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले के बसदेई स्थित शासकीय मत्स्य बीज प्रक्षेत्र पहुंचकर कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने मत्स्य बीज उत्पादन कार्य का बारीकी से निरीक्षण किया गया। इस दौरान उन्होंने मत्स्य संवर्धन तकनीक, हैचरी, स्पॉनिंग पूल, इनक्यूवेशन पूल, इनटेकवेल, प्रजनक पोखर एवं संवर्धन पोखरों का अवलोकन करते हुए स्पॉन, फ्राई एवं फिंगरलिंग संबंधी विस्तृत जानकारी प्राप्त की। इस अवसर पर उन्होंने सहायक संचालक मछली पालन एम.एस. सोनवानी को क्षेत्र के कृषक बंधुओं को उन्नत गुणवत्ता का मत्स्य बीज उपलब्ध कराने तथा मत्स्य पालन गतिविधियों को व्यापक स्तर पर बढ़ावा देने हेतु आवश्यक निर्देश दिए।

निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने मनरेगा, अमृत सरोवर, आजीविका डबरी एवं नवा तरिया योजनाओं के अंतर्गत निर्मित जल संरचनाओं का उपयोग मत्स्य उत्पादन बढ़ाने हेतु किए जाने के साथ-साथ तालाबों एवं डबरियों के मेढ़ों पर सब्जी व फलदार पौधरोपण की समुचित कार्ययोजना तैयार करने के निर्देश दिए। इसके तहत समूह आधारित क्लस्टर गठित कर मत्स्य कृषकों के माध्यम से बीज संचयन कराया जाएगा, ताकि कृषि, बागवानी एवं पशुपालन के समन्वय से मिश्रित खेती को अपनाकर ग्रामीणों की आर्थिक स्थिति में सुधार लाया जा सके। साथ ही जिले में रंगीन मछली पालन

एवं झींगा पालन को प्रोत्साहित करने हेतु भी सुव्यवस्थित योजना बनाने के निर्देश दिए गए। सहायक संचालक द्वारा कलेक्टर को अवगत कराया गया कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में जिले के लिए 420 लाख स्पान एवं 90 लाख स्टैण्डर्ड फ्राई उत्पादन का लक्ष्य निर्धारित है, जिसके सापेक्ष अब तक 320 लाख स्पान उत्पादन हासिल किया जा चुका है और शेष कार्य प्रगति पर है। कलेक्टर ने प्रधानमंत्री मत्स्य संपदा योजनांतर्गत नरेंद्र सिंह द्वारा स्थापित पौंड लाईनर इकाई का अवलोकन किया। इस दौरान पौंड लाईनर निर्माण प्रक्रिया, बीज संचयन विधि, पूरक आहार व्यवस्था तथा उत्पादन-विक्रय संबंधी जानकारी ली और उनके प्रयासों की सराहना की। भ्रमण के दौरान एसडीएम श्रीमती शिवानी जायसवाल, एसडीओ आरईएस विमल सिंह, एपीओ कृष्ण मोहन पाठक, मनरेगा से सुनिल गुप्ता, सहायक संचालक मछली पालन एम.एस. सोनवानी, सरपंच मनोज सिंह, सचिव शिवनारायण, उप सरपंच गौतम राजवाड़े, सहायक मत्स्य अधिकारी सुधाकर बिसेन, मत्स्य जमादार छोटेलाल तिर्की, सतीश तिग्गा, मछुआ चौकीदार रूकमणीरमण तिवारी सहित क्षेत्र के कर्मचारी एवं अन्य अधिकारी-कर्मचारी मौजूद रहे।

बेहतर सुविधाएं उपलब्ध कराने एवं सेवाओं को सुलभ बनाने के निर्देश

कलेक्टर ने बसदई स्थित पंचायत कार्यालय, ग्रामीण सचिवालय एवं अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र का निरीक्षण कर संचालित नागरिक सुविधाओं, वित्तीय समावेशन एवं सीएससी सेवाओं की जानकारी ली। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर श्रीमती जमील ने संबंधित अधिकारियों को ग्रामीणजन को बेहतर से बेहतर सुविधा उपलब्ध कराने के स्पष्ट निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि अटल डिजिटल सुविधा केन्द्र के माध्यम से ग्रामीणों को जन्म-मृत्यु पंजीयन, आय-निवास-जाति प्रमाण पत्र, विवाह पंजीयन सहित विभिन्न राजस्व सेवाओं का लाभ सुगमता से मिलना चाहिए। इसके साथ ही उन्होंने सीएससी सेवाओं को सुचारू रूप से संचालित करने पर बल दिया। उन्होंने संबंधित अधिकारियों को निर्देशित करते हुए कहा कि सभी सेवाओं को सुलभ बनाया जाए, जिससे ग्रामीणजनों को अपने आवश्यक कार्यों हेतु शहर तक न जाना पड़े और उन्हें गांव में ही समस्त शासकीय सेवाओं का लाभ प्राप्त हो सके।

नाबालिक स्कूली छात्रों के वाहन चलाने पर सख्त हुई पुलिस, चेकिंग में बाईक चलाते मिले 102 छात्र

पुलिस ने अभिभावकों के विरूद्ध की एमव्ही एक्ट की कार्रवाई

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। जिले में सड़क दुर्घटनाओं की रोकथाम एवं यातायात व्यवस्था को सुरक्षित बनाए रखने के उद्देश्य से पुलिस अधीक्षक योगेश कुमार पटेल द्वारा नाबालिक स्कूली छात्रों के वाहन चलाने पर विशेष अभियान चलाने के निर्देश दिए थे। निर्देश के परिपालन में जिले की पुलिस के द्वारा 102 नाबालिक छात्रों को वाहन चलाते पाए जाने पर उन्हें पकड़ा और उनके अभिभावक के विरूद्ध तथा 58 अन्य लोगों को यातायात नियमों के उल्लघन पर कार्रवाई करते हुए कुल 160 प्रकरण में 71600 रूपये का समन शुल्क लिया है।

पुलिस जिलेभर के स्कूलों में जाकर छात्रों को यातायात नियमों का पालन करने और 18 वर्ष की आयु के उपरांत वैध ड्राईविंग लायसेंस बनने के बाद वाहन चलाने की लगातार समझाईश भी दे रही है। बुधवार को अभियान के दौरान स्कूलों के आसपास एवं प्रमुख मार्गों पर वाहन चेकिंग कर 102 नाबालिगों छात्रों द्वारा दोपहिया वाहन चलाते पाए जाने पर उनके अभिभावकों को बुलाकर मोटर व्हीकल एक्ट के तहत कार्यवाही कर 63000 रूपये का समन शुल्क लिया गया और उन्हें नाबालिक बच्चों को वाहन चलाने न देने की समझाइश दी गई। इसी प्रकार चेकिंग के 58 वाहन चालक के द्वारा यातायात नियमों का उल्लघन करने पर एमव्ही एक्ट के तहत कार्यवाही कर 8600 रूपये समन शुल्क लिया गया। अभियान के दौरान 4 लोगों के द्वारा शराब पीकर वाहन चलाते पाए जाने पर उनके विरूद्ध 185 के तहत कार्यवाही कर इस्तगाशा माननीय न्यायालय में पेश किया गया। पुलिस ने स्पष्ट किया कि यदि कोई नाबालिक वाहन चलाते हुए पाया जाता है तो मोटर वाहन अधिनियम के प्रावधानों के तहत वाहन स्वामी अथवा अभिभावक के विरुद्ध नियमानुसार कार्रवाई की जाएगी। साथ ही संबंधित विद्यालयों से भी विद्यार्थियों को यातायात नियमों के प्रति जागरूक करने का आग्रह किया गया है।

पुलिस अधीक्षक की अपील

पुलिस अधीक्षक ने अपील करते हुए कहा कि नाबालिक छात्र-छात्राएँ देश का भविष्य हैं। उनकी सुरक्षा हम सभी की जिम्मेदारी है। उन्होंने सभी अभिभावकों से अपील किया कि 18 वर्ष से कम आयु के बच्चों को बिना वैध ड्राइविंग लाइसेंस के किसी भी प्रकार का वाहन चलाने की अनुमति न दें। नाबालिकों द्वारा वाहन चलाना न केवल कानून का उल्लंघन है, बल्कि उनके जीवन और दूसरों की सुरक्षा के लिए भी गंभीर खतरा है। बच्चों को यातायात नियमों का पालन करना सिखाएँ, उन्हें जिम्मेदार नागरिक बनने के लिए प्रेरित करें और उनके उज्ज्वल भविष्य की रक्षा करें।

एसडीएम ने मसगा एवं कोड़ाकूपारा स्कूल का किया निरीक्षण

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। प्रतापपुर एसडीएम श्रीमती ललिता भगत ने गुरुवार को प्रा.शा व मा. शा मसगा एवं प्रा. शाला कोड़ाकू पारा का निरीक्षण कर शैक्षणिक एवं व्यवस्थागत गतिविधियों का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान प्राथमिक शाला मसगा में उन्होंने विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने तथा विद्यालय भवन में सीपेज की समस्या का शीघ्र निराकरण कराने के निर्देश संबंधित अधिकारियों को दिए। उन्होंने निर्माणाधीन नवीन स्कूल भवन का भी निरीक्षण किया तथा ग्राम पंचायत को निर्माण कार्य में तेजी लाते हुए इसे शीघ्र पूर्ण कराने के

निर्देश दिए।माध्यमिक शाला मसगा के निरीक्षण के दौरान एसडीएम ने विद्यालय की शैक्षणिक गतिविधियों एवं व्यवस्थाओं की समीक्षा करते हुए आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। वहीं प्राथमिक शाला कोड़ाकू पारा में भी विद्यार्थियों की शत-प्रतिशत उपस्थिति सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने शिक्षकों को गुणवत्तापूर्ण शिक्षा प्रदान करने, नियमित अध्ययन अध्यापन सुनिश्चित करने तथा विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास के लिए सतत प्रयास करने के निर्देश दिए। एसडीएम ने विद्यालयों में संचालित मध्यान्ह भोजन की गुणवत्ता, स्वच्छता एवं साफ-सफाई की भी जांच की और व्यवस्थाओं को निर्धारित मानकों के अनुरूप बनाए रखने के निर्देश दिए।

शैक्षणिक व्यवस्था व छात्रावास का कलेक्टर ने लिया जायजा, पहुंची पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने आज ग्राम पंचायत बसदेई स्थित पीएम श्री जवाहर नवोदय विद्यालय का निरीक्षण कर शैक्षणिक एवं आवासीय व्यवस्थाओं का जायजा लिया। निरीक्षण के दौरान उन्होंने विभिन्न कक्षाओं में पहुंचकर विद्यार्थियों से सीधे संवाद किया तथा अध्ययन-अध्यापन की गुणवत्ता की जानकारी ली।

कलेक्टर ने एक छात्रा से अंग्रेजी की पुस्तक का पाठ करने और उसका हिंदी में अनुवाद बताने को कहा। छात्रा ने आत्मविश्वास के साथ पुस्तक का पाठ करते हुए उसका सहज अनुवाद प्रस्तुत किया, जिस पर कलेक्टर ने उसकी सराहना करते हुए उत्साहवर्धन किया। उन्होंने विद्यालय के प्राचार्य से शैक्षणिक गतिविधियों, विद्यार्थियों की प्रगति एवं शिक्षण व्यवस्था की जानकारी लेते हुए गुणवत्तापूर्ण शिक्षा सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान कलेक्टर ने विभिन्न राज्यों से अध्ययन हेतु आए विद्यार्थियों से भी आत्मीय चर्चा की और उनकी समस्याओं एवं आवश्यकताओं के बारे में जानकारी ली। उन्होंने प्राचार्य को विद्यालय परिसर में जिला प्रशासन के अधिकारियों के संपर्क नंबर प्रमुखता से प्रदर्शित करने के निर्देश दिए, ताकि आवश्यकता पड़ने पर विद्यार्थी अपनी समस्या सीधे प्रशासन तक पहुंचा सकें। इस अवसर पर कलेक्टर ने असम की एक छात्रा से उसकी मातृभाषा में गीत प्रस्तुत करने कहा। छात्रा द्वारा मधुर गीत की प्रस्तुति पर उन्होंने उसकी प्रतिभा की सराहना करते हुए अन्य विद्यार्थियों को भी अपनी सांस्कृतिक पहचान एवं प्रतिभा को आगे बढ़ाने के लिए प्रेरित किया।

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने स्वास्थ्य जांच कक्ष, पुस्तकालय, विज्ञान प्रयोगशाला, निर्माणाधीन भवन, बालक एवं बालिका छात्रावास तथा मेस का भी निरीक्षण किया। उन्होंने स्वच्छता, सुरक्षा, भोजन की गुणवत्ता एवं विद्यार्थियों के लिए उपलब्ध मूलभूत सुविधाओं का अवलोकन करते हुए संबंधित अधिकारियों को आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। निरीक्षण के दौरान शिक्षा की गुणवत्ता, विद्यार्थियों की सुरक्षा तथा बेहतर शैक्षणिक वातावरण सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया गया।

महुली स्कूल में रहस्यमयी खुजली का कहर, 1 सप्ताह से परेशान बच्चे और शिक्षक

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

चांदनी-बिहारपुर। क्षेत्र अंतर्गत ग्राम महुली स्थित शासकीय माध्यमिक शाला इन दिनों एक रहस्यमयी खुजली की समस्या से जूझ रही है। पिछले एक सप्ताह से स्कूल में पढ़ने वाले बच्चों और शिक्षकों के शरीर पर अचानक तेज खुजली, लाल चकत्ते और एलर्जी जैसे लक्षण सामने आ रहे हैं। लगातार बढ़ रही इस समस्या से स्कूल में भय का माहौल है। स्थिति यह है कि कई अभिभावकों ने बच्चों को स्कूल भेजना बंद कर दिया है, जिससे उनकी पढ़ाई भी प्रभावित होने लगी है। ग्रामीणों के अनुसार स्कूल पहुंचने के कुछ समय बाद ही कई बच्चों के हाथ, पैर, गर्दन और शरीर के अन्य हिस्सों में तेज खुजली शुरू हो जाती है। देखते ही देखते लाल धब्बे और चकत्ते उभर आते हैं। कुछ बच्चों को इतनी अधिक परेशानी होती है कि उन्हें बीच में ही घर लौटना पड़ता है। यही समस्या कुछ शिक्षकों के साथ भी देखने को मिली है।

विद्यालय के प्रधान पाठक अखिलेश पटेल ने बताया कि स्कूल में नियमित रूप से

स्कूल आना छोड़े कई बच्चे

साफ-सफाई कराई जा रही है। फिनाइल और अन्य कीटाणुनाशक दवाओं से कक्षाओं की धुलाई भी की जा रही है, लेकिन इसके बावजूद प्रतिदिन दो से चार बच्चों में खुजली की शिकायत सामने आ रही है। स्कूल प्रबंधन स्वयं भी इस समस्या को लेकर चिंतित है। विद्यालय परिसर में संचालित प्राथमिक शाला के बच्चों में भी कभी-कभी इसी तरह के लक्षण देखने को मिले हैं। इससे आशंका जताई जा रही है कि समस्या पूरे परिसर में फैली हुई हो सकती है।

ग्रामीणों का मानना है कि स्कूल परिसर के आसपास महुआ और आम के कई पुराने पेड़ हैं।

बरसात के मौसम में इन पेड़ों से रोएंदार या जहरीले कीड़े नीचे गिरते हैं। बच्चों के संपर्क में आने पर उनके शरीर में एलर्जी और खुजली की समस्या हो सकती है। हालांकि यह केवल स्थानीय लोगों की आशंका है और इसकी पुष्टि विशेषज्ञ जांच के बाद ही हो सकेगी।

ग्रामीणों का आरोप है कि इस गंभीर समस्या की जानकारी स्वास्थ्य विभाग को लगभग एक सप्ताह पहले दे दी गई थी, लेकिन अब तक न तो स्वास्थ्य विभाग की कोई टीम स्कूल पहुंची है और न ही पूरे परिसर का निरीक्षण किया गया है। स्कूल में दवा का छिड़काव भी नहीं कराया गया है। इससे अभिभावकों और ग्रामीणों में नाराजगी बढ़ती जा रही है। इधर अभिभावकों का कहना है कि यदि समय रहते स्वास्थ्य विभाग ने पहल नहीं की तो यह समस्या और गंभीर रूप ले सकती है। बच्चों की सुरक्षा को देखते हुए स्कूल परिसर में तत्काल स्वास्थ्य शिविर लगाकर सभी विद्यार्थियों और शिक्षकों की जांच कराई जाए। साथ ही परिसर में प्रभावी कीटनाशक दवाओं का छिड़काव कर संभावित कीटों या एलर्जी के स्रोत की पहचान की जाए।

ग्रामीणों ने कलेक्टर, मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी तथा शिक्षा विभाग से तत्काल हस्तक्षेप की मांग करते हुए कहा है कि बच्चों के स्वास्थ्य से किसी भी प्रकार का समझौता नहीं होना चाहिए। समय रहते उचित कदम उठाए जाने से बड़ी समस्या टाली जा सकती है।

स्वास्थ्य विभाग की जांच के बाद ही यह स्पष्ट हो सकेगा कि खुजली का कारण किसी जहरीले कीड़े का संपर्क है, एलर्जी है या कोई अन्य चिकित्सीय कारण। फिलहाल पूरे गांव की निगाहें स्वास्थ्य विभाग की कार्रवाई पर टिकी हुई हैं।

कार्यालय जिला बाल संरक्षण इकाई जिला-सरगुजा

दावा-आपत्ति

1. बच्चे का नाम – सुनती बाई
2. बच्चे का प्राप्ति दिनांक 11.05.2022
3. स्थान – कृपानगर बिशुनपुर अम्बिकापुर जिला : सरगुजा (छ०ग०)
4. शारीरिक बनावट एवं रंग : सांवला
5. उम्र/जन्मतिथि : 11.05.2015

उक्त बालिका श्री ब्रिजिट टोप्पो एवं श्रीमती सुमन टोप्पो फॉस्टर पैरेन्टस निवासी कृपानगर बिशुनपुर अम्बिकापुर जिला सरगुजा के साथ पिछले 02 वर्ष से निवास कर रही है।

सर्व संबंधित जो कि बालिका के वैधानिक पालक/अभिभावक होने का दावा/आपत्ति दर्ज कराना चाहते हैं, प्रकाशन दिनांक से 30 दिवस के भीतर जिला बाल संरक्षण अधिकारी महिला एवं बाल विकास विभाग जिला–सरगुजा में दर्ज करा सकते हैं। उक्त समयावधि के पश्चात् प्राप्त दावा आपत्तियों पर विचार नही किया जायेगा तथा दत्तक ग्रहण की कार्यवाही की जायेगी।

दूरभाष क० – 8319227014

जिला बाल संरक्षण अधिकारी
महिला एवं बाल विकास विभाग
अम्बिकापुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

जी-262702422/2

मेरा युवा भारत पोर्टल से जुड़ेंगे 15 से 29 वर्ष के युवा कौशल विकास, स्वयंसेवा और नेतृत्व क्षमता विकसित करने का मिलेगा अवसर

प्रतिनिधि छ.ग. फ्रंटलाइन

सूरजपुर। भारत सरकार के युवा कार्यक्रम एवं खेल मंत्रालय द्वारा संचालित ''मेरा युवा भारत'' (माई भारत) पोर्टल के माध्यम से देशभर के युवाओं को अवसरों से जोड़ने की पहल की जा रही है। इस पोर्टल का उद्देश्य 15 से 29 वर्ष आयु वर्ग के युवाओं को सशक्त बनाना और उन्हें राष्ट्र निर्माण में सहभागी बनाना है। 'युवा शक्ति, राष्ट्र शक्ति' की भावना के साथ प्रारंभ इस कार्यक्रम के तहत युवाओं का कौशल विकास करना, उन्हें सरकारी और निजी संस्थाओं से जोड़ना, स्वयंसेवा (वॉलंटियर) के अवसर उपलब्ध कराना, नेतृत्व क्षमता विकसित करना तथा इंटर्नशिप एवं अनुभव आधारित सीखने के अवसर प्रदान करना निर्धारित किया गया है।

पोर्टल पर पंजीयन के माध्यम से युवाओं को सरकारी व सामाजिक कार्यक्रमों में भाग लेने, स्वयंसेवा प्रमाणपत्र प्राप्त करने, कौशल विकास कार्यक्रमों से जुड़ने, इंटर्नशिप एवं अनुभव आधारित सीखने के अवसर पाने, प्रोफ़ाइल एवं सीवी बनाने की सुविधा और विभिन्न संस्थाओं व मेंटर्स से जुड़ने जैसे कई लाभ प्राप्त होंगे। पोर्टल पर स्वयंसेवा कार्यक्रम, अनुभव आधारित शिक्षण, कौशल विकास, नेतृत्व विकास, मेंटरशिप, सामुदायिक सहभागिता, सीवी निर्माण तथा सरकारी और साझेदार संस्थाओं की विभिन्न गतिविधियां उपलब्ध कराई गई हैं। भारत का कोई भी नागरिक, जिसकी आयु 15 से 29 वर्ष के बीच है, इस पोर्टल पर पंजीयन करा सकता है। इसमें विद्यार्थी, नौकरी की तैयारी करने वाले युवा, स्वयंसेवक तथा अन्य इच्छुक युवा शामिल हैं। पंजीयन के लिए मोबाइल नंबर, ईमेल आईडी, आधार कार्ड (जहां आवश्यक हो), पासपोर्ट साइज फोटो तथा शैक्षणिक जानकारी जैसे दस्तावेज आवश्यक होंगे।

पंजीयन की प्रक्रिया सरल रखी गई है। इच्छुक युवा वेबसाइट www.mybharat.go.in पर जाकर 'रजिस्टर नाउ' पर क्लिक करें, इसके पश्चात मोबाइल नंबर या ईमेल के माध्यम से ओटीपी सत्यापन करें, अपनी व्यक्तिगत जानकारी भरें, आवश्यक दस्तावेज अपलोड करें और प्रोफ़ाइल पूरी कर सबमिट करें। पंजीयन पूर्ण होने के उपरांत युवा उपलब्ध विभिन्न अवसरों के लिए आवेदन कर सकेंगे।

जिला प्रशासन द्वारा जिले के युवाओं से अपील की गई है कि वे मेरा युवा भारत पोर्टल पर पंजीयन कराकर इन अवसरों का लाभ उठाएं और राष्ट्र निर्माण में अपनी सक्रिय भागीदारी सुनिश्चित करें। रजिस्ट्रेशन के लिए पंजीयनकर्ता BXTAJyyP रेफरल कोड का उपयोग कर सकते हैं।

''युवा आगे बढ़ेगा, भारत विकसित होगा'' की भावना के साथ अधिक जानकारी के लिए नजदीकी युवा केंद्र से संपर्क किया जा सकता है।

पोर्टल पंजीयन में कम प्रगति: 3 बीएमओ को नोटिस जारी, 3 आरएचओ का रुकेगा वेतन

कलेक्टर ने आयुष्मान योजना में लापरवाही पर नियमानुसार कार्रवाई करने कहा

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। कलेक्टर अजीत वसंत ने गुरुवार को जिला कलेक्टरेट सभाकक्ष में स्वास्थ्य विभाग की समीक्षा बैठक ली। इस दौरान विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों अंतर्गत टीकाकरण कार्य की जानकारी ली गई। बैठक में यू-विन (यूनिवर्सल इम्यूनाइजेशन, सार्वभौमिक टीकाकरण) पोर्टल के प्रगति की जानकारी ली गई। उन्होंने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जिले के सभी पात्र गर्भवती महिलाओं एवं बच्चों का पोर्टल पर शत-प्रतिशत पंजीयन किया जाए। प्रत्येक हितग्राही को निर्धारित समयानुसार सभी आवश्यक टीके लगाए जाएं। उन्होंने कहा कि कोई भी पात्र हितग्राही टीकाकरण से वंचित नहीं रहना चाहिए। टीकाकरण कार्य में कम प्रगति पर बतौली, मैनपाट तथा उदयपुर के बीएमओ को नोटिस जारी करने तथा मैनपाट के तीन आरएचओ का वेतन रोकने की करवाई के निर्देश दिए गए। बैठक में मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी डॉ. पी.एस. मार्को, सिविल

सर्जन जे.के. रेलवानी सहित राष्ट्रीय कार्यक्रमों के नोडल अधिकारी, बीएमओ, डीपीएम, बीपीएम तथा सर्वसंबंधित उपस्थित रहे।

बैठक में जिले में संचालित विभागीय योजनाओं एवं कार्यक्रमों की प्रगति की समीक्षा कर आवश्यक दिशा- निर्देश दिए गए। इस दौरान जिले में स्वास्थ्य केंद्रों, चिकित्सकों, चिकित्सकीय उपकरणों की उपलब्धता, स्वास्थ्य सुविधाओं की स्थिति पर विस्तृत चर्चा हुई। कलेक्टर ने नर्सिंग होम के नोडल अधिकारी को निर्देशित करते हुए कहा कि, नर्सिंग होम के सम्बन्ध में किसी प्रकार की शिकायत ना आए, लापरवाही पर संबंधित पर कार्रवाई सुनिश्चित करें। आयुष्मान कार्ड निर्माण की जानकारी लेते हुए उन्होंने कहा कि आयुष्मान कार्ड के संबंध में शिकायत प्राप्त होने पर तत्काल कार्रवाई हो, और आयुष्मान योजना में लापरवाही पर संबंधित अस्पताल के विरूद्ध नियमानुसार कार्रवाई सुनिश्चित किया जाए। कलेक्टर ने डॉक्टरों द्वारा प्राइवेट चिकित्सालयों में मरीजों को रेफर करने एवं कारणों की विस्तृत समीक्षा की। उन्होंने कहा अनावश्यक रेफरल की स्थिति में संबंधित पर कार्रवाई होगी। उन्होंने सीएमएचओ को अनावश्यक रेफरल पर संबंधितों को स्पष्टीकरण जारी करने निर्देशित किया। कलेक्टर ने टी.बी. उन्मूलन के तहत किए जा रहे कार्यों और जांच, पॉजिटिव मरीजों की संख्या, निक्षय निरामय जांच एवं उपचार अभियान के बारे में जानकारी ली तथा कहा कि उपचार में किसी भी तरह की लापरवाही न हो। उन्होंने ग्राम पंचायतों के माध्यम से पोषण आहार वितरण की जानकारी ली तथा कहा कि हर माह के प्रथम सप्ताह में मरीजों की अपडेटेड लिस्ट जनपद पंचायत सीईओ को उपलब्ध कराएं, ताकि पात्रों को समय पर पोषण आहार मिल सके। बैठक में विभाग अंतर्गत संचालित विभिन्न योजनाओं एवं कार्यक्रमों की विस्तारपूर्वक समीक्षा के बीच उन्होंने कहा कि टीकाकरण से वंचित हितग्राहियों की पहचान कर विशेष अभियान चलाकर उन्हें निर्धारित सभी टीके लगाए जाएं।

मैनपाट में हाई रिस्क गर्भवती माताओं के पहचान की गति धीमी

बैठक में कलेक्टर ने हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं की जानकारी ली। उन्होंने मैनपाट में हाई रिस्क गर्भवती महिलाओं के पहचान की गति धीमी होने पर शत-प्रतिशत पहचान के निर्देश दिए। साथ ही सभी बीएमओ को गम्भीरता से कार्य करने कहा। उन्होंने जिले में मातृत्व मृत्यु दर की जानकारी ली तथा गर्भवती महिलाओं को पर्याप्त पोषण आहार, नियमित जांच, आवश्यक दवाइयों, टीकाकरण आदि सुनिश्चित करने कहा। रात्रिकालीन प्रसव संबंधी मामलों को अनावश्यक रूप से रेफर ना करें, शत-प्रतिशत संस्थागत प्रसव के लिए लोगों को प्रेरित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर ने विभाग में रिक्त पदों एवं भर्ती प्रक्रिया, जिले में वेक्टर जनित रोगों के प्रभाव की जानकारी ली। बैठक में कलेक्टर ने स्वास्थ्य विभाग में विभिन्न रिक्त पदों की जानकारी ली। स्वास्थ्य सेवाओं को आमजन तक सुलभ बनाने और विभाग को अपने दायित्वों का ईमानदारी के साथ निर्वहन करने कहा।

खुद को चाकू मारा युवक, घायल को खाट में ढोकर सड़क तक लाना पड़ा

संजीवनी एंबुलेंस से लाकर अस्पताल में कराया भर्ती

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सरगुजा के लुण्ड्रा विधानसभा क्षेत्र अंतर्गत से एक वीडियो वायरल हो रहा है, जिसने सिस्टम को सवालों के घेरे में लिया है। दरिमा थाना अंतर्गत ग्राम पंचायत रेवापुर, कदमपारा में सड़क के अभाव में चाकू से घायल एक युवक को ग्रामीणों ने खाट पर लिटाकर एक किलोमीटर सफर किया, इसके बाद सड़क मार्ग तक पहुंचे।

बताया जा रहा है कि, रेवापुर ग्राम के कदमपारा का सांप पकड़ने में माहिर हाबिल नामक युवक गुरूवार को सुबह करीब 7-8 बजे शराब के नशे में अपने पेट में चाकू मार लिया, जिससे खून निकलने लगा। आनन-फानन में स्वजन उसे ग्रामीणों के सहयोग से अस्पताल ले जाने की तैयारी में भिड़े। डॉयल 112 को सूचना दी गई, और गांव से करीब एक किलोमीटर के फासले पर डॉयल 112 की टीम फौरन पहुंच गई। सड़क मार्ग की कमी के कारण बस्ती तक वाहन का पहुंच पाना संभव नहीं था। ऐसे में ग्रामीण खाट में घायल को ढोकर सड़क तक लाए। इसका

गांव के लोगों ने वीडियो बनाकर वायरल कर दिया था।

जमीन नहीं देना चाहते, इसलिए दिक्कत

बताया जा रहा है कि, ग्राम रेवापुर के कदमपारा तक सड़क नहीं होने के कारण ऐसे हालात आए दिन बनते हैं। गांव के लोगों की मानें तो कदमपारा में सड़क की कमी यहां के लोगों के कारण ही बनी हुई है। वे स्वयं और गांव के लोगों को आने-जाने में दिक्कत न हो, सड़क निर्माण हो, इसके लिए अपने स्वामित्व की जमीन देना नहीं चाहते हैं। ऐसे में एंबुलेंस, सहित अन्य चारपहिया वाहनों का गांव तक पहुंचना नहीं हो पाता है। आपात स्थिति में मरीजों को खटिया, झेलगी में लेकर गांव के लोग मुख्य मार्ग तक पहुंचते है। कई बार समय पर इलाज नहीं मिलने और प्रसव के हालत में महिलाओं को संस्थागत प्रसव का लाभ नहीं मिल पाने से हालत बिगड़ने जैसी स्थिति बन जाती है।

घायल युवक की स्थिति नियंत्रण में

देखना होगा कि, प्रशासन और जनप्रतिनिधि वायरल वीडियो के सामने आने के बाद सड़क निर्माण के लिए कितना गंभीर होते हैं। फिलहाल घायल युवक हाबिल का मेडिकल कॉलेज संबद्ध जिला अस्पताल अंबिकापुर में इलाज जारी है, और उसकी स्थिति नियंत्रण में बताई जा रही है। भविष्य में ऐसा मामला सामने न आए और आपात स्थिति में मरीजों को खाट पर लादकर सड़क रोड तक न लाना पड़े, इसके लिए पहल की जरूरत है। कदमपारा के ग्रामीण भी पारा तक सड़क की सुविधा मिले, इसके इंतजार में हैं।

सिर गोवर्धनपुर से आई पावन मिट्टी एवं जल कलश का अंबिकापुर में भव्य स्वागत

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संत शिरोमणि गुरु रविदास की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में उनकी जन्मस्थली सिर गोवर्धनपुर (वाराणसी) से पावन मिट्टी एवं जल कलश लेकर भारतीय जनता पार्टी, छत्तीसगढ़ की 12 सदस्यीय टोली डॉ. सनम जांगड़े एवं हरिनाथ खूंटे के नेतृत्व में रायपुर के लिए रवाना हुई। यात्रा के दौरान जब पावन मिट्टी एवं जल कलश अंबिकापुर पहुंचा, तो भारतीय जनता पार्टी सरगुजा के पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने श्रद्धा एवं भक्ति के साथ पूजा-अर्चना कर उसका भव्य स्वागत किया। महाराणा प्रताप चौक से कलश यात्रा निकाली गई तथा श्रद्धापूर्वक टोली को रायपुर के लिए रवाना किया गया। इस अवसर पर वरिष्ठ भाजपा नेता अनिल सिंह मेजर, महापौर मंजूषा भगत, जिला महामंत्री विनोद हर्ष, जिला महामंत्री अरुणा सिंह, जिला महामंत्री हरमिंदर सिंह टिन्नी, विकास पांडेय, वैभव सिंह देव, चंद्रिका यादव, राधा रवि, मनोज कंसारी, शुभांगी बिहाड़े, आर.डी. चौहान, प्रिया सिंह, राजेन्द्र जायसवाल, रविकांत उरांव सहित बड़ी संख्या में भाजपा पदाधिकारी एवं कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

गुरु पूर्णिमा पर मां महामाया मंदिर में दीप प्रज्ज्वलन, पुजारियों का सम्मान

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। संत शिरोमणि गुरु रविदास महाराज की 650वीं जयंती के उपलक्ष्य में चल रहे समरसता संकल्प अभियान के अंतर्गत गुरु पूर्णिमा के पावन अवसर पर भारतीय जनता पार्टी मंडल महामाया, अंबिकापुर द्वारा मां महामाया मंदिर में दर्शन-पूजन, दीप प्रज्ज्वलन एवं महाआरती का आयोजन किया गया। इस दौरान मां महामाया से सामाजिक समरसता, सद्भाव, राष्ट्रसेवा तथा सांस्कृतिक मूल्यों के संरक्षण हेतु निरंतर कार्य करने का आशीर्वाद प्राप्त किया गया। कार्यक्रम के दौरान मंदिर के पुजारियों का अंगवस्त्र एवं श्रीफल भेंट कर सम्मान किया गया। उपस्थित कार्यकर्ताओं ने उनके सान्निध्य में सामाजिक समरसता, आपसी सौहार्द्र, सामाजिक एकता तथा सनातन संस्कृति के शाश्वत मूल्यों को जन-जन तक पहुंचाने और समाज में उन्हें और अधिक सशक्त बनाने का संकल्प लिया। वक्ताओं ने कहा कि गुरु पूर्णिमा केवल गुरु के प्रति श्रद्धा व्यक्त करने का पर्व नहीं, बल्कि ज्ञान, संस्कार, सेवा, अनुशासन, राष्ट्रभक्ति और समाज के प्रति अपने दायित्वों का आत्मस्मरण करने का भी अवसर है। भारतीय संस्कृति में गुरु को जीवन का मार्गदर्शक माना गया है, जो व्यक्ति और समाज दोनों के निर्माण में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। गुरु पूर्णिमा का संदेश समाज में सेवा, समरसता और सद्भाव की भावना को सुदृढ़ करना है। गुरु पूर्णिमा के अवसर पर भाजपा मंडल महामाया के विभिन्न मोर्चा द्वारा अपने-अपने क्षेत्रों के

मंदिरों में श्रद्धापूर्वक दीप प्रज्ज्वलन कर पर्व मनाया गया। युवा मोर्चा ने स्कूल रोड स्थित हनुमान मंदिर, महिला मोर्चा ने जोड़ापीपल शिव मंदिर, किसान मोर्चा ने काली मंदिर, पिछड़ा वर्ग मोर्चा ने पुलिस लाइन स्थित गौरी मंदिर तथा अनुसूचित जनजाति एवं अनुसूचित जाति मोर्चा ने मां महामाया मंदिर में दर्शन-पूजन एवं दीप प्रज्ज्वलन कर सामाजिक समरसता का संदेश दिया। इस अवसर पर प्रदेश महामंत्री अखिलेश सोनी, छत्तीसगढ़ हाउसिंग बोर्ड के अध्यक्ष अनुराग सिंह देव, भाजपा जिला अध्यक्ष भारत सिंह सिसोदिया, हरपाल सिंह भामरा, डॉ. अंबिकेश केसरी, महिला मोर्चा प्रदेश महामंत्री फुलेश्वरी सिंह, सभापति हरमिंदर सिंह टिन्नी, जिला महामंत्री विनोद हर्ष एवं अरुणा सिंह, संजय गुप्ता (बोडा), दिनेश शुक्ला, जन्मेजय मिश्रा, आलोक दुबे, विद्यानंद मिश्रा, महामाया मंडल अध्यक्ष मनोज कंसारी, सुभागी बिहाड़े, संतोष दास, करता राम गुप्ता सहित मंडल एवं विभिन्न मोर्चों के पदाधिकारी तथा बड़ी संख्या में भाजपा कार्यकर्ता उपस्थित रहे।

जीवन की सफलता उचित दृष्टिकोण, अच्छे चरित्र, कौशल निर्माण और अनुशासित जीवन में निहित

पूर्व उपमुख्यमंत्री सिंहदेव ने 'छात्र संवाद' में बच्चों के वजनदार सवालों का किया सामना

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव की प्रेरणा से सरगुजा जिला एनएसयूआई ने स्कूलों और कॉलेजों में 'छात्र संवाद' के नाम से एक कार्यक्रम की शुरूआत शहर के निजी स्कूल माउंट लिटेरा से की है। कार्यक्रम में गुरूवार को पूर्व उपमुख्यमंत्री ने छोटे-छोटे बच्चों के वजनदार सवालों का सामना किया।

दरअसल, वर्तमान शिक्षा व्यवस्था में छात्रों के व्यवहारिक अनुभव, शासन-प्रशासन से उनकी अपेक्षाओं एवं देश के लोकतांत्रिक व सामाजिक प्रणाली पर इस पीढ़ी के विचारों को समझने और उनसे संवाद करने के लिए इस कार्यक्रम की शुरुआत एनएसयूआई ने की है। करीब डेढ़ घंटे के इस कार्यक्रम में स्कूली बच्चों के द्वारा एक अच्छा लीडर कौन होता है, और दूसरे देशों की तुलना में हमारे देश के नागरिकों में स्व-अनुशासन की कमी सहित महतारी वंदन जैसे बेनेफिट ट्रांसफर स्कीम पर पूर्व उपमुख्यमंत्री से सवाल किया। छात्रों की जिज्ञासा को शांत करते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री सिंहदेव ने कहा कि एक अच्छा लीडर वही होता है जो आमजन की बातों को सुनकर आमजन के हित और कल्याण में काम करे। उन्होंने कहा देश के नागरिकों को अनुशासित करने के लिए दबाव बनाना नकारात्मक पहल है। सफाई, स्वच्छता, यातायात के नियमों में महत्वपूर्ण, स्वयं के साथ ही नागरिकों का भी अनुशासित होना होगा, तभी देश अनुशासन के लय को प्राप्त करेगा। स्कूली छात्रों ने डायरेक्ट बेनिफिट स्कीम महतारी वंदन के औचित्य पर सवाल उठाते हुए उसकी राशि के विकास कार्यों में खर्च पर बल दिया। इसका जवाब देते हुए पूर्व उपमुख्यमंत्री ने कहा कि, भारतीय राज्य की अवधारणा लोक कल्याण से जुड़ी हुई है। ऐसे में आर्थिक रूप से कमजोर नागरिकों के साथ खड़ा होना और उन्हें मदद करना आवश्यक है, उनकी आमदनी में वृद्धि करने का काम भी विकास को बढ़ाता है।

छात्र संवाद के इस कार्यक्रम में पूर्व उपमुख्यमंत्री ने विद्यार्थियों को प्रेरित किया कि, जीवन की सफलता केवल अंकों को हासिल करने में नहीं, उचित दृष्टिकोण, अच्छे चरित्र और कौशल निर्माण, अनुशासित जीवन के माध्यम से भी प्राप्त होता है। कार्यक्रम के दौरान माउंट लिटेरा स्कूल के शिक्षक केपी दीक्षित, राजीव अग्रवाल, दीपेश गुप्ता, नितेश मेहता, प्रतीक दीक्षित, डॉ. बृजेश पांडेय के साथ ही साथ एनएसयूआई के जिलाध्यक्ष आशीष जायसवाल, आलोक सिंह, नीतीश चौरसिया, सतीश बारी, धीरज गुप्ता, अंकित जायसवाल, अतुल यादव उपस्थित रहे। छात्र संवाद कार्यक्रम पूर्व उपमुख्यमंत्री टीएस सिंहदेव की उपस्थिति में आगे भी निरंतर जारी रहेगा।

चोरी का जेवर गिरवी रखकर 3.80 लाख का लोन लिया, शंकरगढ़ पुलिस ने किया पर्दाफाश

छ.ग.फ्रंटलाइन बलरामपुर। जिले के शंकरगढ़ थाना क्षेत्र में घर का ताला तोड़कर हुई करीब 4 लाख रुपये की चोरी का पुलिस ने पर्दाफाश कर दिया है। मामले में चोरी के जेवरात को बैंक में गिरवी रख गोल्ड लोन लेने वाली महिला सहित 3 आरोपियों को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर भेजा गया है। पुलिस के अनुसार बचवार निवासी अर्पण कुमार उरांव ने 31 दिसंबर 2025 को रिपोर्ट दर्ज कराई थी कि दोपहर 2 से शाम 4.30 बजे के बीच अज्ञात चोरों ने उनके घर का दरवाजा और अलमारी का लॉक तोड़कर सोने-चांदी के जेवरात, 3 हजार नकद और 2 सीसीटीवी कैमरे चोरी कर लिए थे। चोरी गए सामान की कीमत करीब 4 लाख रुपये थी। शंकरगढ़ पुलिस ने अपराध क्रमांक 01/2026 धारा 305, 331(3), 3(5) BNS के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू की। जांच के दौरान गांधीनगर थाना में गिरफ्तार आनंद कुमार पन्ना से पूछताछ करने पर उसने अपने साथी आकाश गाईन के साथ मिलकर चोरी करना स्वीकार किया। आकाश की गिरफ्तारी के बाद पता चला कि चोरी के जेवर उसकी मां नीलिमा गाईन के माध्यम से अंबिकापुर के मणप्पुरम बैंक में जमा कर 3.80 लाख रुपये का गोल्ड लोन लिया गया था। पुलिस ने सोने का हार, चैन, झुमका और मंगलसूत्र बैंक में जमा होने की पुष्टि की। जांच में यह भी सामने आया कि लोन की राशि नीलिमा के पास थी जबकि आनंद की बहन मंजुषा पन्ना के खाते में 20 हजार रुपये भेजे गए थे।

पुलिस इन्हें की गिरफ्तार-पुलिस ने आकाश गाईन 23 वर्ष, नीलिमा गाईन 38 वर्ष और मंजुषा पन्ना 31 वर्ष को गिरफ्तार कर लिया। पूर्व में आनंद कुमार पन्ना को भी गिरफ्तार किया जा चुका है। सभी को न्यायिक रिमांड पर जेल भेज दिया गया है। प्रकरण में चोरी के जेवरात और गोल्ड लोन से जुड़े अन्य पहलुओं की विवेचना जारी है।

ढाई साल बाद विधायक रामकुमार टोप्पो को राहत, जाति प्रमाणपत्र मामले में क्लीन चिट

रायगढ़ जिला समिति ने खारिज की आपत्ति, कहा- ग्रामसभा के प्रस्ताव को रद्द करने का अधिकार नहीं

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। सीतापुर विधायक रामकुमार टोप्पो को जाति प्रमाणपत्र मामले में बड़ी राहत मिली है। रायगढ़ जिला स्तरीय प्रमाणपत्र सत्यापन समिति ने हाईकोर्ट बिलासपुर के निर्देश पर हुई जांच के बाद उनके खिलाफ लगी आपत्ति को खारिज कर दिया है। समिति ने अपने आदेश में कहा कि टोप्पो का जाति प्रमाणपत्र ग्राम पंचायत जामबहार, रायगढ़ की ग्रामसभा के प्रस्ताव के आधार पर जारी किया गया है। समिति के पास ग्रामसभा के प्रस्ताव को अमान्य करने का अधिकार नहीं है। समिति ने यह भी स्पष्ट किया कि शिकायतकर्ता विधायक के जाति प्रमाणपत्र को फर्जी साबित करने में असफल रहा।

क्या था मामला-सीतापुर निवासी बिहारी लाल तिर्की ने वर्ष 2023 में

विधानसभा चुनाव से पहले हाईकोर्ट बिलासपुर में याचिका दायर कर आरोप लगाया था कि विधायक का जाति प्रमाणपत्र बिना सेटलमेंट के जारी किया गया है। हाईकोर्ट ने मामले की जांच रायगढ़ की जिला स्तरीय छानबीन समिति को सौंपी थी। शिकायत के लंबे समय तक निराकरण न होने पर अप्रैल 2026 में हाईकोर्ट ने समिति को 90 दिनों के भीतर फैसला देने का निर्देश दिया था। विधायक का जाति प्रमाणपत्र 19 सितंबर 2023 को रायगढ़ से और 2 नवंबर 2023 को एसडीएम लैलूंगा द्वारा जारी किया गया था।

दोनों पक्षों का बयान-फैसले के बाद विधायक रामकुमार टोप्पो ने कहा कि राजनैतिक द्वेष के कारण शिकायत की गई थी। मैंने जांच में पूरा सहयोग किया। आरोप लगाने वाले वैध दस्तावेज नहीं दे सके। अंतत: न्याय की जीत हुई। वहीं शिकायतकर्ता बिहारी लाल तिर्की ने कहा कि हमें जिला समिति का आदेश मिल गया है। हम अब राज्य स्तरीय जाति प्रमाण पत्र सत्यापन समिति में अपील करेंगे। इसके लिए अधिवक्ताओं से राय ली जा रही है। जिला स्तरीय समिति ने सामान्य प्रशासन विभाग की 2 सितंबर 2013 की अधिसूचना का हवाला देते हुए फैसला सुनाया।

डेंगू-मलेरिया के खिलाफ स्वास्थ्य विभाग का अभियान, वार्डों में चला मच्छर लार्वा सर्वे

छ.ग.फ्रंटलाइन जरही। बारिश के मौसम में डेंगू, मलेरिया एवं अन्य मच्छरजनित बीमारियों की रोकथाम को लेकर नगर पंचायत जरही में गुरुवार को व्यापक अभियान चलाया गया। मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी, जिला सूरजपुर के निर्देशन तथा सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र प्रतापपुर के खंड चिकित्सा अधिकारी डॉ. अजित कुमार दीवान के मार्गदर्शन में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने नगर पंचायत के सभी वार्डों में मच्छर लार्वा सर्वे और स्रोत नियंत्रण अभियान संचालित किया। अभियान के दौरान स्वास्थ्य टीम ने घर-घर पहुंचकर कूलर, पानी की टंकियां, गमले, पुराने टायर और अन्य जलभराव वाले स्थानों का निरीक्षण किया। जहां भी मच्छरों के लार्वा पाए गए, वहां तत्काल पानी खाली कराया गया, टेमीफॉस का छिड़काव किया गया तथा लार्वा नष्ट करने के लिए आवश्यक कार्रवाई की गई। स्वास्थ्य विभाग की टीम ने नागरिकों को डेंगू और मलेरिया से बचाव के उपायों की जानकारी भी दी। लोगों से अपील की गई कि वे अपने घर और आसपास साफ-सफाई बनाए रखें, सप्ताह में एक दिन 'ड्राई डे' मनाकर कूलर एवं पानी के बर्तनों को पूरी तरह खाली करें तथा कहीं भी पानी जमा न होने दें। अधिकारियों ने कहा कि जनसहभागिता से ही मच्छरजनित बीमारियों पर प्रभावी नियंत्रण पाया जा सकता है। अभियान में वीबीडीटीएस उत्तरा कुमार महिलांगे, आरएमए कमलेश सोनी, सीएचओ आकांक्षा टोप्पो, आरएचओ बाबूलाल चौधरी, रामप्रताप गुप्ता, पार्वती राजवाड़े सहित मथला पैकरा, निर्मला यादव, पुष्पा तिर्की, लीलावती राजवाड़े, मितानिन रीना, बोशन, रिझन, प्रेमा, सोनी, पार्वती, प्रमिला, संगीता एवं नगर पंचायत के सफाई कर्मचारियों ने सक्रिय भूमिका निभाई।

लोक परीक्षा संशोधन विधेयक पारित होने का भाजपा जिला प्रभारी ने किया स्वागत

कहा-परीक्षा माफिया, प्रश्नपत्र लीक और संगठित अनियमितताओं पर लगेगा प्रभावी अंकुश

छ.ग.फ्रंटलाइन अंबिकापुर। भाजपा सरगुजा जिला प्रभारी कृष्णकांत चंद्रा ने लोकसभा में लोक परीक्षा (अनुचित साधन निवारण) संशोधन विधेयक, 2026 के पारित होने का स्वागत करते हुए इसे देश के करोड़ों युवाओं के सुरक्षित भविष्य, ईमानदार प्रतिभा और पारदर्शी परीक्षा व्यवस्था की दिशा में एक ऐतिहासिक एवं दूरदर्शी कदम बताया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार युवाओं के सपनों, उनके परिश्रम और उनके भविष्य की रक्षा के लिए निरंतर ठोस एवं प्रभावी निर्णय ले रही है। यह संशोधन उसी दृढ़ संकल्प का प्रमाण है। भाजपा जिला प्रभारी ने कहा कि प्रतियोगी परीक्षाएं करोड़ों युवाओं की वर्षों की मेहनत, आशाओं और विश्वास का आधार होती हैं। प्रश्नपत्र लीक, नकल माफिया और संगठित परीक्षा अपराध जैसी गतिविधियां न केवल योग्य अभ्यर्थियों के साथ अन्याय करती हैं, बल्कि पूरे परीक्षा तंत्र की विश्वसनीयता को भी प्रभावित करती हैं। ऐसे अपराधों पर कठोर और प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से लाया गया यह संशोधन परीक्षा व्यवस्था को और अधिक मजबूत बनाएगा। उन्होंने कहा कि संशोधन विधेयक के माध्यम से परीक्षा संबंधी अपराधों के विरुद्ध दंडात्मक प्रावधानों को और अधिक कठोर बनाया गया है। इससे परीक्षा माफिया, संगठित आपराधिक गिरोहों तथा किसी भी प्रकार की अनियमितता में शामिल तत्वों के विरुद्ध प्रभावी कानूनी कार्रवाई का मार्ग और मजबूत होगा। साथ ही परीक्षा आयोजित करने वाली एजेंसियों एवं सेवा प्रदाताओं की जवाबदेही भी और अधिक सुनिश्चित होगी, जिससे पूरी प्रक्रिया अधिक पारदर्शी, उत्तरदायी और विश्वसनीय बनेगी। चंद्रा ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में केंद्र सरकार ने हमेशा युवाओं के हितों को सर्वोच्च प्राथमिकता दी है। नई शिक्षा नीति, कौशल विकास, रोजगार सृजन, डिजिटल पारदर्शिता तथा अब परीक्षा प्रणाली को और अधिक सुरक्षित बनाने की दिशा में यह संशोधन युवाओं के भविष्य को सशक्त बनाने वाली एक महत्वपूर्ण कड़ी है। इससे प्रतिभाशाली और मेहनती युवाओं का विश्वास और अधिक मजबूत होगा, निष्पक्ष एवं पारदर्शी चयन प्रक्रिया को नई मजबूती मिलेगी। विकसित भारत का निर्माण तभी संभव है, जब युवाओं को उनकी योग्यता और परिश्रम अनुरूप निष्पक्ष अवसर प्राप्त हों। यह संशोधन उसी सोच को साकार करने वाला एक महत्वपूर्ण कदम है, जो ईमानदार प्रतिभा को संरक्षण देने और परीक्षा सम्बन्धी अनियमितताओं पर कठोर प्रहार करने का कार्य करेगा।

न्यायालय नायब तहसीलदार रघुनाथपुर जिला-सरगुजा (छ0ग0)

राजस्व प्र0क्र0/ब-121/2025-26

ईश्तहार

एतद् द्वारा सर्व साधारण ग्राम लमगांव को सूचित किया जाता है कि आवेदक / आवेदिका महेश पटेल पिता/पति बनवारी उम्र 50 वर्ष जाति कुर्मी निवासी लमगांव तहसील रघुनाथपुर जिला सरगुजा छ0ग0 के द्वारा अपने माता स्व0निरासो बाई का मृत्यु दिनांक 14/08/2005 को हुई है प्रमाण पत्र बनवाने हेतु शपथ पत्र, अनुपलब्धता प्रमाण पत्र व अन्य दस्तावेज सलग्न कर आवेदन पेश किया गया है। जो इस न्यायालय में विचाराधीन है। उक्त कार्यवाही से किसी को कोई आक्षेप हो तो वह अपना आक्षेप स्वंम या अपने अभिभाषक के माध्यम दिनांक 31/07/2026 तक मेरे न्यायालय मे प्रस्तुत कर सकता हैं। नियत तिथि के पश्चात् प्राप्त आक्षेप पर कोई विचार नही किया जायेगा एवं तदानुसार कार्यवाही कर दी जावेगी। आज दिनांक 17/07/2026 को मेरे हस्ताक्षर एवं न्यायालय की मुद्रा से अंकित कर जारी किया गया।

नायब तहसीलदार
रघुनाथपुर

स्वामी, प्रकाशक एवं मुद्रक- मनीष पाठक द्वारा स्पीड प्रिंटर्स व आफसेट पुराना पोस्ट ऑफीस रोड दर्रीपारा अम्बिकापुर पिन नं. 497001 (छत्तीसगढ़) से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक-रणविजय सिंह तोमर